@haryanavatika www.haryanavatika.in @haryanavatika @haryanavatika

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

हरियाणा वाटिका

लोहारू से प्रकाशित सोच बिल्कुल निष्पक्ष

RNI No-HARHIN/2019/79021 वर्ष : 06, अंक: 126 पृष्ठ: 08, मूल्य: रू. 1.00 गुरूवार, 02 मार्च 2025 haryanavatika@gmail.com +91-9255149495

प्रेरणास्त्रोतः स्व. डॉ. एलसी वालिया

केदारनाथ-हेमकुंड साहिब रोप-वे को केंद्र की मंजूरी

केदारनाथ में रोप-वे से 36 मिनट में होगी 9 घंटे की यात्रा, 36 लोग बैठ सकते हैं

नई दिल्लीः केंद्र ने केदारनाथ धाम और हेमकुंड साहिब के लिए रोप-वे प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया, 'अभी जो यात्रा 8-9 घंटे में पूरी होती है, वह घटकर 36 मिनट की हो जाएगी। इसमें 36 लोगों के बैठने की क्षमता होगी।' राष्ट्रीय रोपवे विकास कार्यक्रम के तहत उत्तराखंड में सोनप्रयाग से केदारनाथ तक (12.9 किमी) और गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब जी तक (12.4 किमी) का रोपवे बनेगा। नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक मैनेजमेंट इसे बनाएगा। भगवान शिव का मंदिर केदारनाथ में है। यह समुद्र तल से 3,584 मीटर की ऊंचाई पर है। यहां मंदाकिनी नदी है। केदारनाथ धाम भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। हर घंटे 1800 यात्रियों को रोपवे से केदारनाथ पहुंचाया जाएगा केदारनाथ में बनने वाला रोपवे सबसे एडवांस्ड ट्राई केबल डिटेचेबल गोंडोला टैक्निक वाला होगा। इससे हर घंटे 1800 और हर दिन 18 हजार तीर्थ यात्रियों को पहुंचाया जाएगा। केदारनाथ जाने में एक तरफ से कम से कम 9 घंटे का समय लगता है। रोपवे बन जाने के बाद यह यात्रा 36 मिनट में होगी। केदारनाथ मंदिर तक की यात्रा गौरीकुंड से 16 किमी की कठिन चढ़ाई है। अभी इसे पैदल, पालकी, टट्टू और हेलिकॉप्टर से पूरा किया जाता है। हेमकुंड साहिब के रोपवे पर 2,730.13 करोड़ रुपए खर्च होंगे गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब तक 12.4 किमी रोपवे बनेगा। इसमें 2,730.13 करोड़ रुपए खर्च होंगे। रोपवे से हर घंटे 1100 और हर दिन 11 हजार यात्रियों को ले जाया जाएगा। हेमकुंड साहिब उत्तराखंड के चमोली जिले में है। इसकी समुद्रतल से ऊंचाई 15 हजार फीट है।

यहां स्थापित गुरुद्वारा मई से सितंबर के बीच साल में लगभग 5 महीने के लिए खुलता है।

पीएम विद्यालक्ष्मी योजना राष्ट्रीय शिक्षा नीति का ही विस्तार है

बैठक में हायर एजुकेशन लोन पर 75% क्रेडिट को मंजूरी दी। मोदी कैबिनेट की 6 नवंबर की बैठक में पीएम विद्यालक्ष्मी योजना को मंजूरी दे दी गई थी। इसमें हायर एजुकेशन के लिए 7.5 लाख रुपए तक के लोन पर भारत सरकार 75% क्रेडिट गारंटी देगी। 8 लाख रुपए सालाना आय वाले परिवार के बच्चों को 10 लाख रुपए तक के लोन पर 3% ब्याज अनुदान भी दिया जाएगा। 4.5 लाख रुपए तक की सालाना आय वाले छात्रों को पहले से पूर्ण ब्याज अनुदान मिल रहा है।

इस योजना के दायरे में देश के प्रमुख 860 हायर एजुकेशन सेंटर्स के 22 लाख से अधिक छात्र आएंगे। केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में कहा गया था कि इस योजना का उद्देश्य मेधावी छात्रों को सहायता प्रदान करना है।

03 जुलाई से शुरू होगी बाबा बर्फानी की यात्रा

जम्मू/हरियाणा वाटिका एजेंस

दक्षिणकश्मीर में 3,880 मीटर ऊंचे पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर की 38 दिवसीय वार्षिक तीर्थ यात्रा तीन जुलाई से शुरू होगी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की अध्यक्षता में अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) की 48वीं बोर्ड बैठक में इसका निर्णय लिया गया। प्रवक्ता ने बताया, "इस साल यात्रा तीन जुलाई को दोनों मार्गों- अनंतनाग जिले में पहलगाम ट्रैक और गंदेरबल जिले में बालटाल से एक साथ शुरू होगी और रक्षाबंधन के दिन नौ अगस्त को इसका समापन होगा।" उन्होंने बताया कि बैठक में तीर्थ बोर्ड के सदस्यों ने भाग लिया, जिन्होंने श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं और सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए विभिन्न उपायों और हस्तक्षेपों का प्रस्ताव रखा। प्रवक्ता ने बताया कि अमरनाथ यात्रा के लिए तीर्थयात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए बैठक में जम्मू, श्रीनगर और अन्य स्थानों पर केंद्रों पर ठहरने की क्षमता बढ़ाने, ई-केवाईसी के लिए यात्री सुविधा केंद्रों का संचालन, आरएफआईडी कार्ड जारी करने, नौगाम और कटरा रेलवे स्टेशनों सहित कई स्थानों पर तीर्थयात्रियों का मौके पर पंजीकरण करने के उपायों पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि इस बात पर भी चर्चा की गई कि आवश्यकता के अनुसार बालटाल, पहलगाम, नुनवान और पंथा चौक श्रीनगर में भी इन सुविधाओं को उपयुक्त रूप से बढ़ाया जाना चाहिए।

औरंगजेब को आदर्श मानने वाले विधायक को यूपी भेजिए, इलाज कर देंगेः सीएम योगी

लखनऊ/हरियाणा वाटिका एजेंस

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यूपी के बजट सत्र में विधान परिषद को संबोधित करते हुए महाकुंभ के आयोजन का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि यह ऐसा आयोजन था जिसे लंबे समय तक दुनिया याद रखेगी। उन्होंने कहा कि कुछ पार्टियां इससे सहमत नहीं थीं और महाकुंभ को लेकर दुष्प्रचार किया फिर भी लोगों की आस्था नहीं डिगी। उन्होंने कहा कि महाकुंभ के आयोजन की दुनिया भर में प्रशंसा हो रही है। जो लोग संघ की विचारधारा से नहीं जुड़े हैं वो भी महाकुंभ के आयोजन की प्रशंसा कर रहे हैं। 45 दिन तक चले आयोजन में कोई लूट की घटना नहीं हुई। कोई अपहरण की घटना नहीं हुई। यह सनातन के सामाजिक अनुशासन का प्रभाव है।

जो कि कहता है कि पूरा देश एक है और यहां जातिवाद और क्षेत्रवाद की कोई जगह नहीं है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि ये उन लोगों को जवाब है जो कि जल के प्रदूषण और अन्य तमाम छोटी खबरों को लेकर आयोजन पर सवाल उठा रहे थे और दुष्प्रचार कर रहे थे। देश की जनता के लिए गंगा सबसे पवित्र है और विज्ञान कहता है कि बहता हुआ जल खुद को पवित्र करता रहता है। उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि महाकुंभ में जैसी जिसकी दृष्टि थी वैसा ही उसने वहां देखा।

02 अप्रैल से भारत पर 100% टैरिफ लगाएंगे: अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प

वॉशिंगटन डीसीः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 2 अप्रैल से भारत पर जैसा को तैसा टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि भारत हमसे 100% से ज्यादा टैरिफ वसूलता है, हम भी अगले महीने से ऐसा ही करने जा रहे हैं। ये ऐलान उन्होंने बुधवार सुबह (भारतीय समय के मुताबिक) अमेरिकी संसद के जॉइंट सेशन में किया। उन्होंने रिकॉर्ड 1 घंटा 44 मिनट का भाषण दिया। अपने पिछले कार्यकाल में उन्होंने सिर्फ 1 घंटे का भाषण दिया था। ट्रम्प ने भाषण की शुरूआत अमेरिका इज बैक, यानी 'अमेरिका का दौर लौट आया है' से की। ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने 43 दिन में जो किया है वह कई सरकारें अपने 4 या 8 साल के कार्यकाल में नहीं कर पाईं। इसके अलावा ट्रम्प ने पाकिस्तान को शुक्रिया भी कहा। ट्रम्प ने कहा कि 2021 में अफगानिस्तान में आतंकियों ने 13 अमेरिकी सैनिकों की हत्या कर दी थी।

उन्हें पकड़ने में पाकिस्तान सरकार ने मदद की।

1. जैसे को तैसा टैरिफः 2 अप्रैल से जैसे को तैसा टैरिफ लागू होगा। दूसरे देश हम पर भारी टैरिफ और टैक्स लगाते हैं, अब हमारी बारी है। अगर कोई कंपनी अमेरिका में प्रोड्क्ट नहीं बना रही है तो उसे टैरिफ देना होगा।

2. यूक्रेन जंगः जेलेंस्की जल्द से जल्द यूक्रेन जंग खत्म करने को लेकर बातचीत के लिए आने को तैयार हैं। हमने रूस के साथ गंभीर बातचीत की है। हमें मॉस्को से मजबूत संकेत मिले हैं कि वे शांति के लिए तैयार हैं।

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के लिंक अधिकारी नियुक्त

चंडीगढ़ः हरियाणा सरकार ने हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के कामकाज का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए, आयोग के सचिव की अनुपस्थिति में मानव संसाधन विभाग के महानिदेशक / निदेशक को लिंक अधिकारी जबकि हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के ओएसडी को लिंक अधिकारी नियुक्त किया है। सम्बन्धित अधिकारी अवकाश, प्रशिक्षण, दौरे, चुनाव ड्यूटी पर जाने से पहले लिंक अधिकारी को सूचित करेंगे।

मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा इस संबंध में एक पत्र जारी किया गया है।

हरियाणा में नागरिक उड्डयन ढांचा मजबूत करने पर जोरः विपुल गोयल

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंस

हरियाणा के नागरिक उड्डयन मंत्री विपुल गोयल ने प्रदेश में नागरिक उड्डयन से संबंधित आधारभूत ढांचा मजबूत करने पर जोर दिया है। गोयल ने आज हरियाणा सिविल सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में विभाग से संबंधित परियोजनाओं की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। नागरिक उड्डयन मंत्री ने हिसार एयरपोर्ट के संचालन के संबंध में आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि लाइसेंस मिलने के बाद लैंडिंग ट्रायल जल्द से जल्द शुरू कराया जाए ताकि कम से कम समय में एयरपोर्ट से उड़ानें शुरू हो सकें। उन्होंने अंबाला एयरपोर्ट और नारनौल के एयरो स्पोर्ट्स हब के बारे में भी विस्तृत जानकारी ली। मंत्री विपुल गोयल ने गुरुग्राम, हिसार और फरीदाबाद से हेलीकॉप्टर सेवा शुरू करने के संबंध में भी अपडेट लिए और आवश्यक कार्य पूरा करने को कहा। उन्होंने कहा कि सालासर और खाटू श्याम धाम के लिए हेलीकॉप्टर सेवा शुरू करने के लिए राजस्थान सरकार से बातचीत कर सीकर में स्थाई हेलीपैड बनाया जाएगा। मंत्री विपुल गोयल ने इस दौरान विभाग से सम्बंधित कई अन्य विषयों पर भी चर्चा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ सिरसा में जन नायक चौधरी देवीलाल विद्यापीठ परिसर में चौधरी ओम प्रकाश चौटाला स्मृति संग्रहालय की आधारशिला रखते हुए। साथ में हैं उपराष्ट्रपति की धर्मपत्नी डॉ. सुदेश धनखड़, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा, विद्यापीठ ट्रस्ट के चैयरमेन पूर्व विधायक अभय चौटाला, विधायक अर्जुन चौटाला, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल व अन्य गणमान्य।

हरियाणा सरकार का किसानों के हित में बड़ा फैसला

सरकार ने रबी फसलों के प्रति एकड़ औसत उत्पादन की सीमा में की बढ़ोतरी

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने किसानों के हित में बड़ा निर्णय लेते हुए वर्ष 2024-25 की रबी फसलों के प्रति एकड़ औसत उत्पादन की सीमा में बढ़ोतरी की है। इस निर्णय से किसानों को फायदा होगा, जो प्रति एकड़ संभावित उत्पादन से अधिक पैदावार होने के कारण अपनी फसल को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बेच नहीं पाते थे।

राज्य सरकार ने किसानों की समस्या को देखते हुए प्रति एकड़ संभावित उत्पादन की सीमा का अध्ययन करने हेतु कमेटी का गठन किया था और कमेटी द्वारा दिए गए सुझावों को मुख्यमंत्री ने मंजूरी देते हुए प्रति एकड़ औसत उत्पादन की सीमा को तय किया गया है। यह निर्णय रबी खरीद सीजन 2025-26 में प्रभावी होगा। सरकारी प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि इस निर्णय के अनुसार जौ की फसल उत्पादन सीमा 15 क्विंटल से बढ़ाकर 16 क्विंटल प्रति एकड़ किया गया है। चने का औसत उत्पादन सीमा 5 क्विंटल से बढ़ाकर 6 क्विंटल प्रति एकड़ तथा सूरजमुखी का उत्पादन सीमा 8 क्विंटल से बढ़ाकर 9 क्विंटल प्रति एकड़ किया गया है।

। गर्मी में पैदा होने वाली मूंग की फसल का औसत उत्पादन सीमा बढ़ाते हुए 3 क्विंटल से 4 क्विंटल प्रति एकड़ किया गया है।

इसी प्रकार, कमेटी ने मसूर की दाल के औसत उत्पादन को भी फिक्स किया है जो अभी तक फिक्स नहीं था। कमेटी के अनुसार मसूर का औसत उत्पादन अनुमान प्रति एकड़ 4 क्विंटल तय किया गया है। हालांकि, गेहूं का उत्पादन सीमा प्रति एकड़ 25 क्विंटल ही रखा गया है।

राशन और तेल की सप्लाई समय पर सुनिश्चित करें अधिकारी - राजेश नागर

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री राजेश नागर ने आज यहां विभाग के उच्च अधिकारियों की एक समीक्षा बैठक ली। नागर ने बैठक में अधिकारियों के साथ कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को राशन तथा सरसों का तेल समय पर वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने राशन डिपुओं पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने के कार्य में तेजी लाने के भी निर्देश दिए।खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री ने कहा कि नए राशन डिपो अलॉट करने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि राशन डिपुओं पर नई पोस मशीनें लगाने का कार्य पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग्स के माध्यम से करवाने हेतु टेंडर प्रक्रिया आरम्भ कर दी गई है। इसे जल्द से जल्द आगे बढ़ाया जाए। बैठक में पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम के तहत फोर्टीफाइड आटे का वितरण फिर से आरम्भ करने के बारे में भी चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि इससे गीली गेहूं भेजने के बारे में आने वाली शिकायतों पर भी अंकुश लगेगा। बैठक में पोटली स्कीम फिर से लागू करने पर विचार किया गया। इस स्कीम के तहत सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत वितरित की जाने वाली आवश्यक वस्तुओं को इकट्ठा एक पोटली में वितरित करवाने के विषय पर विचार किया गया। बैठक में विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण और निदेशक राजेश जोगपाल सहित अन्य उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

सीएम ने अधिकारियों को आईआईटी परिसर की स्थापना के लिए प्रस्ताव तैयार करने के दिए निर्देश

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को राज्य में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) परिसर की स्थापना के लिए एक प्रस्ताव तैयार कर केंद्र सरकार को भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस पहल के लिए आवश्यक भूमि उपलब्ध कराने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री आज यहां उच्चतर शिक्षा विभाग की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम, मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी और मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर भी उपस्थित थे। बैठक में राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति और रजिस्ट्रार के साथ-साथ विभिन्न जिलों के जिला शिक्षा अधिकारी भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि आईआईटी की स्थापना छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली, विश्व स्तरीय तकनीकी शिक्षा प्रदान करने तथा उन्हें इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में करियर के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करने के लिए की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विश्वविद्यालयों में विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान करके उच्चतर शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण की दिशा में काम करेगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ने छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिसके परिणामस्वरूप सरकारी शिक्षण संस्थानों में युवाओं का विश्वास बढ़ा है।

मुख्यमंत्री ने कुलपतियों से न केवल शिक्षा पर बल्कि छात्रों के लिए शोध, नवाचार और कौशल विकास पर भी ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने इन उद्देश्यों के लिए एक अलग कोष आवंटित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कुलपतियों को छात्रों को अपना स्टार्टअप स्थापित करने के लिए प्रेरित करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि आज कई युवा बिना किसी शुरूआती निवेश के अच्छी खासी आय अर्जित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी आश्वासन दिया कि राज्य सरकार बड़ी संख्या में विदेशी छात्रों को समायोजित करने के लिए विश्वविद्यालयों में विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान करके उच्चतर शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण की दिशा में काम करेगी। रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए युवाओं का कौशल विकास आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए कौशल विकास के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने उद्योगों के लिए अनुकूल माहौल तैयार किया है, जिससे हरियाणा भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों कंपनियों के लिए अपनी इकाइयां स्थापित करने के लिए एक पसंदीदा स्थान बन गया है। इस वृद्धि ने उद्योगों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित जनशक्ति की मांग पैदा की है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार ने छात्रों को कौशल शिक्षा प्रदान करने के लिए पलवल जिले के दुधोला गांव में विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय (एसवीएसयू) की स्थापना की है। मुख्यमंत्री को जानकारी दी गई कि विश्वविद्यालय में वर्तमान में अलग-अलग अवधि के 43 तकनीकी पाठ्यक्रम चलाये जा रहे हैं और विभिन्न उद्योगों के साथ 200 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। विश्वविद्यालय ने अपने छात्रों के लिए 81 प्रतिशत की प्रभावशाली प्लेसमेंट दर हासिल की है।

वेदा कैफे के विरुद्ध ज्वाइंट एक्शन कमेटी का प्रर्दशन

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 05 मार्च।: विद्युत सदन में वेदा कैफे के विरुद्ध गठित की गई ज्वाइंट एक्शन ने प्रर्दशन किया तथा बाद में कमेटी की डायरेक्टर प्रोजेक्ट इंजीनियर विनीता से मुलाकात की, जिसमें वेदा कैफे के मुद्दे पर चर्चा हुई। बैठक में एसई/सिविल, एक्सईन/सिविल व वेदा कैफे के मालिक व ज्वाइंट एक्सन कमेटी की तरफ से परमल, विनोद सैनी, संदीप सैनी, दिनेश शर्मा, अजीत, प्रिंस, नीरज आदि उपस्थित थे। इस बैठक में निम्न लिखित बिंदुयों पर डायरेक्टर प्रोजेक्ट इंजीनियर से सहमति बनी जिन्हें जल्द से जल्द क्रियान्वित किया जा सके। जिन मुद्दों पर सहमति हुई उनमें अवैध एनक्रोचमेंट/कब्जे को (बांस की दीवार को परदे सहित) हटाया जाएगा, कैफे को टेंडर के अनुसार दी गई एरिया (2354 वर्ग फीट) में ही कैफे-सह-लाइब्रेरी की तरह ही चलाया जाएगा, पार्क के गेट को जो बंद किया हुआ है, उसे फिर से खोला जाएगा, कैफे-सह-लाइब्रेरी, यूटिलिटी के कर्मचारियों व कॉलोनी वासियों के लिए ही खोला जाएगा। कैफे-सह-लाइब्रेरी की समय सारणी विद्युत सदन के अनुसार होगी। कैफे-सह-लाइब्रेरी में कोई फंक्शन/इवेंट्स आदि नही होंगे व ना ही किसी प्रकार का डीजे/म्युजिक नहीं चलाया जाएगा। पार्किंग की जगह कॉमर्शियल कॉम्लैक्स में होगी। डायरेक्टर ने आश्वस्त किया कि पूर्ण रूप से टेंडर के दस्तावेजों के अनुसार ही कैफे-सह-लाइब्रेरी को चलवाया जाएगा। यदि कैफे का मालिक इन बातों को नहीं मानता तो उसका लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा। कॉलोनी वासियों ने आज भी प्रदर्शन किया। ज्वाईंट एक्सन कमेटी की तरफ से अजीत व परमल ने बताया कि डायरेक्टर ने एक सप्ताह का समय दिया है। अगर ये सब लागू नहीं होता हो तो ज्वाईंट एक्सन कमेटी आगामी आंदोलन का आगाज करेगी। इस दौरान विनोद, प्रिंस, नीरज, राजबीर, रवि, गौरव, नरेश शर्मा, रमेश शर्मा, नरसी दास, सतीश, रणधीर, हरीश, राजकुमार, रमेश शर्मा, रवि सिंह, दिनेश शर्मा, मनोज, नरेन्द्र, राजेश, गौरव, नरेश, सुरेन्द्र, राहुल, प्रवेश, देवेन्द्र, सत्यनारायण, नीरज, तारा, मुकेश, रमेश, परमल, प्रदीप शर्मा, रविद्र, रवि, महेन्द्र, सतविंद्र, विकास, जितेन्द्र, किरण, सुमन, मीना, कुसुम, कविता, मीना, रामप्यारी, जानकी, राजबाला, अनु, मोनिका, अंशुल, कांता, पूनम, सुमन, रजनी, सुनीता, सुनैना, नीतू, अनिता, सुनील, अनिल, संदीप, सतीश, नरेश, राजकुमार सैंकड़ों कालोनी वासी मौजूद थे।

चित्र परिचय : वेदा कैफे के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए विद्युत नगर निवासी।

रिटायर्ड डीएफ ने भूमि आश्रम को पानी की टंकी, मोटर आदि सामान भेंट किया

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 05 मार्च। कुंजलाल गार्डन निवासी एचएयू से सेवानिवृत डीएफ रामनिवास सैनी जमालपुरिया ने नई अनाज मंडी में केदारनाथ धर्मशाला में चल रहे भूमि आश्रम को सहयोग स्वरुप हजार लिटर की पानी की टंकी, पानी की मोटर, कनैक्शन करने में लगा सारा सामान सहित मजदूरी तक प्रदान की। रामनिवास सैनी ने इस अवसर पर बुजुर्गों से मुलाकात करने के बाद कहा कि वे बुजुर्गों व बेसहारा लोगों की सेवा निस्वार्थ भाव से करते हैं। समाज के सभी लोगों को इस तरह की मदद करने के लिये सदैव आगे रहना चाहिये। ऐसे लोगों की सेवा करने से मानसिक, शारीरिक सुख तथा मन को शांति मिलती है। आश्रम संचालक मुकेश कुमार ने रामनिवास सैनी का आभार प्रकट किया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री चौ. दलबीर सिंह की जयंती पर हवन का आयोजन

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 05 मार्च। पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद कुमारी सैलजा के पिता स्वर्गीय चौ. दलबीर सिंह की जयंती पर डाबड़ा चौक स्थित आवास पर हवन का आयोजन किया गया। वैदिक विद्वान सूर्यदेव वेदांशु ने वैदिक रीति से हवन-यज्ञ करवाया। हवन में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने हिस्सा लेकर स्व. चौ. दलबीर सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान चौ. दलबीर सिंह द्वारा करवाए गए जनकल्याण के कार्यों को भी याद किया गया। हवन-यज्ञ के दौरान एचपीएससी के पूर्व सदस्य जगन्नाथ, हरियाणा कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट के अध्यक्ष एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल, भूपेंद्र गंगवा, अश्विनी शर्मा, कुलजीत घनघस, हरिकिशन प्रभुवाला, बाला देवी खेदड़, जगबीर मलिक, राजेश भुटानी, बलजीत सिंह सुरेवाला, नरेश पातड़, हिमांशु आर्य खोवाल, दिव्या धुंधवाल, रोहतास भवानी खेड़ा, राजवीर, लीलू राम चौहान, दलबीर सिंह लितानी व मंशा राम प्रभुवाला विशेष रूप से उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि पीड़ितों, शोषितों, वंचितों, पिछड़ों, गरीबों व किसानों के हितों की सोच रखने वाले चौ. दलबीर सिंह को जनता ने न केवल अपना प्रतिनिधि चुना बल्कि उन्हें कई बार मंत्री पद पर सुशोभित होने का भी अवसर मिला। चौ. दलबीर सिंह जी को चार बार लोकसभा सांसद बनने का मौका मिला। सिरसा लोकसभा का नेतृत्व करते हुए उन्होंने केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों में मंत्री के रूप में बड़ी कुशलता व तत्परता से कार्य किया।

सिंचाई, पेट्रोलियम और रसायन, भारी उद्योग, निर्माण एवं आवास, शिपिंग और परिवहन मंत्रालय सहित विभिन्न विभागों में केंद्रीय मंत्री के रूप में कार्य करते हुए चौ. दलबीर सिंह ने देशहित के विभिन्न निर्णयों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर लाल बहादुर खोवाल ने बताया कि पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री चौ. दलबीर सिंह ने हमेशा सिद्धांतों की राजनीति की। उन्हीं के पदचिह्नों पर चलते हुए और उनके सिद्धांत अपनाकर सांसद कुमारी सैलजा भी निष्पक्ष, बेदाग व जनहित की राजनीति कर रही हैं। उन्होंने कहा कि बहन सैलजा की कार्यशैली, तत्परता, अनुशासन व रचनात्मक सोच सभी को प्रभावित करती है। बहन सैलजा ने कभी भी पदों को अहमियत नहीं दी बल्कि कांग्रेस पार्टी के लिए हमेशा ईमानदारी से कार्य किया है और वर्तमान समय में भी पार्टी के विकास के लिए सतत रूप से प्रयत्नशील हैं। कुमारी सैलजा अक्सर मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहती है कि मेरी रगों में कांग्रेस का खून है और मेरा शरीर भी कांग्रेस के झंडे में लिपटकर जाएगा इस तरह की शब्दों से उनके कांग्रेस के प्रति समर्पण का प्रमाण मिलता है। तीन दशकों के राजनीतिक जीवन में सर्व समाज को साथ लेकर चलते हुए बहन सैलजा ने देश की राजनीति में सादगी, ईमानदारी व समर्पण की मिसाल कायम की है।

बीड़ बबरान धाम में 6 मार्च को मनाया जाएगा 52वां बबरान नरेश प्रकटोत्सव

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 05 मार्च। महाभारतकालीन प्रसिद्ध बीड़ बबरान धाम में चल रहे 52वें बबरान नरेश प्रकटोत्सव में श्रद्धालुओं के उमड? का सिलसिला जारी है। मंगलवार देर रात्रि तक चले श्री श्याम संकीर्तन में विख्यात भजन गायक संजय सोनी, तुषार शर्मा, सुभाष, दीपिका व मोहित ने श्याम बाबा की महिमा का गुणगान करके भावविभोर कर दिया। इस दौरान श्रद्धालुगण श्याम बाबा की जय का उदघोष करते हुए झूमने व नाचने लगे। गायकों ने थाहरी नगरी मैं नाचूं दोनूं आख्यां मीच एवं तीन बाण के धारी तीनों बाण चलाओ ना, मुश्किल में है दास तेरा अब जल्दी आओ ना सहित कई भजन गाकर श्याम बाबा की वीरता व पराक्रम से परिचय करवाया। श्री श्याम संकीर्तन के दौरान बीड़ बबरान धाम के महंत महाराज विनोद शर्मा व निज पुजारी विनय शर्मा ने सभी भजन गायकों को श्याम बाबा का प्रतीक चिह्न प्रदान करके सम्मानित किया। पुजारी विनय शर्मा ने बताया कि 6 मार्च को बबरान नरेश का प्रकटोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा और सायं 5 बजे से प्रभु इच्छा तक संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा। 6 मार्च को प्रसिद्ध गायक कन्हैया मित्तल, विकास बागड़ी,

मास्टर बिन्नी, आदित्य गोयल, बहादुर सैनी, अमित मुंजाल, अपर्णा मिश्रा व अनंत मिश्रा अपने मधुर स्वर में श्याम बाबा की महिमा से रूबरू करवाएंगे। इस दौरान 52 साल पुरानी अखंड ज्योति के दर्शन होंगे। यह ज्योति वर्ष 1973 में प्रज्वलित की गई थी, तब से अनवरत जल रही है। इस अवसर पर श्रीधाम वृंदावन के श्री राधारमण मंदिर के सेवायत हिमांशु गोस्वामी जी व सागर गोस्वामी जी का पावन सान्निध्य रहेगा। भक्तों को श्री श्याम प्रभु रथ एवं भव्य श्रृंगार दर्शन होंगे। इसके साथ ही श्रद्धालुओं को श्याम बाबा के भव्य दरबार के दर्शनों का भी अवसर मिलेगा।

विनय शर्मा ने बताया कि 6 मार्च को प्रकटोत्सव के लिए कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा, विधायक रणधीर पनिहार, पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, डॉ. जगबीर सिंह, डॉ. सुरेंद्र ढाका, डॉ. सज्जन सिहाग, अशोक मलिक, प्रवीण पोपली, भीम महाजन व तरुण जैन को अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि 7 मार्च को सायं 7 बजे श्याम मंगल कवच पाठ की शुरूआत की जाएगी। 8 मार्च को सायं 7 बजे श्री श्याम नाम महामंत्र जाप शुरू होगा। 9 मार्च को प्रातः 8.15 बजे हिसार के अग्रसेन भवन से बीड़ बबरान धाम तक भव्य निशान यात्रा निकाली जाएगी। पैदल यात्रा करके भक्तों द्वारा 351 फुट लंबा निशान श्री श्याम नरेश को अर्पित किया जाएगा। निशान यात्रा के दौरान फूल वर्षा व इत्र वर्षा से भक्तों को सराबोर किया जाएगा।

निकाय चुनाव मतगणना के लिए कर्मचारियों की प्रथम रेंडमाइजेशन के तहत लगाई ड्यूटियां

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 05 मार्च। नगर निकाय चुनाव की मतगणना को लेकर प्रशासन ने तैयारियां करना शुरू कर दिया है। हिसार नगर निगम तथा नारनौंद नगर पालिका की मतगणना का कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न हो, इसके लिए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अनीश यादव की उपस्थिति में हरियाणा निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार मतगणना में ड्यूटी देने वाले कर्मचारियों का बुधवार को रेंडमाइजेशन कार्य किया गया। लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में संपन्न रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया के दौरान हिसार नगर निगम के रिटर्निंग अधिकारी हरबीर सिंह, नारनौंद नगर पालिका के रिटर्निंग अधिकारी मोहित महराणा, नगराधीश हरिराम तथा जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी दीपक भारद्धाज भी उपस्थित रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अनीश यादव ने कहा कि मतगणना को

लेकर व्यापक ड्यूटियां लगाई गई है। उन्होंने दोनों रिटर्निंग अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की ड्यूटी में कोताही नहीं होनी चाहिए। जिन कर्मचारियों की ड्यूटियां लगी हैं, उन्हें चुनाव आयोग की हिदायतों के बारे में बताया जाएं। उन्होंने कहा कि 12 मार्च को मतगणना की प्रक्रिया करवाई जाएगी। उससे पहले हिदायतों के अनुसार अन्य प्रक्रिया भी करवाना सुनिश्चित किया जाएं। मतगणना में जिन कर्मचारियों की ड्यूटियां लगाई गई हैं, उनकी ट्रेनिंग की प्रकिया भी होगी। इस रेंडमाइजेशन के तहत सभी कर्मचारियों को मतगणना के लिए ड्यूटियां लगाई गई है। अब अगली रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया के तहत मतगणना को लेकर कर्मचारियों को टेबल अलॉट किए जाएंगे, ताकि मतगणना की प्रक्रिया संपन्न हो सके। डीआईओ दीपक भारद्वाज ने प्रक्रिया के बारे में बताया कि दोनों जगहों के लिए 44 पार्टी बनाई गई हैं, इसके साथ ही 20 प्रतिशत स्टाफ को रिजर्व रखा गया है। मतगणना के लिए 159 कर्मचारियों की ड्यूटियां लगाई गई है।

हिसार नगर निगम की मतगणना 12 मार्च को सुबह से महाबीर स्टेडियम में बनाए गए काउंटिंग स्थल पर होगी। जबकि नारनौंद नगर पालिका की मतगणना की जगह नारनौंद में माजरा प्याऊ आईटीआई में सुनिश्चित की गई है। नगर निगम हिसार के लिए पार्षद तथा मेयर पद के लिए अलग अलग मतगणना होगी। इसी तरह से नारनौंद के लिए भी पार्षद और चेयरमैन पद के लिए अलग अलग मतगणना होगी। हिसार नगर निगम के बारे में जानकारी देते हुए रिटर्निंग अधिकारी हरबीर सिंह ने कहा कि निदेर्शों के अनुसार व्यवस्था हो गई हैं, उन्होंने कहा कि प्रत्येक पार्टी में काउंटिंग सुपरवाइजर व एक काउंटिंग असिस्टेंट मौजूद रहेंगे। नारनौंद नगर पालिका के रिटर्निंग अधिकारी मोहित महराणा ने कहा कि चुनाव के बाद अब मतगणना की प्रक्रिया के लिए ड्यूटियां लगाई गई है। नारनौंद में भी तैयारियां पूरी की जा रही है। अगली रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया में मतगणना से संबंधित पार्टी में कौन अधिकारी किस पार्टी में होगा, इस बाबत तय होगा। इसके साथ ही काउंटिंग के संबंध में ट्रेनिंग की प्रक्रिया भी करवाई जाएगी।

एचडीएफसी बैंक ने भारतीय वायु सेना और सीएससी अकादमी के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए; प्रोजेक्ट एचएकेके (हवाई अनुभव कल्याण केंद्र) लॉन्च किया

बैंक अपने परिवर्तन कार्यक्रम के तहत रक्षा सेवा के वेटरन्स और उनके परिजनों के लिए आर्थिक समावेशन का निर्माण करेगा

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

अंबाला/हिसार, 05 मार्च। भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने आज भारतीय वायु सेना के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए, जो सहायक वायु सेना प्रमुख - लेखा और वायु सेना के वेटरन्स और सीएससी अकादमी के कार्यालय के माध्यम से कार्य करता है। इस दिन प्रोजेक्ट एचएकेके (हवाई अनुभव कल्याण केंद्र) - सेवा करने वालों की सेवा करना शुरू किया गया। प्रोजेक्ट एचएकेके को रक्षा पेंशनभोगियों, दिग्गजों और उनके परिवारों को सहायता और सेवाएं प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। शुरूआत में, वायु सेना इकाइयों में 25 केंद्र प्रस्तावित किए गए हैं, जिनमें नई दिल्ली, बेंगलुरु, गुड़गांव, पुणे, सिकंदराबाद, गुवाहाटी, जोधपुर और चंडीगढ़ शामिल हैं।

एचडीएफसी बैंक अपने परिवर्तन कार्यक्रम के तहत रक्षा सेवा के वेटरन्स और उनके परिजनों के लिए आर्थिक समावेशन का निर्माण करेगा। बैंक सीएससी अकादमी (कॉमन सर्विस सेंटर ई-गवर्नेंस लिमिटेड द्वारा प्रवर्तित) के साथ मिलकर वित्तीय उत्पादों और सेवाओं में कौशल विकास और प्रशिक्षण प्रदान करेगा, जिससे उन्हें वित्तीय रूप से स्वतंत्र होने में मदद मिलेगी।

एमओयू पर हस्ताक्षर के दौरान उपस्थित सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों में एयर मार्शल पीके घोष एवीएसएम - एयर ऑफिसर इन चार्ज एडमिनिस्ट्रेशन, सुश्री स्मिता भगत, ग्रुप हेड - एचडीएफसी बैंक, श्री संजय राकेश, चेयरमैन, सीएससी अकादमी और भारतीय वायु सेना, एचडीएफसी बैंक और सीएससी ई गवर्नेंस के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

एमओयू पर श्री सत्येन मोदी, कार्यकारी उपाध्यक्ष और बिजनेस हेड, वैकल्पिक बैंकिंग चैनल और भागीदारी - एचडीएफसी बैंक, एयर वाइस मार्शल उपदेश शर्मा वीएसएम - सहायक वायु सेना प्रमुख (लेखा और वायु सेना के दिग्गज) और श्री प्रवीण चांदेकर, सीईओ-सीएससी अकादमी ने हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर बोलते हुए सुश्री स्मिता भगत ने कहा, ह्लयह समझौता ज्ञापन भारतीय वायुसेना के वेटरन्स और उनके परिवारों के कल्याण के लिए हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। एचडीएफसी बैंक देश के प्रति सशस्त्र बलों के योगदान का गहरा सम्मान करता है और इन केंद्रों के माध्यम से हमारा लक्ष्य भूतपूर्व सैनिकों और शहीदों दोनों के परिवारों को आवश्यक बैंकिंग सेवाएं प्रदान करना है।ह्व

इस अवसर पर बोलते हुए, श्री संजय राकेश ने कहा, ह्लहमें अपने वायुसेना के दिग्गजों, उनके परिवारों और परिजनों के दरवाजे तक जी2सी और स्पर्श पेंशन सेवाएं लाकर हमारी सेवा करने वालों की सहायता करने पर गर्व है, हम उनके कल्याण के लिए अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हैं।ह्व

रक्षा सैनिक/भूतपूर्व सैनिक और उनके परिवार आधार सेवा, एनपीएस, पैन कार्ड, पासपोर्ट, बिल संग्रह आदि सहित 500 से अधिक जी2सी और बी2सी सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। एचडीएफसी बैंक पेंशन/निपटान संबंधी मुद्दों के लिए पेंशनभोगियों/परिजनों की सहायता के लिए सेवा केंद्र स्थापित करेगा। इसके अलावा, उन्हें एचडीएफसी बैंक के उत्पादों और सेवाओं के साथ-साथ डिजिटल बैंकिंग उत्पादों तक भी पहुँच मिलेगी, जिससे उन्हें सुविधा और आसान पहुँच मिलेगी।

इस समझौता ज्ञापन के एक हिस्से के रूप में, एचडीएफसी बैंक देश भर में रक्षा कर्मचारियों/पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को सुविधा प्रदान करने और उनसे जुड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सेवा केंद्रों का प्रबंधन करने वाले व्यक्तियों को सीएससी अकादमी द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा और पहले वर्ष के लिए उन्हें मासिक मौद्रिक अनुदान दिया जाएगा।

आपातकाल में सूझ-बूझ व जागरूकता बचा सकती है घायल का जीवन : सचिव प्रदीप कुमार

राजकीय महिला महाविद्यालय में प्राथमिक उपचार एवं आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण शिविर आयोजित

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

लोहारू, 05 मार्च। सेंट जॉन एंबुलेंस भारतीय रैडक्रॉस सोसायटी हरियाणा राज्य शाखा चंडीगढ़ के निदेर्शानुसार जिला रैडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष एवं भिवानी उपायुक्त महाबीर कौशिक के मार्गदर्शन में जिला रैडक्रॉस सोसायटी द्वारा बुधवार को नगर स्थित सावित्रीबाई फूले राजकीय महिला महाविद्यालय में एक दिवसीय बेसिक प्राथमिक सहायता एवं आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान रैडक्रॉस फर्स्ट एड प्रवक्ता सतीश कुमार ने छात्राओं को जीवनदायिनी विधि सीपीआर,

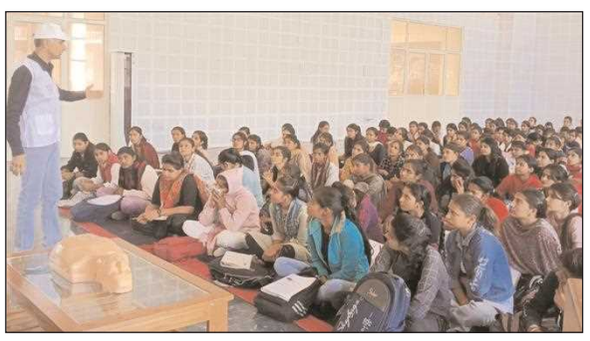

रिकवरी पोजिशन, हड्डियों के टूट के कारण व उनके उपचार, सांप काटने पर दी जाने वाली सहायता, स्ट्रोक के समय दी जाने वाली फर्स्ट एड, जानवरों के काटने पर दी जाने वाली सहायता, घायल व्यक्ति को हॉस्पिटल तक ले जाने की विधियों के बारे अवगत करवाया गया तथा उन्हे विस्तारपूर्वक जानकारी दी। जिला रैडक्रॉस सोसायटी के सचिव प्रदीप कुमार ने कहा कि भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी हरियाणा राज्य शाखा चंडीगढ़ में आदेशानुसार यूथ रैडक्रॉस फंड के अंतर्गत सभी महाविद्यालयों को ये प्रशिक्षण करवाना आवश्यक है। जिसमें एनएसएस, एनसीसी व वाईआरसी के विद्यार्थी इस प्रशिक्षण में भाग ले सकते है।

सचिव प्रदीप कुमार ने कहा कि किसी भी दुर्घटना में यदि सही समय पर सही सूझ-बूझ व जागरूकता से काम लिया जाए तो घायल व्यक्ति का जीवन बचाया जा सकता है। इसके लिए प्राथमिक उपचार का ज्ञान होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण देने का उद्देश्य युवाओं को आपात स्थितियों में प्राथमिक उपचार प्रदान करने के लिए तैयार करना है। यह प्रशिक्षण ना केवल जीवन रक्षक तकनीकों को सिखाता है, बल्कि युवाओं में आत्मविश्वास और जागरूकता भी बढ़ाता है, ताकि वे सामाजिक जिम्मेदारियों का पालन कर सकें और सामुदायिक स्वास्थ्य में योगदान दे सकें। इस मौके पर महाविद्यालय प्राचार्य डा. विचित्र सिंह ने इस शिविर के आयोजन के लिए जिला रैडक्रॉस सोसायटी के सचिव प्रदीप कुमार का आभार जताया तथा कहा कि इस प्रकार के शिविर विद्यार्थियों की जागरूकता बढ़ाने का कार्य करते है।

नथिंग फोन 3ए और फोन 3ए प्रो भारत में लॉन्च किए गए

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

करनाल, 05 मार्च। नथिंग ने आज फोन 3ए सीरीज पेश की, जो एडवांस्ड फीचर्स के साथ अपने मिड-रेंज लाइनअप को और बेहतर बनाती है। बहु-चर्चित फोन 2ए पर आधारित, इसमें है ऑप्टिकल जूम के साथ एक एडवांस्ड ट्रिपल-कैमरा सिस्टम, एक दमदार स्नैपड्रैगन प्रोसेसर, एक उज्ज्वल, ज्यादा रिस्पॉन्सिव डिस्प्ले और एसेंशियल स्पेस जैसे नथिंग ओएस नवाचार – ये सब दो खास बेहतर डिजाइनों में आ रहे हैं। फोन 3ए और फोन 3ए प्रो दोनों में ही ज्यादा सोफेस्टिकेटेड लुक और फील है, जिसमें अपग्रेडेड ग्लास बैक पैनल, इनटर्नल संरचना में बढ़ी हुई समरूपता और फि निश में परिष्कृत विजुअल डिटेल्स और तत्व शामिल हैं। नथिंग ने फोन 3ए सीरीज में अब तक का सबसे एडवांस्ड कैमरा सिस्टम पेश किया है। फोन 3ए में पहली बार ऑप्टिकल जूम के साथ एक अपग्रेडेड 50टढ मेन सेंसर और एक सोनी अल्ट्रा-वाइड सेंसर की सुविधा होगी।

नथिंग ओएस 3.1 स्थिरता, उपयोगिता और अनुकूलन के लिए तैयार किया गया एक तेज, सुचारू आधार है। इसमें है एंड्रॉइड 15 - नथिंग गैलरी, कैमरा और वेदर एप्स के लिए भी अपडेट आते हैं। फोन 3ए सीरीज को डिवाइस के पहली बार नथिंग. टेक पर उपलब्ध होने के बाद से 6 साल तक अपडेट मिलता रहेगा। इसमें सुधारात्मक और कार्यक्षमता अपडेट के अलावा तीन साल के एंड्रॉइड अपडेट और छह साल के सुरक्षा अपडेट शामिल हैं।

भारत की स्ट्रीट-स्मार्ट ई.वी अब हुई और भी स्टाइलिश : पेश है एमजी कॉमेट ब्लैकस्टॉर्म

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

रोहतक, 05 मार्च। देश की अग्रणी इलेक्ट्रिक कार निमार्ता कंपनी जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने कॉमेट ई.वी के पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए ब्लैकस्टॉर्म एडिशन को पेश किया है। यह नई पेशकश भारत की इस स्ट्रीट-स्मार्ट ई.वी को और भी स्टाइलिश और आकर्षक बनाती है। 7.80एल रुपए + बैटरी रेंटल @2.5 रुपए/किमी. की एक्स-शोरूम कीमत पर लॉन्च की गई कॉमेट ब्लैकस्टॉर्म को टॉप वैरिएंट के रूप में पेश किया गया है। वे ग्राहक जिन्हें शहरी आवाजाही के लिए स्टाइलिश और तकनीक से भरपूर कार की तलाश थी, अब वे अपनी नजदीकी एमजी डीलरशिप पर जाकर 11,000 रुपए का भुगतान कर नई एमजी कॉमेट ब्लैकस्टॉर्म को बुक कर सकते हैं।कॉमेट ब्लैकस्टॉर्म अपने 'स्टेरी ब्लैक' एक्सटीरियर के साथ खूबसूरती और स्टाइल का एहसास कराती है, इसके साथ यह कार और भी आकर्षक बन जाती है। कॉमेट ई.वी नेमप्लेट को गहरे क्रोम में उकेरा गया है और इंटरनेट इनसाइड को काले रंग में पेश किया गया है। यह बदलाव देखने वालों का ध्यान तेजी से आकर्षित करता है। इसके इंटीरियर को भी ब्लैक थीम के साथ पेश किया गया है। इसकी लेदरेट सीटों पर लाल रंग से 'ब्लैकस्टॉर्म' शब्द की कढ़ाई की गई है। इससे यह कार और भी प्रीमियम लुक में दिखाई देती है। इस नए लॉन्च के बारे में बात करते हुए, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के सेल्स हेड राकेश सेन ने कहा, आज के आधुनिक भारतीय ग्राहक एक ऐसी कार की तलाश कर रहे हैं जो न सिर्फ बेहद खास हो, बल्कि उसमें उनके व्यक्तित्व की भी झलक दिखाई देती हो। आज के ग्राहक बोल्ड रंगों को पसंद कर रहे हैं। ये रंग उन्हें दूसरों से अलग बनाते हैं, साथ ही उनकी यही पसंद दूसरों से अलग दिखाई पड़ती है। हम कॉमेट ब्लैकस्टॉर्म को लॉन्च करते हुए बेहद उत्साहित हैं। स्टाइल और खूबसूरती के साथ यह कार हर दिन के सफर को और भी सुकून भरा बनाने का वादा करती है। कॉमेट ब्लैकस्टॉर्म यह दिखाती है कि हम अपने लाइन-अप को नियमित रूप से रिफ्रेश करते हुए ग्राहकों की बदलती जरूरतों को लगातार पूरा करने के लिए कितना समर्पित भाव से काम करते हैं।

राशन और तेल की सप्लाई समय पर सुनिश्चित करें अधिकारी - राजेश नागर

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

चंडीगढ़, 05 मार्च। हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री श्री राजेश नागर ने आज यहां विभाग के उच्च अधिकारियों की एक समीक्षा बैठक ली। श्री नागर ने बैठक में अधिकारियों के साथ कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को राशन तथा सरसों का तेल समय पर वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने राशन डिपुओं पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने के कार्य में तेजी लाने के भी निर्देश दिए। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री ने कहा कि नए राशन डिपो अलॉट करने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि राशन डिपुओं पर नई पोस मशीनें लगाने का कार्य पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग्स के माध्यम से करवाने हेतु टेंडर प्रक्रिया आरम्भ कर दी गई है। इसे जल्द से जल्द आगे बढ़ाया जाए। बैठक में पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम के तहत फोटीर्फाइड आटे का वितरण फिर से आरम्भ करने के बारे में भी चर्चा की गई।

उन्होंने कहा कि इससे गीली गेहूं भेजने के बारे में आने वाली शिकायतों पर भी अंकुश लगेगा।

रात्रि ठहराव कार्यक्रम आज निवाज नगर में

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

नारनौल, 05 मार्च। उपायुक्त डॉ विवेक भारती की अध्यक्षता में 6 मार्च को जिले के गांव निवाज नगर में रात्रि ठहराव कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ भी मौजूद रहेंगी।

यह जानकारी देते हुए सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि इस रात्रि ठहराव कार्यक्रम के दौरान विभाग अपनी स्टॉल लगाकर नागरिकों को अपनी योजनाओं तथा सेवाओं से लाभान्वित करेंगे। इस मौके पर उपायुक्त नागरिकों की शिकायतें भी सुनेंगे। इस रात्रि ठहराव कार्यक्रम के लिए जिला प्रशासन की ओर से सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है अधिकारियों को मौके पर मौजूद रहने के निर्देश भी दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि आसपास के ग्रामीण भी इस कार्यक्रम में अपनी समस्याएं रख सकते हैं।

इग्नू क्षेत्रीय केंद्र करनाल में हुआ 38वें दीक्षांत समारोह का आयोजन

हरियाणा वाटिका/प्रवीण वालिया

करनाल, 05 मार्च। इग्नू क्षेत्रीय केंद्र करनाल के क्षेत्रीय निदेशक डॉ धर्म पाल ने जानकारी देते हुए बताया की इग्नू क्षेत्रीय केंद्र करनाल द्वारा अपना 38वां दीक्षांत समारोह सीएसएसआरआई के सभागार में आयोजित किया गया समारोह की शुरूआत दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ की गई । इसके बाद समारोह के मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया उन्होंने कहा शिक्षा की कोई उम्र नहीं होती। ज्ञान किसी भी उम्र में प्राप्त किया जा सकता है इस कहावत को साबित कर दिखाया है देश में शिक्षा की अलख जगा रहे इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय ने। आज करनाल में आयोजित 38वें दीक्षांत समारोह में लगभग 300 विद्यार्थियों ने उच्च शिक्षा की डिग्री हासिल की। मुक्त विश्वविद्यालय के रूप में पहचान बनाने वाला इग्नू आज देश भर के लाखों लोगों में शिक्षा की अलख जगा रहा है। इस अवसर पर जहां नई दिल्ली में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने वर्चुअल मोड में शिरकत की वहीं करनाल में आयोजित दीक्षांत समारोह में हरियाणा तकनीकी शिक्षा बोर्ड के सचिव डॉ राजेश गोयल ने बतौर मुख्य अतिथि विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की। डॉ धर्मपाल ने बताया कि आज इग्नू का दीक्षांत समारोह देश के 39 क्षेत्रीय केंद्रों पर आयोजित किया जा रहा है जिसमें 3 लाख 17 हजार छात्रों को डिग्रियां दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि करनाल क्षेत्रीय केंद्र के अंतर्गत लगभग 22500 विद्यार्थी डिग्री पाने के लिए योग्य है । उन्होंने कहा कि इग्नू क्षेत्रीय केंद्र करनाल का नामांकन और अधिक बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा।

सुरेंद्र पाल सिंह रामगढिया बने खालसा गतका फैडरेशन के प्रदेश प्रधान

हरियाणा वाटिका/प्रवीण वालिया

करनाल, 05 मार्च। होला महल्ला के अवसर पर होने वाले राष्ट्रीय स्तर के गतका कम्पीटीशन के लिए टीमो के चयन के लिए करनाल स्थित डेरा कारसेवा गुरुद्वारा में आडीशन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर खालसा गतका फैडरेशन आफ इंडिया के हरियाणा प्रदेश के प्रधान पद पर सुरेंदंर पाल सिंह रामगढि?ा को चुना गया। खालसा गतका फैडरेशन आफ इंडिया की और से बाबा बलवीर सिंह जी 96 करोड़ी बुड्डा दल की और से आनंदपुर साहेब में होला मोहल्ला के अवसर पर होने वाले राष्ट्रीय गतका कम्पीटीशन के लिए डेरा कारसेवा में आडीशन का आयोजन किया गया। इसमें हरियाणा में प्रदेश भर से गतके की टीमे पहुंचीं। इस अवसर पर खालसा गतका फैडरेशन के महासचिव सुप्रीत सिंह , इंचार्ज तथा कुलदीप सिंह राजपुरा ने हरियाणा में प्रदेश के प्रधान पद की जिम्मेदारी सुरेंद्र पाल सिंह रामगढि?ा को सौंपी। उनका सिरोपा भेंट कर सम्मन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश भर से 28 टीमों ने भाग लिया। इसमें से दस प्रतिभागियों को विजेता घोषित किया गया। इन प्रतिभागी विजेता बच्चों में पानीपत से रोहनपीत सिंह, अंबाला से राजवीर सिंह, जगाधरी से सरवजीत सिंह, पानीपत से हर्षदीप सिंह, गुरुजीवन सिंह जगाधरी से जसप्रीत सिंह, नीलोखेड़ी से साहिब सिंह, जगाधरी से भूपेंद्र सिंह, करनाल से हरदीप सिंह, नीसिंग से अनमोल सिंह शामिल थे। यह बच्चे हरियाणा की टीम में शामिल हो कर राष्ट्रीय स्तर पर अपाने हुनर का प्रदर्शन करेंगे। । इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष सुरेंद्र पाल सिंह रामगढिया ने डेरा कारसेवा प्रमुख बाबा सुक्खा सिंह का आभार जातया। तथा बच्चों की हौंसला अफजाई की। इस अवसर पर मुख्य रूप से जत्थेदार मलकीत सिंह, प्रधान, रंजीत अखाड़ा करनाल, जत्थेदार तरणजीत सिंह प्रधान,अमनदीप सिंह श्री गुरु हरगोविंद सिंह साहिब गतका अखाड़े , बुड्डा दल करनाल के जत्थेदार जसविंदर सिंह प्रधान गुरु तेंग बहादुर गतका अखाड़ा, तरावड़ी, जत्थेदार साहब सिंह प्रधान अमर शहीद बाबा दीप सिंह गतका अखाड़ा नीलोखेड़ी ने विषेष तौर से सहयोग दिया। इस अवसर पर खालसा गतका फैडरेशन के हरियाणा के नव नियुक्त प्रदेशाध्यक्ष सुरेंद्र पाल सिंह रामगढि?ा ने कहा कि गतका कला को इंटरनैशनल स्तर पर पहुंचाने के लिए वह काम करेंगे। उन्होंने बताया कि हरियाणा की टीम सबसे मजबूत साबित होगी। उन्होंने सभी चयनित प्रतिभागियों को बधाई दी।

रतिया पुलिस ने क्षेत्र में दो मकानों से बरामद किया डोडा पोस्त, एक व्यक्ति गिरफ्तार

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर

रतिया, 05 मार्च। एसपी आस्था मोदी के दिशा-निदेर्शानुसार जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे नशामुक्त अभियान के तहत दो अलग-अलग मामलों में रतिया पुलिस ने भारी मात्रा में डोडा पोस्त बरामद किया है।थाना सदर रतिया प्रभारी एसआई राजबीर सिंह ने बताया कि एवीटी स्टाफ की टीम एएसआई विनोद कुमार के नेतृत्व में नशा तस्करों की धरपकड़ को लेकर गश्त पर थी। टीम को सूचना मिली कि बूटा सिंह निवासी तामसपुरा डोडा पोस्त बेचने का काम करता है और डोडा पोस्त लेकर बाहर जाने वाला है। इस सूचना पर पुलिस टीम बूटा सिंह के घर के पास पहुंची तो एक व्यक्ति प्लास्टिक कट्टा लिए आता दिखाई दिया जोकि पुलिस को देखकर घबरा गया और मकान में जाने लगा। पुलिस ने उसे काबू कर पूछताछ की तो उसने अपना नाम बूटा सिंह बताया। पुलिस ने जब उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 10 किलो 126 ग्राम डोडा पोस्त बरामद हुआ।दूसरे मामले में एएनसी स्टाफ की टीम एएसआई जयदेव के नेतृत्व में अपराधियों की धरपकड़ को लेकर गश्त पर थी। पुलिस को सूचना मिली कि गुरबक्शीश सिंह उर्फ गोरू पुत्र बेअंत सिंह निवासी तामसपुरा डोडा पोस्त बेचने का काम करता है और उसके घर पर काफी मात्रा में डोडा पोस्त रखा हुआ है। इस सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो घर पर कोई नहीं था। पुलिस ने जब मकान की तलाशी ली तो वहां रखे प्लास्टिक कट्टे में से 12 किलो 120 ग्राम कचरा डोडा पोस्त बरामद हुआ। इस पर पुलिस ने आरोपी गुरबक्शीश सिंह के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

स्वयंसेवकों ने लोगों को स्वस्थ होली मनाने के लिए किया प्रेरित

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 05 मार्च। भगवान परशुराम कॉलेज में एन.एस.एस. स्वयंसेवकों द्वारा आयोजित आउटरीच कार्यक्रम के अंतर्गत सेक्टर -5 में जागरूकता रैली निकाली गई जिसका विषय आओ मिलकर खेले होली, जो पर्यावरण अनुकूल होगी। रैली के माध्यम से स्वयंसेवकों ने लोगों को पर्यावरण-संरक्षण और स्वस्थ होली मनाने के लिए प्रेरित किया गया। स्वयंसेवकों ने हल्दी, चुकंदर, गुलाब जैसे प्राकृतिक रंगों के उपयोग पर जोर देते हुए केमिकल युक्त रंगों से होने वाले त्वचा संक्रमण, एलर्जी और अस्थमा जैसी बीमारियों के खतरों के बारे में जागरूक किया। साथ ही, जल संरक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए सूखी होली खेलने की अपील की, जिससे पानी की बचत हो सके। कॉलेज के प्रिंसिपल शीश पाल ने स्वयंसेवकों को इस पहल के लिए बधाई दी और इसे सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का उदाहरण बताया। ऐसे अभियानों से न केवल लोगों में सतत विकास की सोच विकसित होती है, बल्कि वे एक स्वस्थ, सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल होली मनाने के लिए भी प्रेरित होते हैं।

इस तरह के कार्यक्रम वोकल फॉर लोकल को भी बढ़ावा देते हैं।

पीड़ित सरपंच की गुहार सुन कर एक्शन में आए सीएम : बीडीपीओ को किया निलंबित

महिला सरपंच के आरोपों के बाद निलंबित बीडीपीओ भी हुए मीडिया से रूबरू। कहा : मेरे पर लगाए गए सभी आरोप झूठे-सरकार ने नहीं सुना मेरा पक्ष

हरियाणा वाटिका/एकजोत

शाहाबाद मारकंडा, 03 मार्च। शाहाबाद के गांव यारा की महिला सरपंच द्वारा खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी पर लगाए गए आरोपों के बाद ब्लॉक के सरपंचों का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार देर रात चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मिला और शिकायत दी। जिसके बाद देर रात अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई करते सस्पेंड के आर्डर जारी हुए। उधर, सस्पेंड के आर्डर मिलने के बाद बुधवार सुबह बीडीपीओ भी बिखला उठे और उन्होंने मीडिया से रूबरू होकर सरपंच और सरपंच पति द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को झूठा बताया। अधिकारी नरेंद्र ढुल ने कहा कि सरकार और प्रशासन को शिकायत मिलने के बाद जांच करनी चाहिए थी और उनका पक्ष भी लेना चाहिए था। उसके बाद आरोपी के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि उनके पास पुख्ता सबूत हैं, जिसमें महिला सरपंच दोषी है। उधर, देर रात मुख्यमंत्री से मिल कर आए सरपंचो ने बुधवार को शाहाबाद विश्रामगृह में बैठक कर मांग की कि आरोपी अधिकारी के खिलाफ पुलिस भी मामला दर्ज कर कार्रवाई करे। सरपंच एसोसिएशन के प्रधान सुखदीप मोहड़ी ने कहा कि यदि पुलिस प्रशासन इस मामले में ढिलाई बरतेगा, तो सरपंच कोई भी कठोर निर्णय ले सकते हैं। भाजपा नेता सुभाष कलसाना ने कहा कि सरपंच महिला के पास सबूत है, जिन्हे हासिल करने के बाद ही सीएम ऑफिस से अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई हुई है। उन्होंने कहा कि शाहाबाद में अधिकारियों की गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार भ्रष्टाचार विरोधी सरकार है और महिलाओं का सम्मान हमेशा भाजपा ने किया है। इसलिए आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

सीएम ने लिया सख़्त एक्शन : बता दें कि शाहबाद के गांव यारा की महिला सरपंच ने बीडीपीओ शाहाबाद पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि उनके सरपंच चुने जाने के बाद गांव के कुछ लोगों ने एक पीडब्लूडी का पेड़ और 2 अन्य निजी पेड़ छांग दिए थे, जिसकी शिकायत पूर्व सरपंच विनोद कुमार ने प्रशासन को की थी। उसके बाद शाहाबाद के बीडीपीओ ने मुझे अपने कार्यालय में बुलाया और मामले को रफा-दफा करने के लिए 1 लाख रूपए की मांग की, जिसकी ऑडियो रिकॉर्डिंग उसने शिकायत के साथ दी। सरपंच ने कहा कि उसने अपनी इज्जत एंव गांव वालों को बचाने के लिए 23 अगस्त 2023 को शाहाबाद के एक आढ़ती से 1 लाख रूपए कर्ज. लेकर बीडीपीओ शाहाबाद को रिश्वत स्वरूप दिए, लेकिन उसके बावजूद बीडीपीओ ने उन्हें सस्पेंड करने की धमकी दी और घर पर नोटिस भिजवाया। शिकायतकर्ता के पति फौजी प्रेम चंद ने बताया कि बीडीपीओ ने उनकी पत्नी से एक लाख रूपए की और मांग की और पत्नी को रात 8 बजे कुरुक्षेत्र में अकेले आकर मिलने को कहा। जिसके बाद वे खुद बीडीपीओ से बात करने के लिए नोटिस साथ लेकर 3 मार्च को शाहाबाद कार्यालय पहुंचे। तत्पश्चात बीडीपीओ ने उन्हें गलियां दी और जान से मारने की धमकी भी दी। अपने कर्मचारियों को बुला कर उनके साथ धक्का-मुक्की की और मेरी पत्नी सरपंच शोभा के साथ अभद्र व्यवहार किया। उन्होंने सरपंचो के साथ पहले उपायुक्त कुरुक्षेत्र और पुलिस अधीक्षक कुरुक्षेत्र को शिकायत सौंपी और उसके बाद चडीगढ़ में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मंगलवार देर रात मुलाकात की।

बुधवार प्रातः हरियाणा डिवैल्पमैंट एवं पंचायत डिपार्टमैंट के कमिश्नर एवं सचिव अमित कुमार अग्रवाल ने 4 मार्च को ही बीडीपीओ नरेंद्र ढुल को सस्पैंड करने के आदेश जारी कर दिए। आदेशों में कहा गया कि सस्पैंशन के दौरान अधिकारी का हैडक्वार्टर डायरैक्टर जनरल, डिवैल्पमैंट एवं पंचायत डिपार्टमैंट चंडीगढ़ रहेगा और अधिकारी बिना आज्ञा के अपना हैडक्वार्टर नहीं छोड़ेगा। चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री से मिलने वालों में शाहाबाद सरपंच एसोसिएशन के प्रधान सुखदीप मोहड़ी, सरपंच एसोसिएशन के जिला प्रधान जितेंद्र खैरा, सरपंच गोल्डी धीमान और सरपंच अमरवीर नलवी सहित करीब आधा दर्जन सरपंच शामिल थे।

इसलिए हो रही मेरे खिलाफ कार्रवाई : बीडीपीओ

बीडीपीओ नरेंद्र ढुल ने बताया कि उन्होंने कुछ समय पहले रावा की सरपंच पर जोहड़ की मिट्टी बेचने, गांव खरींडवा के सरपंच के खिलाफ नकली 10वीं का सर्टिफिकेट जमा करवाने जैसी कार्रवाई कुछ सरपंचों के खिलाफ की है। इन्ही कार्रवाइयों से खफा कुछ सरपंच उनके खिलाफ कार्रवाई करवाने में जुटे है। जबकि इस मामले में गांव यारा की सरपंच दोषी है और वह नहीं चाहती कि उसके खिलाफ कार्रवाई हो। उन्होंने पेड़ अवैध काटे और दोष ग्रामीणों पर थोप रहे है, जबकि उन्होंने कार्रवाई करके सरपंच के खिलाफ कई पुख्ता सबूत इकट्ठे किए हुए है। अधिकारी ने कहा कि अब कार्रवाई के दौरान वे सभी सबूतों को आलाधिकारियों के समक्ष रखेंगे। जिसके बाद दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। अधिकारी ने कहा कि उन्होंने हमेशा ईमानदारी से अपना काम किया है और आगे भी करते रहेंगे। अगर आलाधिकारी सबूतों के आधार पर आरोपी सरपंच के खिलाफ कार्रवाई नहीं करेंगे, तो वे कोर्ट का दरवाजा खट-खटाएंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री हरियाणा से गुहार लगाई कि इस मामले में निष्पक्ष जांच हो और दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो।

श्रीब्राह्मण तीर्थोद्धार सभा के नेतृत्व में ब्राह्मण संगठनों ने राष्ट्रपति तथा प्रधानमंत्री के नाम उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

भगवान परशुराम के प्राकट्य दिवस पर पूरे देश में स्थाई अवकाश घोषित करने की मांग

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 05 मार्च। श्री ब्राह्मण तीर्थोद्धार सभा के नेतृत्व में ब्राह्मण संगठनों ने उपायुक्त के माध्यम से भारत की राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन भेजकर मांग की है कि भगवान परशुराम प्राकट्य दिवस अक्षय तृतीया पर पूरे देश में स्थाई अवकाश घोषित किया जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में श्री ब्राह्मण तीर्थोद्धार सभा के मुख्य सलाहकार जयनारायण शर्मा, प्रधान श्याम सुंदर तिवारी, प्रधान महासचिव रामपाल शर्मा, अखिल भारतीय सारस्वत सभा एवं धर्मशाला के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा निंदी, भगवान परशुराम दल के जिला संयोजक महावीर कौशल तथा सूर्य प्रकाश शास्त्री शामिल थे। उपायुक्त नेहा सिंह ने शिष्ठ मंडल को यह ज्ञापन उचित स्थान भेजने पर आश्वासन दिया।

ज्ञापन में कहा गया है कि सरकार द्वारा सभी धर्मां का सम्मान करते हुए उनके पर्व, त्यौहार व आराध्यों के प्राकट्य दिवसों पर स्थाई अवकाश निर्धारित किए गए है। इसी के साथ-साथ देश में प्रमुख राजनेताओं, समाज सुधारकों व महापुरुषों की जयंतियों पर भी अवकाश घोषित है, लेकिन भगवान परशुराम प्राकट्य दिवस अक्षय तृतीया पर राष्ट्रीय स्थाई अवकाश घोषित नहीं है, जोकि सरकारों की अनेदखी कहा जा सकता है। इससे पहले भी अनेक ब्राह्मण संगठनों ने यह मांग उठाई थी, लेकिन पूर्व सरकारों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। भगवान परशुराम किसी समुदाय विशेष के आराध्य नहीं बल्कि सर्व समाज के भगवान है। ऐसी स्थिति में उनके प्राकट्य दिवस पर अवकाश न किया जाना धार्मिक आस्था के प्रति खिलवाड़ के साथ-साथ जन श्रद्धाओं पर कुठाराघात भी है। हमारा देश प्राचीन काल से ही सनातन परंपराओं को मानने वाला देश रहा है। ज्ञापन में देश की राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री से अनुरोध किया गया है कि उपरोक्त तथ्यों पर सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुए भगवान परशुराम के प्राकट्य दिवस व धार्मिक आस्था से जुड़े अक्षय तृतीया पर्व पर पूरे देश में स्थाई अवकाश घोषित करते हुए जन भावनाओं का सम्मान करने का उपकार करें।

रेडक्रॉस-प्रशिक्षण शिविर में कशिश वर्मा को मिला सर्वश्रेष्ठ स्वयं सेविका पुरस्कार

हरियाणा वाटिका/एकजोत

शाहाबाद मारकंडा, 03 मार्च। आर्य कन्या महाविद्यालय की रेड क्रॉस समिति की छात्राओं ने विश्वविद्यालय स्तरीय एवं जिला स्तरीय रेडक्रॉस प्रशिक्षण शिविर में प्राचार्या डॉ. आरती त्रेहन के निर्देशन में एवं रेड क्रॉस समिति की संयोजिका कैप्टन डॉ. ज्योति शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में भाग लेकर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में आयोजित विश्वविद्यालय स्तरीय रेडक्रॉस प्रशिक्षण शिविर में महाविद्यालय की 6 छात्राओं ने प्रतिभागिता कर उसमें आयोजित एकल एवं समूह नृत्य, एकल गायन, पोस्टर मेकिंग, स्लोगन लेखन, प्रश्नोत्तरी एवं भाषण प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसमें बीसीए प्रथम वर्ष की कशिश वर्मा ने 'सर्वश्रेष्ठ शिविर-स्वयंसेविका' का पुरस्कार प्राप्त किया। महाविद्यालय की बीसीए प्रथम वर्ष की कशिश वर्मा, बीए द्वितीय वर्ष की आरती, योगिता, शिवानी एवं रिंकी ने समूह-नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान एवं एकल गायन प्रतियोगिता में कशिश वर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। शिविर के प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. डीएस राणा ने कशिश वर्मा को लोक नृत्य में विशेष पुरस्कार से नवाजा। 24 फरवरी से 1 मार्च तक जिला कुरुक्षेत्र रेड क्रॉस विभाग द्वारा श्री कृष्ण इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी महाविद्यालय कुरूक्षेत्र में आयोजित 'जिला स्तरीय रेडक्रॉस प्रशिक्षण शिविर' में महाविद्यालय की 10 छात्राओं ने प्रतिभागिता की। इसमें बीएससी मेडिकल तृतीय वर्ष की छात्रा सपना ने एकल नृत्य में सांत्वना एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में बीए द्वितीय वर्ष की महक ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। सभी प्रतिभागी छात्राओं ने प्राचार्य एवं रेड क्रॉस समिति के अन्य छात्रा-सदस्यों से शिविर के अनुभव साझा किए। प्राचार्या डॉ. आरती त्रेहन ने रेड क्रॉस समिति की संयोजिका कैप्टन डॉ. ज्योति शर्मा एवं प्राध्यापिका सदस्यों में अनुराधा, पूजा, ज्योति, नवनीत, प्रिया एवं सभी प्रतिभागी छात्राओं को बधाई दी।

भंडारे के लिए खाद्य सामग्री के ट्रक रवाना

रवि कुमार

सिरसा, 05 मार्च। श्री श्याम भंडारा संघ ट्रस्ट द्वारा श्री श्याम खाटू धाम में आगामी 6 से 11 मार्च तक होने वाले श्री श्याम फाल्गुन मेला महोत्सव पर लगने वाले विशाल भंडारे के लिए खाद्य सामग्री के ट्रक को सरसाई नाथ मंदिर के महंत बाबा सुंदराईनाथ व हारे का सहारा चैरिटेबल के प्रधान मनीष सिंगला ने संयुक्त रूप से रवाना किया। मनीष सिंगला ने कहा कि श्याम बाबा हारे का सहारा है। जब इंसान हर जगह से हार जाता है और सच्ची श्रद्धा के साथ श्याम बाबा के पास जाता है, तो वो उसका हाथ इस तरह थामता है कि सभी कष्टों खत्म हो जाते है। श्याम बाबा के यहां भंडारा लगाना बहुत बड़ी सेवा है। सुंदराईनाथ ने कहा कि ट्रस्ट सराहनीय कार्य कर रही है। शास्त्रों में अन्न सेवा को सर्वोपरि माना गया है और इस दिशा में प्रयास काबिले तारीफ है। संरक्षक पुरुषोत्तम, प्रधान सुनील सोनी व प्रवक्ता आकाश चाचाण ने कहा कि आगामी 6 से 11 मार्च तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। प्रथम दिन भजन गायकों व नृत्य नाटिका द्वारा भजनों की अमृत वर्षा होगी। अगले दिन हवन यज्ञ होगा। आगामी 8 मार्च को निशान यात्रा निकाली जाएगी, जोकि रींगस दरबार से शुरू होगी। इस दिन श्याम बाबा की पावन ज्योत प्रज्वलित होगी। आगामी 10 मार्च को स्वर्गीय लाला रामस्वरूप सिंगला व स्वर्गीय माता स्व. सुशीला देवी की पावन स्मृति में एकादशी विशाल भंडारा आयोजित होगा जिसमें उड़ीसा के पूर्व राज्यपाल प्रो. गणेशी लाल व श्याम भक्त मनीष सिंगला बतौर मुख्यातिथि ज्योत प्रज्वलित करेंगे। चाचाण ने कहा भंडारे की अध्यक्षता प्रधान सुनील सोनी व संरक्षक पुरुषोत्तम गोयल करेंगे। इस मौके पर कीर्ति गर्ग, पंकज सराफ, मनोज शर्मा, मुकेश शर्मा, कमल सिंगला, विष्णु सिंगला, जेपी गुप्ता, रामकृष्ण गोयल, संजय गर्ग, वेद मेहता, प्रवीण महिपाल, अशोक बांसल, ललित जैन सहित सैकड़ों श्याम भक्त मौजूद थे।

एसडीएम ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर

रतिया, 05 मार्च। उपमंडलाधीश सुरेश कुमार ने बुधवार को रतिया क्षेत्र के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का दौरा किया और सुरक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने राजकीय कन्या सीनियर सेकंडरी स्कूल रतिया, गांव लाम्बा स्कूल ढाणी आदि में परीक्षा केंद्रों का निरिक्षण किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं को पूरी तरह से नकल रहित संपन्न कराने के लिए उपमंडल प्रशासन लगातार सक्रिय है। एसडीएम सुरेश कुमार ने परीक्षाओं की ड्यूटी कर रहे अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहा कि यदि कोई भी व्यक्ति नकल करने, कराने या इसमें मदद करने की कोशिश करता पाया गया, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन इस दिशा में पूरी गंभीरता से कार्य कर रहा है, और परीक्षा केंद्रों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि परीक्षाओं को शांतिपूर्ण और नकल रहित माहौल में संपन्न करवाने के लिए पूरी सतर्कता बरतें।

बुशान खेल स्टेडियम में हुआ वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

तोशाम, 05 मार्च। बुधवार को बुशान के खेल स्टेडियम में बाबा बीरबल नाथ की याद में स्मेसिंग वॉलीबॉल खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पावन सानिध्य महंत पूर्णनाथ महाराज का रहा। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा हरियाणा प्रदेश के प्रचार साहित्य निर्माण विभाग के सह प्रमुख जयसिंह शर्मा ने किया। युवाओं को संबोधित करते हुए जयसिंह शर्मा ने कहा कि युवा का राष्ट्र के निर्माण में अहम योगदान होता है। युवाओं को नशे की प्रवृत्ति से दूर रहकर देश के विकास में अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेल भारतीय सस्कृति की पहचान है जो सदियों से भारत की पहचान बनी हुई है। खेल हमारे मानसिक एंव बौधिक विकास के लिए अहम कड़ी का काम करते हैं।

महंत पूर्ण नाथ महाराज ने बताया कि खेलों में ख्याति मिलने के साथ-साथ उज्जवल भविष्य भी है। खेल? व पढाई एक-दुसरे के पूरक है। खेल खिलाड़ियों को खेल की भावना से खेलना चाहिए। पांच मार्च से दो दिवसीय स्मेसिगं वॉलीबॉल खेल प्रतियोगिता के पहले दिन 17 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का पहला मैच लाड व सुरपुरा के बीच बड़ा रोचक मुकाबला रहा। जिसमें लाड ने तीन मैचों में से दो मैच जीतकर मैच अपने नाम किया। इस अवसर पर सरपंच मेहर चंद, पूर्व सरपंच बीर सिहं, सुबे सिंह, महान सिंह, प्रधान नरेश शर्मा, प्रधान मा. दलबीर सिंह, चतर सिंह, सतबीर, कृष्ण शर्मा, संतोष सांगवान, राजेश डीपी, दलबीर चौहान, संदीप गौड़, वजीर सिंह, शमसेर, मनोज फौजी, मनेष कुमार, प्रधान रामबीर, जगजीत, सुलेख, लाईब्रेरी कमेटी व युवा क्लब के सदस्य मौजूद थे।

भाकियू ने ओलावृष्टि से फसल को हुए नुकसान का मुआवजा दिलाने व ई क्षतिपूर्ति पोर्टल खोलने की लगाई गुहार

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 05 मार्च। भारतीय किसान यूनियन चढूनी ने उपायुक्त कुरुक्षेत्र को पत्र सौंप कर ओलावृष्टि के कारण तहसील शाहबाद के गांव दाऊ माजरा, सम्भालखी, लंडी, कल्याणा, रामनगर, पट्टी काकड़ा व पट्टी तगड़ा में फसल रबी के नुकसान को लेकर आग्रह किया कि इन गांव की स्पेशल गिरदावरी कारवाई जाए व खराब हुई फसलों का मुआवजा दिलाया जाए। मीडिया प्रभारी राकेश बैंस ने उपायुक्त को लिखे पत्र में कहा है कि उन्हें ज्ञात हुआ है की तहसीलदार की गलत रिपोर्ट के चलते जिला कुरुक्षेत्र का ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल नही खोला गया है, जिस कारण से तहसील शाहबाद के गांव दाऊ माजरा, सम्भालखी, लंडी, कल्याणा, रामनगर, पट्टी काकड़ा व पट्टी तगड़ा में हुए भारी नुकसान के बारे किसान ई क्षतिपूर्ति पोर्टल पर अपनी खराब हुई फसल का ब्यौरा दर्ज नही कर पा रहे है, जबकि सरकार द्वारा पोर्टल पर खराबा दर्ज करवाने की अंतिम तारीख 10 मार्च की घोषणा की हुई है। भाकियू ने आग्रह किया कि इस विषय की गंभीरता व किसानो की दशा को समझते हुए जिला कुरुक्षेत्र का ई क्षतिपूर्ति पोर्टल खुलवाने का कष्ट करे, ताकि किसान समय पर खराब हुई फसल की सूचना दर्ज कर सके और सरकार तक अपनी खराब फसल की जानकारी पहुंचा सके।

ट्रक से भारी मात्रा में शराब बरामद, एक आरोपी काबू

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 05 मार्च। कुरुक्षेत्र पुलिस ने नशा-तश्करो पर शिकंजा कसते हुए शराब तस्करी करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक वरुण सिंगला के कुशल मार्ग-दर्शन में अपराध अन्वेषण शाखा-2 ने शराब तस्करी करने के आरोप में रमेश कुमार वासी बालम जिला सोलन हिमाचल को गिरफ्तार करके उसके कब्जे से अलग-अलग मार्का की 262 पेटी अंगेजी शराब बरामद की है। जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि अपराध अन्वेषण शाखा-2 प्रभारी निरीक्षक मोहन लाल के मार्ग-निर्देश में सहायक उप निरीक्षक प्रेम चन्द, राम कुमार, सुरेन्द्र कुमार, सिपाही गुरमेज की टीम अपराध तलाश में पिपली बस अड्डे के पास मौजूद थी। पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली कि रमेश कुमार ट्रक नम्बर पीबी-11-डीबी-8871 में माल लोड करके बंगाल, बिहार व झारखंड जाता है। आरोपी पंजाब व हिमाचल से अवैध शराब लोड करके बिहार में बेचता है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने एनएच-44 पिपली चिड़ियाघर के पास नाकाबंदी करके चेकिंग शुरू कर दी। थोड़ी देर बाद पुलिस टीम को मिली सूचना अनुसार ट्रक पीबी11-डीबी-8871आता दिखाई दिया। पुलिस टीम द्वारा ट्रक चालक को काबू करने पर उसकी पहचान रमेश कुमार वासी बालम जिला सोलन हिमाचल के रूप में हुई। पुलिस द्वारा आरोपी व उसके ट्रक की तलाशी लेने पर उसमें अलग-अलग मार्का की 262 पेटियां शराब अंग्रेजी बरामद हुई। आरोपी के विरुद्ध थाना सदर थानेसर में नशीली वस्तु अधिनियम के तहत मामला दर्ज करके आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के लिंक अधिकारी नियुक्त

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

चंडीगढ़, 05 मार्च। हरियाणा सरकार ने हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के कामकाज का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए, आयोग के सचिव की अनुपस्थिति में मानव संसाधन विभाग के महानिदेशक / निदेशक को लिंक अधिकारी-जबकि हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के ओएसडी को लिंक अधिकारी-नियुक्त किया है। सम्बन्धित अधिकारी अवकाश, प्रशिक्षण, दौरे, चुनाव ड्यूटी पर जाने से पहले लिंक अधिकारी को सूचित करेंगे। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा इस संबंध में एक पत्र जारी किया गया है। उल्लेखनीय है कि सम्बन्धित अधिकारी के अवकाश, प्रशिक्षण, दौरे, चुनाव ड्यूटी पर होने अथवा किसी अन्य कारण से 2 दिन से अधिक समय तक बाहर रहने अथवा अधिकारी की सेवानिवृत्ति या स्थानान्तरण के कारण स्थान होने की रिक्त की स्थिति में उस विभाग, बोर्ड या निगम का कार्य संबंधित लिंक अधिकारी देखते हैं।

संपादक की कलम से

जेलेंस्की-ट्रम्प विवाद से नये समीकरण

रूस के साथ पिछले तीन साल से जंग कर रहे यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की तथा दुनिया के सबसे शक्तिशाली कहे जाने वाले देश अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बीच तीखी बहस ने दुनिया को हैरत में डाल दिया है। इसके कारण नये वैश्विक समीकरण बनते दिख रहे हैं। शुक्रवार की शाम को जेलेंस्की की ट्रम्प के साथ उनके ओवल कार्यालय में बैठक हुई थी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी साथ थे। बातचीत ने अप्रत्याशित मोड़ ले लिया जिसके कारण ट्रम्प के भोज को ठुकराकर जेलेंस्की अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ वहां से निकल गये। अमेरिका से जेलेंस्की यूनाइटेड किंगडम की राजधानी लंदन पहुंचे जहां उन्हें पूरे यूरोपीय देशों का समर्थन मिल गया। हालांकि उन्होंने बातचीत के लिये ट्रम्प का धन्यवाद किया है तथा ट्रम्प ने भी उनके अमेरिका छोड़ने के पहले ट्वीट किया है कि जब वे शांति की सोचें तो दोबारा आ सकते हैं। यह बहस तथा कौन सही है व कौन गलत, इसका विवाद एक ओर रख दें तो भी सारा विश्व हास्य कलाकार की भूमिका से राजनीति में आकर राष्ट्रपति बने जेलेंस्की की इस बात की प्रशंसा कर रहा है कि उन्होंने बगैर दबे जमकर बहस की तथा देश की सम्प्रभुता की दमदारी से रक्षा की।

दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश रूस के साथ लम्बे समय से युद्धरत छोटे से देश यूक्रेन के संसाधन तेजी से चूक रहे हैं। देश का एक बड़ा हिस्सा रूसी बमबारी से तबाह हो चुका है। दुनिया भी अब शांति विराम चाहती है। वैसे खुद यूक्रेन के लिये स्वतंत्र अस्तित्व बनाये रखने हेतु यह जरूरी हो गया है क्योंकि इसे वापस रूस द्वारा अपने में शामिल कराये जाने का खतरा उसके सिर पर मंडरा रहा है। दूसरी बार जीतकर आने के बाद अब ट्रम्प की रुचि अंतरराष्ट्रीय सम्बन्धों में कम और व्यवसाय में ज्यादा है। यूरोप भी चाहता है कि युद्धविराम हो। इस सिलसिले में जेलेंस्की गये तो थे ट्रम्प को मनाने लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति ने उन पर आरोप लगाया कि वे विश्व को तीसरे महायुद्ध की ओर ले जा रहे हैं तथा एक तरह से एहसान जतलाया कि अमेरिका ने उन्हें 350 बिलियन डॉलर दिये हैं। उन्होंने यह भी ध्यान दिलाया कि अमेरिका यदि हथियारों की मदद नहीं करता तो यूक्रेन के लिये लड़ाई में दो हफ्ते भी टिकना मुश्किल था। इसकी ईमानदार स्वीकारोक्ति जेलेंस्की ने की लेकिन वे अपनी शर्तों पर अड़े रहे। जेलेंस्की को इस बात की भनक थी कि ट्रम्प स्थिति का फायदा उठाकर उनके देश के खनिज भंडारों से सम्बन्धित समझौता कराने के लिये दबाव डाल सकते हैं। वैसा हुआ भी। सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में प्रारम्भ हुई बातचीत के आखिरी 10 मिनटों में सब कुछ बदल गया जब ट्रम्प ने उनसे कहा कि वे युद्ध रोक दें। पूरी कूटनीतिक सतर्कता बरतते हुए जेलेंस्की ने कहा कि जब तक यूक्रेन की सुरक्षा की जिम्मेदारी अमेरिका नहीं लेता, वे ऐसा नहीं करेंगे।

आगे यूक्रेन-अमेरिका सम्बन्ध क्या मोड़ लेते हैं, यह तो अगले कुछ दिनों में साफ हो पायेगा, परन्तु आम तौर पर अमेरिका के पीछे चलने वाले सभी 27 यूरोपीय देशों ने एकता दिखाते हुए जेलेंस्की को अपना समर्थन दे दिया। इसे लेकर जल्दी ही उनकी एक बैठक होने जा रही है। आस्ट्रेलिया और कनाडा भी यूक्रेन के पक्ष में खड़े हैं। मदद किस स्वरूप में रहेगी, कितने हथियार और धन की सहायता मिलेगी यह कुछ दिनों में सामने आयेगा परन्तु यह यूक्रेन को बड़ा सम्बल प्रदान करेगी। दूसरी ओर इस मामले में रूस की जीत बतलाई जा रही है लेकिन उससे इसलिये बहुत फायदा नहीं होने जा रहा है क्योंकि यूक्रेन तो उससे पहले से ही युद्ध कर रहा है और जितना नुकसान रूस कर सकता था वह कर चुका है। अलबत्ता, यूक्रेन ने यूरोपीय देशों से अमेरिका को अलग करने में सफलता पा ली। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने 2.84 अरब डॉलर का ऋ ण रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने के लिये दे दिया। जेलेंस्की ने कहा कि इस राशि का उपयोग हथियार बनाने के लिये किया जायेगा। ट्रम्प द्वारा यूक्रेन पर युद्धविराम के लिये दबाव डालना यूरोपीय देशों के अलावा कनाडा, आस्ट्रेलिया आदि को नागवार तो गुजरा है, अमेरिका द्वारा रूस का एक तरह से अप्रत्यक्ष समर्थन उन्हें बिलकुल ही हजम नहीं हो सकता क्योंकि ज्यादातर देश पूंजीवादी व्यवस्था के समर्थक हैं जबकि रूस अब भी अलग खेमा माना जाता है, बावजूद इसके कि उसके अपने साम्यवादी विचारों में काफी लचीलापन आ चुका है और सोवियत संघ का विघटन हुए तीन दशकों से अधिक का वक्त गुजर चुका है। उसके पास अब केवल कम्युनिस्ट विचारधारा का इतिहास है और शासन प्रणाली। तो भी दुनिया, खासकर यूरोपीय संघ (ईयू), नाटो जैसे संगठन अमेरिका तथा रूस में यह नजदीकी देखने की आदी नहीं है। न उसे वह रुचिकर लगेगा। सम्भवतः यही कारण है कि जेलेंस्की-ट्रम्प वार्ता के नाकाम होने के कुछ ही घंटों के भीतर यूक्रेन के साथ इतने देश खड़े हो गये। अपने शपथ ग्रहण समारोह में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को आमंत्रित कर ट्रम्प ने पहले ही संकेत दे दिये थे कि वे विचारधारा की बजाये व्यवसाय को तरजीह देंगे।

भारत के सन्दर्भ में कहें तो लोग जेलेंस्की की तुलना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कर रहे हैं जिन्होंने पिछले दिनों ट्रम्प से मुलाकात की थी और पेश किये गये दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कर दिये थे। कई शर्तें भारत के हितों के खिलाफ हैं- खासकर कबाड़ हो चुके एफ-35 लड़ाकू जहाज तथा महंगी दरों पर प्राकृतिक गैस व तेल की अमेरिका से खरीदी।

बार-बार बुखार आना किन बीमारियों का लक्षण है, जानें यहां

अगर आपको भी बार-बार बुखार आ रहा है और कुछ दिन ठीक रहने के बाद फिर से हो जाता है, तो इसे हल्के में लेना सही नहीं है. बार-बार बुखार आना सिर्फ मौसम का असर नहीं, हो सकता है किसी गंभीर बीमारी का संकेत नहीं हो सकता है. आमतौर पर बुखार शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली का संकेत होता है कि वह किसी संक्रमण से लड़ रहा है, लेकिन जब यह बार-बार आता है तो यह किसी बड़ी बीमारी का लक्षण भी हो सकता है. आइए जानते हैं किन बीमारियों में बार-बार बुखार आता है और कब डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी होता है.

वायरल या बैक्टीरियल इंफेक्शन

अगर शरीर में कोई वायरस या बैक्टीरिया आता है तो इम्यून सिस्टम उसे खत्म करने के लिए शरीर का तापमान बढ़ा देता है, जिससे बुखार आता है. कई बार ऐसे संक्रमण पूरी तरह खत्म नहीं हो पाते और बुखार बार-बार आता है. खासतौर पर अगर आपको सर्दी, खांसी, सिरदर्द और बदन दर्द भी हो रहा है तो यह किसी वायरल या बैक्टीरियल इंफेक्शन का संकेत हो सकता है.

मलेरिया और डेंगू

बारिश के मौसम में मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों के कारण भी बुखार आना आम बात है, लेकिन बुखार एक सप्ताह से अधिक है तो तुरंत टेस्ट करवाना चाहिए. क्योंकि बारिश में मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया समेत कई बीमारियों के होने का खतरा रहता है. इससे बार-बार बुखार आने का कारण हो सकता है.मलेरिया में तेज ठंड लगकर बुखार आता है और फिर पसीने के साथ उतर जाता है. वहीं, डेंगू में हाई फीवर के साथ बदन दर्द, जोड़ों में दर्द और कमजोरी महसूस होती है.

टायफॉइड

अगर आपको लंबे समय तक हल्का या तेज बुखार बना हुआ है और पेट दर्द, भूख न लगना, थकान कमजोरी जैसे लक्षण हैं तो यह टायफॉइड हो सकता है. दूषित पानी और भोजन से फैलने वाला यह संक्रमण बिना इलाज के गंभीर हो सकता है.

टीबी

टीबी में अक्सर हल्का बुखार शाम के समय आता है और लंबे समय तक बना रहता है. अगर आपको खांसी, वजन कम होना और रात को ज्यादा पसीना आने जैसी दिक्कतें हैं, तो तुरंत जांच करवाएं.

यूरिन इंफेक्शन

यूरिन इंफेक्शन यानी UTI होने पर भी बुखार आ सकता है, खासतौर पर अगर यह बार-बार हो रहा है और पेशाब में जलन या बदबू भी आ रही है. तो इसमें महिलाएं बुखार से पीड़त हो जाती हैं।

हिन्दी की स्वीकार्यता में सभी भारतीय भाषाओं का विकास जुड़ा

हृदयनारायण दीक्षित

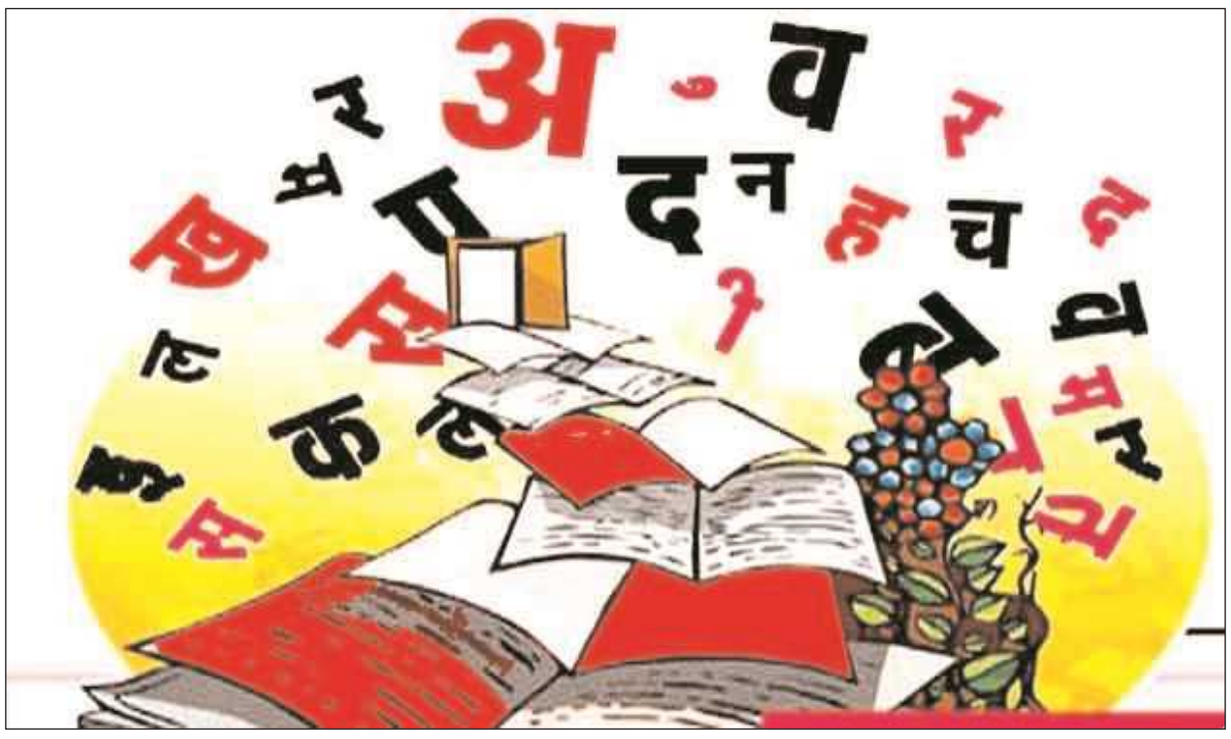

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने केन्द्र पर हिन्दी थोपने का आरोप दोहराया है। इस बयान से राष्ट्रभाषा प्रेमी आहत हैं। हिन्दी हमारा जीवनरस है। प्राण और आत्म भी। मां के गर्भ से संसार में आए तो रोये हिन्दी में। सोए हिन्दी के आंचल में। जागे तो हिन्दी सुने। उठे, बैठे, चले, लुढ़के, गिरे, रोए हिन्दी में। मां ने उठाया और मनाया भी हिन्दी में। गुस्साए और रूठे भी हिन्दी में। बालक से तरुण हुए, गांव, क्षेत्र, नगर जाना हिन्दी में। प्रीति, रीति, नीति हिन्दी की। हमारी प्रकृति हिन्दी है। स्वाभाविक ही हमारी संस्कृति भी हिन्दी में ही खिलती है। उल्लास और उत्साह का रस हिन्दी है। हम हिन्दी में सोचते हैं, हिन्दी में प्रकट होते हैं। हिन्दी हमारी मां है।

अंग्रेजी हमारे परिवार की भाषा नहीं है। हमें बताया जाता है कि अंग्रेजी अंतरराष्ट्रीय भाषा है। हम यह उपदेश मान भी लेते लेकिन क्या करें? एशिया महाद्वीप के 48 देशों में से भारत छोड़ किसी भी देश की मुख्य भाषा अंग्रेजी नहीं है। अजरबैजान की भाषा अजेरी, अर्मेनिया की अर्मेनियन, इजराइल की हिब्रू, ईरान की फारसी, उज्बेकिस्तान की उज्बेक, ओमान, सऊदी अरब, सीरिया, ईराक, जार्डन, यमन, बहरीन, कतर व कुवैत की भाषा अरबी है। चीन, ताईवान, सिंगापुर की मंदारिन, इण्डोनेशिया की डच, दोनों कोरिया की कोरियायी, श्रीलंका की सिंहली व तमिल, कम्बोडिया की खमेर, अफगानिस्तान की पश्तो, पाकिस्तान की उर्दू और तुर्किए की तुर्की है।

यूरोप को अंग्रेजी भाषी क्षेत्र माना जाता है लेकिन यूरोप के 43 देशों में से 40 की भाषा अंग्रेजी नहीं है। यहां डेनमार्क की डेनिस, चेक गणराज्य की चेक, रूस की रूसी, स्वीडन की स्वीडिस, जर्मनी की जर्मन, स्विटजरलैण्ड व पोलैण्ड की पोलिस, इटली की इटैलियन, ग्रीस की ग्रीक, बुल्गारिया की बल्गेरियन, मोल्दोवा की रोमानियन, यूक्रेन की यूक्रेनियन, फ्रांस की फ्रेंच, स्पेन की स्पेनिस है। सिर्फ ब्रिटेन की ही भाषा अंग्रेजी है। आयरलैण्ड की आयरिश व अंग्रेजी है। अफ्रीका और आस्ट्रेलिया के क्षेत्रों में भी अंग्रेजी मूल भाषा नहीं है। बावजूद इसके अंग्रेजी अंतरराष्ट्रीय भाषा क्यों है?

लार्ड मैकाले ने ब्रिटिश संसद में कहा था उच्चतर जीवन मूल्य और क्षमताओं को देखते हुए भारतीयों पर तब तक विजय प्राप्त नहीं की जा सकती, जब तक वहां की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक परम्परा की सशक्त रीढ़ नहीं तोड़ी जाती। इसलिए मेरा प्रस्ताव है कि भारत की प्राचीन शिक्षा पद्धति, संस्कृति को विस्थापित करें कि भारतवासी अंग्रेजी को श्रेष्ठ समझते हुए स्वसंस्कृति और स्वाभिमान खोकर हमारी इच्छानुरूप शासित हो जाएं। महात्मा गांधी ने आहत मन कहा था, पृथ्वी पर हिन्दुस्तान ही ऐसा देश है जहां मां-बाप बच्चों को मातृभाषा के बजाय अंग्रेजी पढ़ाना-लिखाना पसंद करेंगे।

भारत की संविधान सभा में राजभाषा पर तीन दिन बहस हुई। एनजी आयंगर ने सभा (12.9.1949) में हिन्दी को राजभाषा बनाने का प्रस्ताव रखा, हम अंग्रेजी को एकदम नहीं छोड़ सकते। यद्यपि सरकारी प्रयोजनों के लिए हमने हिन्दी को अभिज्ञात किया फिर भी हमें यह मानना चाहिए कि आज वह सम्मुनत भाषा नहीं है। डॉ. धुलेकर ने बहस (13.9.1949) में कहा, अंग्रेजी वीरों की भाषा नहीं है। वह वैज्ञानिकों की भी भाषा नहीं है।

विज्ञान का एक शब्द भी अंग्रेजी भाषा का नहीं कहा जा सकता और न अंग्रेजी भाषा में प्रयुक्त अंक उस भाषा के अंक हैं। आप कहते हैं अगले 15 वर्षों तक अंग्रेजी भाषा को देश की राजभाषा के रूप में रहने दिया जाये। स्वराज्य के पश्चात भी हमारे स्कूल, विश्वविद्यालय तथा वैज्ञानिक अंग्रेजी में ही काम करते रहेंगे तो यह सुनकर मैं कांप उठता हूं।

सेठ गोविंददास ने कहा हमने सेक्युलर स्टेट मान लिया है। मगर इसका यह अर्थ कभी नहीं समझा कि सेक्युलर स्टेट मानना अनेक संस्कृतियां मानना हैं। यह एक प्राचीन देश है और इसका पुराना इतिहास है। इस देश में हजारों वर्षों से एक ही संस्कृति चली आई है। इस परम्परा को रखने के लिए और इस बात का खण्डन करने के लिए कि हमारी दो संस्कृतियां हैं, हम एक भाषा और एक लिपि रखना चाहते हैं।

सभा की बहस रोमांचकारी है। पं. नेहरू ने कहा, हमने अंग्रेजी इस कारण स्वीकार की, कि वह विजेता की भाषा थी, अंग्रेजी कितनी ही अच्छी हो किन्तु इसे हम सहन नहीं कर सकते। पं. नेहरू अंग्रेजी सहन करने को तैयार नहीं थे।

राजभाषा प्राविधान के प्रस्तावक हिन्दी को कमतर बता रहे थे। सभा ने 14 सितम्बर 1949 को हिन्दी को राजभाषा बनाया। 15 वर्ष तक अंग्रेजी में राजकाज चलाने का ह्यपरन्तुकह्न जोड़ा। संविधान के अनु0 343 (1) में हिन्दी राजभाषा बनी, किन्तु अनु0 343 (2) में अंग्रेजी जारी रखने का प्राविधान हुआ। हिन्दी के लिए आयोग/समिति बनाने की व्यवस्था हुई। हिन्दी के विकास की जिम्मेदारी (अनु0 351) केन्द्र पर डाली गयी। मूल प्रश्न यह है कि क्या अंग्रेजी ज्यादा ज्ञानबोधक है? अमेरिकी भाषा विज्ञानी ब्लूम फील्ड ने अंग्रेजी की बाबत (लैंगुएज, पृष्ठ 52) लिखा यार्कशायर (इंग्लैंड) के व्यक्ति की अंग्रेजी को अमेरिकी नहीं समझ पाते। तो फिर अंग्रेजी विश्व भाषा क्यों है?

प्रख्यात भाषाविद् चिंतक डॉ. रामबिलास शर्मा ने ह्यभाषा और समाजह्न (पृष्ठ 401) में लिखा अंग्रेजी के भारतीय प्रोफेसरों को हॉलीवुड की फिल्म दिखाइए, पूछिए, वे कितना समझे? इसके विपरीत हिन्दी की सुबोधता को हर किसी ने माना है। हिन्दी अपनी बोलियों के क्षेत्र में तो समझी ही जाती है गुजरात, महाराष्ट्र आदि प्रदेशों में भी उसे समझने वाले करोड़ों है। यूरोप में जर्मन और फ्रांसीसी अंग्रेजी से ज्यादा सहायक है। जर्मनी और अस्ट्रिया की भाषा जर्मन है। स्विट्जरलैण्ड के 70 फीसदी लोगों की मातृभाषा भी जर्मन है। चेकोस्लोवाकिया, हंगरी, युगोस्लाविया और पोलैण्ड के लोग जर्मन समझते हैं। हिन्दी भाषी बढ़े हैं। हिन्दी वाले ज्यादा हैं बावजूद इसके वह अपने ही देश में परिपूर्ण राष्ट्रभाषा भी नहीं है।

भाषा संस्कृति की संवाहक होती है। ब्रिटिश व्यापार और सत्ता के साथ अंग्रेजी लाये थे। अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ पूंजी के साथ भाषा लाती है। भाषा के साथ संस्कृति आती है। अमेरिकी भाषा विज्ञानी नोमचोम्सकी ने कहा था, करोड़ों डॉलर के जनसंपर्क उद्योग के जरिए बताया जाता है कि जिन चीजों की जरूरत उन्हें नहीं है, वे विश्वास करें कि उनकी जरूरत उन्हें ही है।

भाषा का विकास सामाजिक विकास से जुड़कर होता है। सामाजिक विकास में संस्कृति और आर्थिक उत्पादन के कारक प्रभाव डालते हैं। भारत की नई पीढ़ी मूल स्त्रोत भाषा और संस्कृति से कट रही है। भारत में हिन्दी जानने वालों की संख्या सौ करोड़ से ज्यादा है। अमेरिका, पाकिस्तान, नेपाल, इंडोनेशिया, इराक, बांग्लादेश, इजरायल, ओमान, इक्वाडोर, फिजी, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, ग्वाटेमाला, म्यांमार, यमन, त्रिनिडाड, सऊदी अरब, पेरू, रूस, कतर आदि देशों में लाखों हिन्दी भाषी हैं। सबसे बड़ी प्रसार संख्या वाले अखबार हिन्दी के हैं। हिन्दी फिल्मों/सीरियलों का व्यापार करोड़ों में है। हिन्दी में लिखे गए इतिहास, संस्कृति व दर्शन ग्रंथ विश्व की किसी भी भाषा से उत्कृष्ट हैं। लेकिन हिन्दी राजभाषा के असली सिंहासन से दूर है। हिन्दी पंख फैलाकर उड़ी है। अपनी सरलता और लोक आच्छादन की क्षमता के कारण। हिन्दी की स्वीकार्यता में सभी भारतीय भाषाओं का विकास भी जुड़ा हुआ है। स्टालिन पुनर्विचार करें। तमिल और हिन्दी साथ-साथ चलें। राष्ट्र भाषा को वास्तविक सम्मान मिलना ही चाहिए

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

स्वामी सहजानन्द सरस्वती: किसानों के मसीहा

@ गोपाल जी राय/वरिष्ठ पत्रकार और स्तम्भकार

किसान अपनी समस्याओं के मकड़ जाल में फंसे हुवे है ,उनके आंदोलन को आतंकवादी और देश द्रोहियों का आंदोलन कह दिया जा रहा, ऐसे में उनके मसीहा स्वामी सहजानन्द सरस्वती की याद भला किसे नहीं आएगी।

यह अजीब विडंबना है कि आज भारत भूमि पर भगवा सरकार है, भगवा संतों से यह सनातन भूमि आच्छादित है, वर्तमान में ही इतिहास गढ़ा जाता है। लेकिन यह कैसी विडंबना है कि समकालीन वर्तमान अपने धवल अतीत को पुनः गढ़ पाने में असहाय प्रतीत होता है।

यह कौन नहीं जानता कि अमूमन इतिहास खुद को दुहराता है, लेकिन स्वामी सहजानन्द सरस्वती का व्यक्तित्व और कृतित्व अब तक अपवाद स्वरूप है। आगे क्या होगा भविष्य के गर्त में है, पर वर्तमान को उनकी याद सताती है। भले ही उनको गुजरे जमाने हो गए, फिर भी इतिहास खुद को दुहरा नहीं पाया! जबकि लोगबाग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं किसी समतुल्य नायक का, जो उनकी जीवनधारा बदल दे। किसानी जीवन की सूखी नदी में दखल देने वाली व्यवस्था की रेत और छाड़न को किसी अग्रगामी चिंतनधारा से ऐसे लबालब भर दे कि पूंजीवाद और साम्यवाद के तटबंध बौने पड़ जाएं समाजवादी उमड़ती दरिया देख।

आप मानें या नहीं, लेकिन भारतीय राजनीति में जब भी किसानों की चर्चा होती है तो उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहली बार संगठित करने वाले दंडी स्वामी स्वामी सहजानन्द कोसरस्वती की याद बरबस आ जाती है। यदि यह कहा जाए कि स्वामी जी किसानों के पहले और अंतिम अखिल भारतीय नेता थे तो गलत नहीं होगा। दरअसल, वो पहले ऐसे किसान नेता थे जिन्होंने किसानों के सुलगते हुए सवालों को स्वर तो दिया, लेकिन उसके आधार पर कभी खुद को विधान सभा या संसद में भेजने की सियासी भीख आमलोगों से कभी नहीं मांगी। इसलिए वो अद्वितीय हैं और अग्रगण्य भी।

खासकर तब जब भारतीय किसानों की दशा और दिशा को लेकर हमारी संसद और विधान मंडलें गम्भीर नहीं हैं। त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाएं भी अपने मूल उद्देश्यों से भटक चुकी हैं। ये तमाम संस्थाएं जनविरोधी पूंजीपतियों के हाथों की कठपुतली मात्र बनी हुई हैं। ये बातें तो किसानों की करती हैं, लेकिन इनके अधिकतर फैसले किसान विरोधी ही होते हैं। सम्भावित किसान विद्रोह से अपनी खाल बचाने के लिए इनलोगों ने किसानों को जाति-धर्म में इस कदर बांट रखा है कि वो अपने मूल एजेंडे से ही भटक चुके हैं। इसलिए उनकी आर्थिक बदहाली भी बढ़ी है। सच कहा जाए तो जबसे किसानों में आत्महत्या का प्रचलन बढ़ा है, तबसे स्थिति ज्यादा जटिल और विभत्स हो चुकी है। इसलिए स्वामी सहजानन्द सरस्वती की याद बार बार आती है।

स्वामी जी का सियासी कद नेहरू और गांधी जी के समतुल्य है। लेकिन उन्हें मृत्यु के उपरांत भारत रत्न से नवाजे जाने की जरूरत नहीं समझी गई। ऐसा इसलिए कि किसानों की आवाज जन्मजन्मांतर तक दबी रहे। वह उनके नाम पर भी आगे अंतस ऊर्जा नहीं प्राप्त कर सके। इस बात में कोई दो राय नहीं कि भारत में संगठित किसान आंदोलन को खड़ा करने का जैसा श्रेय स्वामी सहजानंद सरस्वती को मिला, बाद में उसका हकदार कोई दूसरा नेता नहीं बन सका। ऐसा इसलिए कि सेवा और त्याग स्वामी जी का मूलमंत्र था। अब कोई भी इस मूलमंत्र को नहीं अपना पायेगा, क्योंकि कृषक समाज की प्राथमिकता बदल गई है।

आज किसानों के एक बड़े वर्ग के लिए आरक्षण जरूरी है, लॉलीपॉप वाली योजनाएं पसंद हैं, जबकि कृषि अर्थव्यवस्था को हतोत्साहित करने वाले और किसानों का परोक्ष शोषण करने वाले कतिपय कानूनों का समग्र विरोध नहीं। यही वजह है कि खेतों को बिजली, बीज, खाद, पानी, मजदूरी और उचित समर्थन मूल्य दिए जाने के मामलों में निरन्तर लापरवाही दिखा रही सरकारों का कोई ठोस विरोध आजतक नहीं हो पाया है।

निकट भविष्य में होगा भी नहीं, क्योंकि अब नेतृत्व के बिक जाने का प्रचलन बढ़ा है। सच कहा जाए तो मनरेगा ने 'गंवई हरामखोरी' को ऐसा बढ़ाया है कि कृषि मजदूरों का मन भी अपने पेशे से उचट चुका है जिससे शिक्षित किसानों के किसानी कार्य बहुत प्रभावित हो रहे हैं।

न्यायालयों में अनसुलझे मामलों की बढ़ती संख्या

-प्रियंका सौरभ

देश की न्याय व्यवस्था कई महत्त्वपूर्ण मुद्दों से जूझ रही है, जिसका मुख्य कारण भारतीय अदालतों में अभी भी 5 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं। इनमें से कई मामले एक दशक से अधिक समय से लंबित हैं, जिनमें से लगभग 50 लाख मामले दस साल से भी अधिक समय पहले शुरू किए गए थे। नीति आयोग ने सुधारों की तत्काल आवश्यकता पर जोर देते हुए आगाह किया है कि मामले के समाधान की वर्तमान गति से केवल निचली अदालतों में लंबित मामलों को हल करने में 300 साल से अधिक लग सकते हैं।

भारत में, लंबित मामलों का अर्थ कानूनी ढांचे के भीतर अनसुलझे मामलों की भारी संख्या है। स्थिति विशेष रूप से निचले न्यायिक स्तरों पर गंभीर है, जहाँ अधिकांश मामले दायर किए जाते हैं और न्यायाधीशों की कमी की वजह से निबटारा नहीं हो पाता। लंबित मामलों की बढ़ती संख्या भारतीय न्याय प्रणाली के लिए बड़ी चुनौती है। लंबी कानूनी प्रक्रियाएँ न्याय में देरी न्याय से वंचित होने के समान है कहावत को चरितार्थ करती हैं। अदालतों में मामलों की बड़ी संख्या अदालती दक्षता में बाधा डालती है और लंबित मामलों की संख्या में वृद्धि करती है, जिससे त्वरित न्याय लगभग असंभव हो जाता है। सर्वोच्च न्यायालय में 82, 000 से अधिक और उच्च न्यायालयों में 62 लाख से अधिक मामले लंबित होने के कारण, निर्णयों में देरी आम बात है। मुकदमेबाजी का वित्तीय बोझ आर्थिक विकास को भी बाधित करता है, क्योंकि यह संसाधनों को खत्म करता है और व्यक्तियों और व्यवसायों को कानूनी कार्यवाही करने से हतोत्साहित करता है। भारत में न्यायिक देरी की अनुमानित लागत दो मिलियन डॉलर से अधिक है। न्याय प्रणाली पर लंबित मामलों का प्रभाव गहरा और दूरगामी है। लंबे समय तक चलने वाले मामले कानूनी प्रणाली में जनता के विश्वास को डिगा सकते हैं। देरी का यह चक्र समस्या को और बढ़ाता है। न्यायिक देरी में योगदान देने वाला एक महत्त्वपूर्ण कारक जनसंख्या के लिए न्यायाधीशों का अपर्याप्त अनुपात है। भारत में, विकसित देशों की तुलना में कानूनी प्रणाली बहुत धीमी गति से काम करती है(जहाँ हर दस लाख निवासियों के लिए केवल 21 न्यायाधीश उपलब्ध हैं। सरकार सबसे बड़ी वादी है, जो सभी लंबित मामलों में से लगभग आधे मामलों के लिए ज़िम्मेदार है, जिनमें से कई छोटे मुद्दों पर अपील में बंधे हैं। सीमित कोर्ट रूम स्पेस और पुरानी केस मैनेजमेंट प्रथाओं जैसी चुनौतियों से लंबी अदालती कार्यवाही और भी जटिल हो जाती है। दिल्ली उच्च न्यायालय मध्यस्थता केंद्र ने 15 वर्षों में 200, 000 से अधिक मामलों को सफलतापूर्वक हल किया है, जो वैकल्पिक विवाद समाधान विधियों की प्रभावशीलता को उजागर करता है। दुर्भाग्य से, वकील और वादी दोनों अक्सर स्थगन का दुरुपयोग करते हैं, जिसके कारण मामले सालों या दशकों तक टल जाते हैं। मैन्युअल दस्तावेजीकरण और पुरानी कानूनी प्रक्रियाओं पर निर्भरता मामलों के समय पर समाधान में बाधा डालती है, जिससे अनावश्यक नौकरशाही बाधाएँ पैदा होती हैं। लंबित मामलों के बैकलॉग को कम करने के लिए यह सुनिश्चित करना महत्त्वपूर्ण है कि कार्यवाही निरंतर हो। इसमें बढ़ती आबादी को समायोजित करने के लिए न्यायालय स्टाफिंग और बुनियादी ढांचे में निवेश करना शामिल है। न्यायालयों की संख्या बढ़ाने और पर्याप्त सहायक कर्मचारियों को नियुक्त करने से प्रक्रिया में तेजी लाने में मदद मिल सकती है। मामलों को अधिक तेजी से ट्रैक करने और आगे बढ़ाने के लिए प्रभावी केस प्रबंधन रणनीतियों को लागू करना भी महत्त्वपूर्ण है। उचित रूप से प्रबंधित मामलों के समय पर समाधान तक पहुँचने की अधिक संभावना होती है। कानूनी प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए कानूनों की नियमित समीक्षा और संशोधन अनिश्चितता को कम करने और कानूनी कार्यवाही में तेजी लाने के लिए आवश्यक है। वाणिज्यिक विवादों के त्वरित समाधान की सुविधा के लिए, वाणिज्यिक न्यायालय अधिनियम 2015 स्थगन पर सख्त नियम लागू करता है। मुकदमेबाजी से पहले मध्यस्थता को अनिवार्य करके वैकल्पिक विवाद समाधान को बढ़ावा देने से अदालतों पर बोझ कम करने में मदद मिल सकती है। मध्यस्थता अधिनियम (2023) वाणिज्यिक और नागरिक विवादों में मध्यस्थता को अनिवार्य बनाकर इसका समर्थन करता है, जिसका उद्देश्य अदालती लंबित मामलों को कम करना है। एक मजबूत लोकतंत्र न्याय के त्वरित और प्रभावी वितरण पर निर्भर करता है। न्यायिक देरी से निपटने के लिए न्यायिक बुनियादी ढांचे को बढ़ाना, मौजूदा रिक्तियों को भरना, ऐआई-संचालित केस प्रबंधन को अपनाना और वैकल्पिक विवाद समाधान को बढ़ावा देना आवश्यक है। न्यायिक जवाबदेही को दूरदर्शी नीति ढांचे के साथ जोड़कर, भारत की न्याय प्रणाली अधिक निष्पक्ष, सुलभ और समय पर बन सकती है।

भारतीय अदालतों में लंबित मामलों से निपटने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता है जिसमें तकनीकी प्रगति के साथ-साथ प्रशासनिक, कानूनी और बुनियादी ढाँचे में सुधार शामिल हो। हालाँकि प्रगति हुई है, लेकिन विवादों का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास महत्त्वपूर्ण हैं।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

महिला मंडली ने बाबा सरसाईनाथ मंदिर में मनाया होली महोत्सव

रवि कुमार

सिरसा, 05 मार्च। बाबा सरसाईनाथ मंदिर में महिला मंडली ने बुधवार को होली महोत्सव मनाया। इस दौरान महिलाओं ने भजन गाकर बाबा सरसाईनाथ की महिमा का गुणगान किया।

महिलाओं ने इस दौरान पूजा अर्चना भी की और बाबा के भजनों पर जमकर झूमी। महिलाओं ने मिलकर फूलों से होली खेली और प्रसाद ग्रहण किया। महिलाओं का कहना है कि सभी को अपने व्यस्त जीवन में से धार्मिक कार्यों के लिए समय अवश्य निकालना चाहिए। पूजा अर्चना करने से मन को शांति मिलती है। जब भी कोई धार्मिक अनुष्ठान हो हमें दान पुण्य भी करना चाहिए। दान पुण्य का फल बाबा सरसाईनाथ हमें जरूर देते हैं। उल्लेखनीय है कि बाबा सरसाईनाथ मंदिर में हर मंगलवार को मंदिर की महिला मंडली द्वारा सुंदरकांड का पाठ किया जाता है।

पड़ोसी ने तोड़ी युवक की गाड़ी

रवि कुमार

सिरसा, 05 मार्च। शहर में प्रीत नगर की गली नंबर 14 में मंगलवार रात को पड़ोसी ने युवक के साथ गाली-गलौच की और गाड़ी के सारे शीशे तोड़ डाले। आरोप है कि पड़ोसी ने अपने साथियों को बुलाकर पूरी गुंडागर्दी करते हुए दहशत फैलाने का प्रयास किया। बाद में सूचना पाकर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली।

प्रीत नगर निवासी हैप्पी ने बताया कि वह 12 नंबर गली के पास खड़ा था। इसी दौरान पड़ोसी ने शराब के नशे में उसको गाली निकाली। इसी बात को लेकर उनकी कहासुनी हो गई। फिर हाथापाई भी हो गई। पड़ोसी ने ईंट भी फेंकी, जिससे वह साइड में हटकर बचा। आसपास के दुकानदारों ने उसे छुड़वा दिया। बाद में वह घर पर नहीं था, तो पड़ोसी अपने कुछ साथियों के साथ उसके घर के बाहर आकर गालियां निकाली। गेट पर भी ईंटे मारी। उस समय उसके घर पर मां-बाप व बेटा थे। जो इस गुंडागर्दी से घबरा गए। बाद में पुलिस को सूचना दी गई। पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। हैप्पी ने बताया कि वह करीब छह महीने पहले घर बना रहा था। उस दौरान गली में रेता-क्रेशर रखने से रास्ता बाधित होने पर पड़ोसी ने नाराजगी जताई थी। वह उसी समय से रंजिश रखे हुए था। इसी के चलते उसने रात को शराब पीकर इस घटना को अंजाम दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

युवती संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

रवि कुमार

सिरसा, 05 मार्च। गांव खारिया से एक युवती संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई।

पुलिस को दी शिकायत में युवती के परिजनों ने बताया कि बीती 3 मार्च की दोपहर को उनकी बेटी किसी काम से घर से गई थी, लेकिन उसके बाद से वापस नहीं लौटी। उसने अपने स्तर पर आसपास के लोगों व रिश्तेदारी में भी तलाश की, लेकिन बेटी का कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद उसने पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू की है।

चोरी की नीयत से घर में घुसा युवक

रवि कुमार

सिरसा, 05 मार्च। गांव ममेरा कलां में चोरी की नीयत से एक युवक घुस गया, लेकिन परिजनों के आने की आहट के बाद आरोपी भागने में कामयाब हो गया।

पुलिस को दी शिकायत में गोविंद राम ने बताया कि बीती 3 मार्च की सुबह वह शादी समारोह में गया था। इसी का फायदा उठाकर रात्रि को गांव का ही युवक कृष्ण उर्फ कालू उसके घर में चोरी की नियत से घुस गया। जब वह घर वापस आया तो युवक घर में घुसा हुआ था। उसके आने की आहट पाकर वह भागने लगा। उसने पकड? की भी कोशिश की, लेकिन वह भागने में कामयाब हो गया। सुबह उसने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू की है।

रेस्टोरेंट के बाहर से बाइक चोरी

रवि कुमार

सिरसा, 05 मार्च। जाट धर्मशाला के सामने स्थित पिज्जा रेस्टोरेंट के बाहर से चोर एक बाइक चोरी कर ले गए।पुलिस को दी शिकायत में भगत सिंह कॉलोनी निवासी बिंद्र कुमार ने बताया कि बीती 3 मार्च की सुबह वह जाट धर्मशाला के सामने पिज्जा रेस्टोरेंट में गया था। बाइक बाहर खड़ी कर वह अंदर चला गया। कुछ देर बाद आया तो बाइक गायब मिली। उसने अपने स्तर पर आसपास के लोगों से भी पूछताछ की, लेकिन बाइक का कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद उसने पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू की है।

खेतों से चुराई हजारों रुपए की केबल

रवि कुमार

सिरसा, 05 मार्च। गांव घोड़ांवाली में चोर एक किसान के खेतों से हजारों रुपए की ट्यूबवैल की केबल चोरी कर ले गए।

पुलिस को दी शिकायत में खेत मालिक सीताराम ने बताया कि उसने खेतों में सिंचाई के लिए ट्यूबैवल लगाया हुआ है। बीती 3 मार्च की शाम को वह खेतों से घर आ गया। देर रात्रि को चोरों ने खेतों में घुसकर ट्यूबवैल की करीब 200 मीटर केबल चोरी कर ले गए। सुबह जब वह खेतों में गया तो उसे घटना का पता चला। उसने अपने स्तर पर आसपास के लोगों से भी पूछताछ की, लेकिन केबल का कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद उसने पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर

सेंसोडाइन ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर वर्ल्ड ओरल हेल्थ डे 2025 कैंपेन की शुरूआत की

महाकुंभ में मात्र 1 दिन में 27,396 डेंटल स्क्रीनिंग पूरी की गई।

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

हिसार, 05 मार्च। सेंसोडाइन, जो हेलियोन (पहले ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन कंज्यूमर हेल्थकेयर) का एक जानामाना ओरल केयर ब्रांड है, उसने 24 घंटे में सबसे ज्यादा ऑनलाइन डेंटल स्क्रीनिंग टेस्ट पूरे कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। महाकुंभ 2025 में आयोजित इस पहल में लगभग 27,000 से ज्यादा लोगों ने डेंटल चेकअप कराया। यह भारत में ओरल केयर के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक बहुत बड़ी कामयाब कोशिश रही। इस पहल में अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हुए सेंसोडाइन ने अपने नए 20 रुपए के छोटे टूथपेस्ट पैक बाँटे, जो सेंसिटिविटी से सुरक्षा अब कम दाम में उपलब्ध कराएगा। यह रिकॉर्ड सेंसोडाइन, के वर्ल्ड ओरल हेल्थ डे कैंपेन की शुरूआत भी करता है, जिसका लक्ष्य लोगों को बेहतर ओरल हेल्थ की ओर कदम बढ़ाने के लिए जागरूक करना है। सेंसोडाइन, पिछले 10 सालों से भी ज्यादा समय से लोगों को दांतों की सेंसिटिविटी पहचानने और सही समय पर उसके लिए कदम लेने के लिए जागरूक कर रहा है। इस दौरान, ब्रांड ने पूरे भारत में "चिल टेस्ट" किए हैं, जिससे लाखों लोगों को उनकी समस्या को समझ कर उसके लिए कदम लेने और फिर से अपने पसंदीदा खाने का लुत्फ उठाने में मदद मिली है।

यह पहल लोगों की जीवन की खुशहाली लौटने की दिशा में एक बड़ा कदम है।किशले सेठ, कैटेगरी लीड, ओरल हेल्थ, हेलियोन इंडिया सबकॉन्टिनेंट ने बताया कि, " सेंसोडाइन, में हमारा लक्ष्य लोगों को उनकी ओरल हेल्थ की ओर कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित करना है। महाकुंभ 2025 में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाना सिर्फ आंकड़ों की बात नहीं है, बल्कि यह हजारों लोगों तक पहुंचने, जागरूकता बढ़ाने और हर दिन बेहतर ओरल हेल्थ को प्रोत्साहित करने की हमारी कोशिशों का हिस्सा है। हम इस पहल को आगे बढ़ा रहे हैं और वर्ल्ड ओरल हेल्थ मंथ के दौरान ओरल हेल्थ की शिक्षा को बढ़ावा दे रहे हैं। साथ ही, फ्री डिजिटल डेंटल चेक-अप की सुविधा भी दे रहे हैं। ओरल केयर की शिक्षा, जागरूकता और सही इलाज सभी के लिए सुलभ करने की इन लगातार कोशिशों के जरिए सेंसोडाइन, भारत में ओरल हेल्थ को बेहतर बनाने में लगा है।डॉ. अशोक ढोबले, ऑनरेबल सेक्रेटरी जनरल हेड, इंडियन डेंटल एसोसिएशन ने कहा कि, "हम भारत में ओरल हेल्थ जागरूकता बढ़ाने की इस पहल में सेंसोडाइन, के साथ साझेदारी करके गर्व महसूस कर रहे हैं। इंडियन डेंटल एसोसिएशन हमेशा से ही बचाव वाली दंत चिकित्सा को बढ़ावा देने में आगे रहा है, और यह पहल शिक्षा और पहुंच की ताकत को दिखाने का एक अच्छा उदाहरण है। यह कोशिश न केवल लोगों को बेहतर ओरल हेल्थ की ओर पहला कदम उठाने के लिए प्रेरित करती है, बल्कि समय पर पहचान कर उसके लिए कदम लेने की अहमियत को भी उजागर करता है।"

सिरसा आना मेरे लिए तीर्थ समान: उपराष्ट्रपति धनखड़

760 स्टूडेंट्स को बांटी डिग्रियां। बोले, चौधरी देवीलाल व्यक्ति नहीं एक सोच। मंत्री रणवीर गंगवा और अभय चौटाला रहे मौजूद। ओपी चौटाला म्यूजियम का किया शिलान्यास

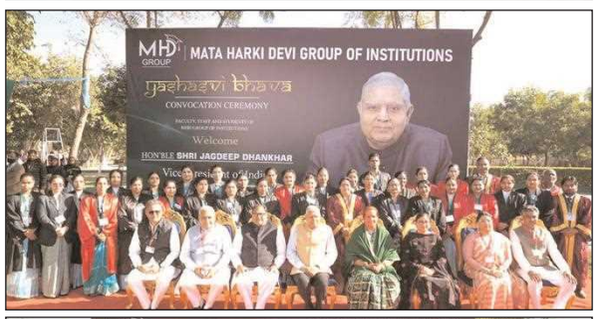

रवि कुमार

सिरसा, 05 मार्च। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बुधवार को ओढ़ां स्थित माता हरकी देवी कॉलेज पहुंचे। कॉलेज पहुंचने पर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा, पूर्व विधायक अभय चौटाला, कांता चौटाला ने उनकी अगुवानी की। उपराष्ट्रपति ने माता हरकी देवी कॉलेज में 360 और जेसीडी विद्यापीठ में 400 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व विधायक अभय चौटाला ने की। इसके अलावा उपराष्ट्रपति ने हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला की स्मृति में जेसीडी विद्यापीठ में बनने वाले म्यूजियम की आधारशिला रखी। इस म्यूजियम में स्व. चौटाला से जुड़ी यादों को संजोकर रखा जाएगा।

इससे पूर्व माता हरकी देवी महाविद्यालय में पहुंचने पर चेयरमैन अभय सिंह चौटाला ने महामहिम उपराष्ट्रपति का स्वागत करते हुए कहा कि महामहिम का इस महिला महाविद्यालय में आना नारी शक्ति के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने महामहिम के साथ अपने परिवार के जुड़ाव का जिक्र किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि चौधरी देवीलाल एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक सोच थे। उन्होंने कमेरा वर्ग की समस्याओं को दूर करने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने चौधरी देवीलाल के साथ जुड़ी स्मृतियों को याद करते हुए कहा कि चौधरी देवीलाल ने मुझे प्लीडर से लीडर बनने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि जब भी उनके जीवन में कोई शंका आती है या विकार आते हैं तो वे चौधरी देवीलाल के विचारों को आत्मसात कर अपनी शंका व विकारों को दूर करते हैं। उन्होंने कहा कि चौधरी देवीलाल ने पहली बार देश के कमेरा वर्ग को कर्जमुक्त करने की पहल की क्योंकि उनका मानना था कि यदि कमेरा वर्ग शक्तिशाली होगा तो देश आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के लिए क्रांतिकारी कदम है जोकि महिलाओं के लिए राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि हरियाणा की भूमि ऊजार्वान है जो कि देश को सबसे अधिक सैनिक, पहलवान देती है। उन्होंने कहा कि यह समय बदलाव का है इसलिए गांव में रहने वाले बच्चों को बदलाव लाने का वाहक बनना होगा। उन्होंने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने जय जवान जय किसान का नारा दिया, अटल बिहारी वाजपेयी ने इस नारे में जय विज्ञान शब्द को जोड़ा। वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस नारे को और अधिक विस्तृत करते हुए इसे जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय संविधान किया, लेकिन प्रदेश के लिए यह नारा जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय संविधान, जय पहलवान होना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि शिक्षा बदलाव का केंद्र है, ज्ञान की कोई सीमा नहीं, असफलताओं से नहीं डरना चाहिए, संभावनाओं का टोकरा बढ़ता जा रहा है, हमें अपनी सोच को बड़ा रखना होगा तो सफलता मिलना असंभव नहीं।

सुरक्षा के लिए पुलिस रही मुस्तैद:

उपराष्ट्रपति के दौरे के चलते जिला प्रशासन से लेकर पुलिस विभाग तक पूरी तरह अलर्ट रहा। सुरक्षा व्यवस्था से लेकर ट्रैफिक व्यवस्था तक को लेकर पुलिस की सख्ती रही। जेसीडी में होने वाले कार्यक्रम में शामिल होने के लिए विद्यार्थियों व अतिथियों को कड़ी सुरक्षा से गुजरना पड़ा।

इन कॉलेजों के स्टूडेंट्स को मिली डिग्री:

जेसीडी विद्यापीठ के महानिदेश डॉ. जयप्रकाश ने बताया कि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के हाथों माता हरकी देवी महाविद्यालय की छात्रों को डिग्रियां वितरित करने के अलावा विद्यापीठ के अलग-अलग छह कॉलेजों के 400 स्टूडेंट्स को डिग्री मिली। इनमें जेसीडी डेंटल कॉलेज, जेसीडी कॉलेज ऑफ फामेर्सी, जेसीडी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, जेसीडी इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, जेसीडी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, जेसीडी मेमोरियल पीजी कॉलेज के स्टूडेंट्स शामिल थे।

गणमान्यों ने किया उपराष्ट्रपति का स्वागत:

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ व उनकी पत्नी सुदेश धनखड़ का स्वागत समारोह में अभय सिंह चौटाला, कांता चौटाला, विधायक आदित्य चौटाला, राज्यमंत्री रणवीर सिंह गंगवा, संस्थान के अध्यक्ष सरदार मनिंदर पाल सिंह बराड़, संस्थान की प्रबंध निदेशिका डॉ. कुलदीप कौर आनंद के अलावा जिला सिरसा, रानियां, कालांवाली, डबवाली के गणमान्य विधायक, शिक्षा, चिकित्सा, समाजसेवी व न्यायाधीश इस उत्सव का हिस्सा बने। संस्थान में पहुंचने पर माननीय उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के द्वारा पौधारोपण किया गया। इसके बाद उपराष्ट्रपति को विशेष सम्मान सहित व एकेडमिक प्रोसेशन के साथ मंच पर पदासीन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलन व माता हरकी देवी की प्रतिमा को पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।

चिराग योजना के तहत बीपीएल परिवार के बच्चों को भी मिलेगा निजी स्कूलों में दाखिला, विभाग ने जारी किया शेड्यूल

-15 मार्च से शुरू होगी प्रवेश प्रक्रिया, 15 अप्रैल तक करना होगा दाखिला

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

लोहारू, 05 मार्च। आर्थिक तंगी के अभाव में निजी स्कूलों में शिक्षा ग्रहण न कर पाने का छात्रों का सपना अब साकार होने जा रहा है। अब आर्थिक रूप से कमजोर तबके के छात्र भी चिराग योजना के तहत बिना किसी शुल्क के निजी स्कूलों में प्रवेश लेक अपनी शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। शिक्षा विभाग द्वारा निजी स्कूलों में चिराग योजना के तहत प्रवेश प्रक्रिया का शेड्यूल जारी कर दिया है तथा अब इस योजना के तहत निजी स्कूलों को कक्षा 5वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों का प्रवेश देना होगा। विभाग द्वारा जारी आदेशों के अनुसार इस योजना का लाभ केवल उन्हीं विद्यार्थियों को मिलेगा जो गत शैक्षणिक सत्र में सरकारी स्कूलों के छात्र रहे है। उन विद्यार्थियों के परिवार की वार्षिक आय पीपीपी (परिवार पहचान पत्र) के अनुसार 1.80 लाख रुपए तक होनी चाहिए। योजना के तहत चयनित छात्रों को उनके वर्तमान खंड के मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों में प्रवेश मिलेगा। यह योजना उन छात्रों के लिए एक सुनहरा अवसर है, जो निजी स्कूलों में पढ़ाई का सपना देखते हैं लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण वे निजी स्कूलों में प्रवेश नहीं ले पाते। चिराग योजना के तहत प्रवेश प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए विभाग द्वारा संबंधित विद्यालयों में विभागीय नॉमिनी नियुक्त किए गए है। इसके लिए खंड शिक्षा अधिकारी, सरकारी विद्यालय के प्राचार्य, मुख्याध्यापक या पीजीटी अध्यापक में से किसी एक को नियुक्ति की गई है। योजना के तहत फीस प्रतिपूर्ति उन्हीं मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों को दी जाएगी, जिन्होंने अपने स्कूल की रिवाइज व अन-रिवाइज फीस पोर्टल पर अपलोड की होगी।

निर्धारित समय में पूरी करनी होगी प्रवेश प्रक्रिया:-

चिराग योजना के तहत सरकार व विभाग से सभी मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों को निर्धारित समयावधि में दाखिला प्रक्रिया पूरी करनी होगी और सफल छात्रों की सूची अपने नोटिस बोर्ड पर चस्पा करनी होगी। दाखिले के बाद विद्यार्थियों का डाटा एमआईएस (मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम) के तहत अपडेट किया जाएगा। चिराग योजना के तहत अभिभावक अपने खंड में स्थित एक से अधिक निजी स्कूलों में दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। निजी स्कूलों को आवेदन स्वीकार करने के बाद छात्र अभिभावक को रसीद देनी होगी। प्रवेश पाने में सफल छात्रों को अपने पूर्व सरकारी विद्यालय से स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट लेनी होगा।

यह रहेगा शैड्यूल:-

निजी स्कूल 7 मार्च तक विभाग के पोर्टल पर अपनी सहमति देने के बाद 15 मार्च को विद्यालय अपने नोटिस बोर्ड पर कक्षा-वाइज सीटों की जानकारी प्रदर्शित करेंगे।

इसके बाद 1 से 6 अप्रैल तक छात्रों के चयन के लिए ड्रा निकाले जाएंगे व 15 अप्रैल तक चयनित छात्रों के नाम स्कूल के नोटिस बोर्ड लगानी होगी। इसके बाद 16 से 30 अप्रैल तक मुख्य सूची के सफल छात्रों के दाखिले न लेने पर प्रतीक्षा सूची के छात्रों का प्रवेश दिया जाएगा। 30 अप्रैल तक दाखिल छात्रों का विवरण विभागीय पोर्टल पर दर्ज करने की समयावधि तय की गई है।

खंड शिक्षा अधिकारी विजय प्रभा ने बताया कि चिराग योजना के तहत निजी स्कूलों में दाखिले के लिए विभाग द्वारा शेड्यूल जारी किया गया है। सरकार व विभाग का उद्देश्य है कि योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के होनहार छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। इस योजना से निश्चित तौर पर आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के उन बच्चों का फायदा मिलेगा जो आर्थिक मजबूरी के चलते निजी स्कूलों में पढ़ाई से वंचित रह जाते है।

विद्यार्थी, शिक्षक, खिलाड़ी और अधिकारी जुड़े बकेट चैलेंज के साथ

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 05 मार्च। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा नशे के विरुद्ध अभियान के अंतर्गत बकेट चैलेंज अभियान चलाकर युवाओं को नशा मुक्त अभियान से जोड़ने का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो के पुलिस महानिदेशक श्री ओपी सिंह के दिशानिदेर्शों एवं मार्गदर्शन और पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा एवं पुलिस अधीक्षक पंखुरी कुमार के नेतृत्व में यह अभियान जन जन तक पहुंच रहा है। सोशल मीडिया पर प्रत्येक व्यक्ति इस अभियान से जुड़कर गौरव का अनुभव करता है। ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/ उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा आज प्रातः सेक्टर-3 कुरुक्षेत्र पहुंचे और डीएवी पब्लिक स्कूल को इस अभियान से जोड़ा। शिक्षक राम रतन शर्मा के नेतृत्व में शिक्षकों और विद्यार्थियों ने इस अभियान में भाग लिया। तत्पश्चात गीता निकेतन विद्या मंदिर कुरुक्षेत्र के प्रबंध निदेशक कर्नल एस एन शर्मा और प्राचार्य सुमित कुमार के नेतृत्व में बकेट चैलेंज अभियान को स्वीकारा गया। सेक्टर 3 के अनेक लोगों ने इस अभियान में भाग लिया। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नितिन राज ने इस चैलेंज को स्वीकार किया और कहा कि नशे को समाज से समूल नष्ट करने के लिए सबको सहभागिता करनी होगी। अधीक्षक रुमन गुप्ता ने भी इस अभियान में भाग लिया। शिक्षक डॉ. ईश्वर सिंह इस अभियान से जुड़े।

परशुराम दल ने भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर अवकाश के लिए सौंपा ज्ञापन

रवि कुमार

सिरसा, 05 मार्च। देशव्यापी क्रांतिकारी ब्राह्मण संगठन परशुराम दल द्वारा भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर स्थाई अवकास घोषित करवाने के लिए बुधवार को देश भर के 251 जिलों में ज्ञापन सौंपे गए।

परशुराम दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष गंगाधर शर्मा ने बताया कि दल की प्रदेश ईकाइयों की सभी जिला कार्यकारिणियों द्वारा राष्टपति व प्रधानमंत्री को नामित करते हुए जिलाधिषों को ज्ञापन सौंपे गए, स्थानीय ब्राह्मण संस्थाओं व समस्त ब्राह्मण समाज ने इस अभियान में बढ़-चढ़ कर सहभागिता निभाई। गौरतलब है कि भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव पर पूरे देश में स्थाई अवकास नहीं होता है जोकि भगवान के प्रति आस्तिक होने पर प्रश्नवाचक चिन्ह लगाता है जबकि देश में सभी धर्मों के त्योहार व आराध्यों के प्राकट्य दिवस पर अवकास होता है। ज्ञापन में मांग की है कि देश के जनमानस की भावनाओं का सम्मान करते हुए सरकार को इस दिन स्थाई अवकास की घोषण करनी चाहिए क्योंकि भगवान परशुराम जी किसी एक समुदाय के आराध्य व कोई लोक देवता नहीं हैं वे सर्वसमाज के भगवान हैं, ऐसे में सरकार को इस विषय को गंभीरता से लेना चाहिए व आस्था का सम्मान करना चाहिए। इस अवसर पर देश के सभी राज्यों में ज्ञापन देते हुए समस्त ब्राह्मण समाज व परशुराम दल ने भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर स्थाई अवकास की मांग उठाई।

सडक हादसे में सीडीएलयू कर्मी की मौत, पत्नी घायल

रवि कुमार

सिरसा, 05 मार्च। गांव रंगड़ी के समीप अज्ञात वाहन द्वारा टक्कर मारे जाने से सीडीएलयू में कार्यरत विक्रम पुत्र हरी सिंह निवासी रंगड़ीखेड़ा की मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी संतोष घायल हो गई। पुलिस ने पत्नी की शिकायत पर अज्ञात वाहन के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस को दिए बयान में संतोष ने बताया कि वह और उसका पति विक्रम सीडीएलयू में कार्यरत है। मंगलवार को वह अपने पति के साथ बाइक पर अपने गांव रंगड़ी खेड़ा की ओर जा रहे थे। रात्रि करीब 8:20 बजे जब वे बाबा साहा मिल व जगदेव साहा मिल के पास पहुंचे तो रंगड़ी खेड़ा की ओर से आए तेज रफ्तार वाहन ने उनके बाइक को टक्कर मार दी। जिसके कारण वह और उसका पति बाइक सहित सडक पर जा गिरे। चोट लगने से उसका पति बेहोश हो गया और वह भी अचेत हो गई। राहगीरों ने उन्हें सिरसा में निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने दाखिल नहीं किया। जिस पर उसके पति को नागरिक अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसके पति को मृत घोषित कर दिया। सदर थाना पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 106, 281 के तहत मामला दर्जकर अज्ञात वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है।

चेतन्य व प्रियंका ने कन्याकुमारी में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में किया हरियाणा का प्रतिनिधित्व

रवि कुमार

सिरसा, 05 मार्च। राजकीय नैशनल महाविद्यालय, सिरसा बी.ए द्वितीय वर्ष के छात्र चैतन्य व बी.ए द्वितीय वर्ष की छात्रा प्रियंका ने विवेकानंद कॉलेज, कन्याकुमारी में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा की ओर से हरियाणा का प्रतिनिधित्व किया।

महाविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. हरविंदर सिंह ने बताया कि एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रमेश सोनी के नेतृत्व में एनएसएस स्वयंसेवियों ने राष्ट्रीय एकता शिविर में हरियाणा की लोक संस्कृति, लोक कला और संगीत, जीवन-चर्या के विभिन्न आयामों का भावपूर्ण एवं संजीव चित्रण किया। चेतन्य एवं प्रियंका द्वारा किए गए हरियाणवी लोकनृत्य ने देश के विभिन्न राज्यों से आए हुए समस्त स्वयंसेवियों व कार्यक्रम अधिकारियों के मानस पटल पर अमिट छाप छोड़ी। राष्ट्रीय एकता शिविर के आयोजक डॉ. वैलीएप्पन ने इन स्वयंसेवियों के उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए पीठ थपथपाई। चेतन्य एवं प्रियंका ने राष्ट्रीय एकता शिविर में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों में अपनी विलक्षण, कल्पनाशील, कलात्मक एवं सृजनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। चेतन्य एवं प्रियंका की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा के कुलसचिव डॉ. राजेश बंसल, प्राचार्य प्रो. हरजिंदर सिंह, नव-पदोन्नत प्राचार्य डॉ. सज्जन कुमार, डॉ. विक्रम बंसल, जनसंपर्क अधिकारी डॉ. हरविंदर सिंह, एनएसएस प्रभारी डॉ. जीत राम शर्मा, डॉ. सुरेंद्र कुमार, डॉ. विवेक गोयल सहित समस्त महाविद्यालय परिवार ने मुबारकबाद प्रदान करते हुए चेतन्य व प्रियंका के सफल, सुखद, समृद्ध, स्वर्णिम एवं उज्ज्वल भविष्य हेतु मंगलकामनाएं व्यक्त की हैं।

दुकान संचालक से 50 हजार छीने

रवि कुमार

सिरसा, 05 मार्च। गांव मतड़ निवासी दुकान संचालक से बाइक सवार युवक 50 हजार रुपए की नगछी छीनकर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में मतड़ निवासी रामसिंह ने बताया कि वह सरदूलगढ़ रोड पर दुकान करता है। उसने बताया कि बीती 3 मार्च की रात्रि को वह दुकान से बाइक पर घर आ रहा था। गांव से कुछ दूरी पर बाइक सवार तीन युवकों ने उसेरोक लिया और उसके साथ हाथापाई करने लगे। दो युवकों ने उसकी जेब से 50 हजार रुपए की नकदी छीन ली और उसे धक्का देकर भाग गए। किसी तरह उसने परिजनों व पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने मौके पर आकर घटनास्थल का जायजा लिया और युवकों की काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। रामसिंह ने बताया कि वह अपने दोस्त दीपक कुमार पुत्र सुभाष कुमार से नकदी लेकर आया था, जोकि किसी को आगे देनी थी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

हरियाणा वाटिका
Email- haryanavatika@gmail.com

युवक को रातभर बंधक बनाकर पीटा, काटी उंगली

रवि कुमार

सिरसा, 05 मार्च। जिला में एक गंभीर मामला सामने आया है। पंजाब के श्री मुक्तसर साहिब जिला के गांव विर्क खेड़ा का जोगिंद्र सिंह एक महिला से मिलने आया था, जिसे महिला के परिवार के सदस्यों ने पूरी रात बंधक बनाकर मारपीट की। मामले की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

बताया जा रहा है कि गांव मगिंआना में महिला ने अपने पति की हरिद्वार यात्रा के दौरान युवक को बुलाया था। परिवार के सदस्यों को जब मुलाकात की जानकारी मिली, तो उन्होंने युवक को घर में बंधक बना लिया। चार-पांच लोगों ने पूरी रात युवक की पिटाई की। आरोपियों ने कृपाण और कस्सी के दस्तों से हमला किया। इस दौरान युवक की एक उंगली कट गई और शरीर पर कई गंभीर चोटें आईं। सुबह होते ही परिवार के सदस्यों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल युवक को एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया। वर्तमान में जोगिंद्र सिंह का अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं सदर थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है। पुलिस प्राथमिक जांच में इसे प्रेम प्रसंग से जुड़ा मामला मान रही है।

विकासोन्मुखी होगा राज्य सरकार का बजट : रातुसरिया

रवि कुमार

सिरसा, 05 मार्च। वरिष्ठ भाजपा नेता प्रदीप रातुसरिया नेकहा कि वर्ष 2025-26 के लिए आगामी राज्य बजट विकासोन्मुखी होगा, जिसमें कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, बुनियादी ढांचे और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों पर सरकार की ओर से विशेष ध्यान दिया जाएगा। प्रैस को जारी बयान में रातुसरिया ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार विभिन्न सुधारों के माध्यम से लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए काम कर रही है। राज्य सरकार ने पिछले दस वर्षों में शासन व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव किए हैं, जो एक दशक से अधिक समय में सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन हैं। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-विकसित हरियाणा के विजन को साकार करने के लिए प्रमुख सुझावों को आगामी बजट में शामिल कर प्रदेश का 3 गुना गति से नॉन-स्टॉप विकास सुनिश्चित किया जाएगा। रातुसरिया ने कहा कि यह बजट प्रदेश के 2.80 करोड़ परिवारजनों का बजट है, जो उनके जीवन को और सरल बनाने का कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि बजट को लेकर सरकार की ओर से सभी वर्गों से सुझाव भी मांगे गए थे, जिनपर ध्यानपूर्वक विचार किया जाएगा और हरियाणा के सतत विकास को और गति देने के लिए आगामी राज्य बजट में इन्हें शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य ऐसा बजट पेश करना है, जो राज्य के प्रत्येक नागरिक के लिए समृद्धि लाए। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसा बजट बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जो हमारे नागरिकों की जरूरतों और आकांक्षाओं पर खरा उतरे।

पुलिस ने रोका तो ओवरब्रिज पर बैठे किसान, लघु सचिवालय जाने पर अड़े

रवि कुमार

सिरसा, 05 मार्च। शहर में खनौरी मोर्चे पर किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के आमरण अनशन के 100 दिन पूरे होने पर लघु सचिवालय में 24 घंटे की भूख हड़ताल करने जा रहे किसानों को पुलिस ने रेलवे ओवरब्रिज पर ही रोक लिया। पुलिसकर्मी उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के कार्यक्रम के चलते इन किसानों को आगे नहीं जा रहे थे। मगर भारतीय किसान एकता (बीकेई) के बैनर तले आए किसान लघु सचिवालय जाने पर अड़े रहे। जब पुलिस ने नहीं जाने दिया तो किसान ओवरब्रिज पर ही बैठ गए। किसानों ने इस दौरान पुलिस के प्रति रोष भी जाहिर किया।

बीकेई के प्रदेशाध्यक्ष लखविंदर सिंह ने बताया कि एमएसपी खरीद गारंटी कानून सहित किसानों की हक्की मांगों को लेकर 13 फरवरी से चल रहे ऐतिहासिक किसान आंदोलन-2 में 26 नवंबर से खनौरी बॉर्डर पर आमरण अनशन पर बैठे सरदार जगजीत सिंह डल्लेवाल का अनशन 5 मार्च को 100वें दिन में पहुंच गया है। इसलिए किसान लघु सचिवालय में 24 घंटे की भूख हड़ताल करने जा रहे थे। मगर पुलिस ने ओवरब्रिज पर रोक कर आगे नहीं जाने दिया। इस कारण किसान ओवरब्रिज पर ही बैठकर आगे जाने देने के लिए इंतजार कर रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित होने वाली गतिविधियों में अधिक से अधिक भाग लें महिलाएं: उपायुक्त महावीर कौशिक

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 05 मार्च। उपायुक्त महावीर कौशिक ने बताया कि ग्रामीण विकास विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर जनस्वास्थय एवं अभियांत्रिकी विभाग, महिला व बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन व पी.आर.आई. के साथ समन्वय से जिला/खण्ड /ग्राम पंचायत स्तर पर दौड, अभिनंन्दन समारोह, महिला सभा, महिला हितैशी ग्राम पंचायतों का चयन व प्रदर्शन, नुक्कड़ नाटक व सांस्कृतिक प्रदर्शन पैनल चर्चा व कहानी कहने का सत्र, प्रशिक्षण सत्र, झाँकियां, स्वयं सहायता समूहों द्वारा मेले का आयोजन आदि गतिविधियाँ का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने महिलाओं का आह्वान किया है कि वे अधिक से अधिक अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रमों में भागदारी बने।

सीजेएम पवन कुमार ने नशा मुक्ति/ पुनर्वास केंद्र का किया औचक निरीक्षण

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 05 मार्च। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के चेयरमैन व जिला एवं सत्र न्यायाधीश डीआर चालिया के निदेर्शानुसार प्राधिकरण के सीजेएम-कम-सचिव पवन कुमार ने सामान्य अस्पताल में स्थित नशामुक्ति/ पुनर्वास केंद्र का औचक निरीक्षण कर दाखिल मरीजों के स्वास्थ्य संबंधित जानकारी हासिल की और मरीजों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने मरीजों को नशा छोडकर अपनी जिदगी में आगे बढ? और अच्छा काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके साथ ही उन्होंने नशा मुक्ति व पुनर्वास केंद्र की इंचार्ज को हिदायत देते हुए कहा कि वे केंद्र में दाखिल मरीजों के इलाज के साथ-साथ उनको नशा छोड? के लिए प्रोत्साहित करें ताकि वे नशा त्याग कर अपनी जिदगी में आगे बढ़ सकें। इस दौरान सीबीएलयू के साइकोलॉजी की छात्राओं ने नशा रोकने के लिए पोस्टर मेकिंग द्वारा आमजन को जागरुक किया।

आठ मार्च को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में पीठासीन अधिकारी नियुक्त

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 05 मार्च। हरियाणा राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार राष्ट्रीय लोक अदालत आठ मार्च को आयोजित की जाएगी। इस लोक अदालत की सुनवाई के लिए आठ पीठासीन अधिकारियों को नियुक्त किया गया है। लोक अदालत के लिए एसीजे-एसडी भिवानी सोहन लाल मलिक की जगह सीजेएम मीता कोहली को पीठासीन अधिकारी नियुक्त किया गया है।

महंत बाबा विकास गिरी के सानिध्य में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा का शास्त्रोक्त समापन

श्रद्धालुओं ने कथा व्यास से आशीर्वाद लिया

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

बहल, 05 मार्च। श्री अलख आश्रम में ब्रह्मलीन बाबा रती गिरि महाराज की पुण्य स्मृति में फाल्गुन महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित श्रीमद्भागवत सप्ताह का बुधवार को विश्राम दिवस रहा और राष्ट्रीय कथा प्रवक्ता साध्वी गौशिका गिरी ने संगीतमय भागवत कथा वृतांत सुनाएं। महंत बाबा विकास गिरी के सानिध्य में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा का शास्त्रोक्त समापन किया गया और श्रद्धालुओं ने कथा व्यास से आशीर्वाद लिया। कथा व्यास साध्वी गौशिका गिरी ने अंतिम दिन भागवत में राधा नाम का जिक्र नहीं पर विस्तार से बताया, प्रद्युम्न जन्म शंबरासुर वध, सयमतंकमणी की कथा, श्री कृष्ण के अन्य विवाहों की कथा, बाणासुर ऊषा अनिरुद्ध विवाह, नारदजी की दिनचर्या, जरासंध उद्धार, शिशुपाल, वाल्व, दंतवक्र उद्धार, सुदामा चरित्र, यदुवंश को श्राप, नारदजी सुकदेव जी उपदेश,

परिक्षित को अंतिम उपदेश कथा वृतांत सुनाएं और श्रद्धालुओं ने एकाग्रता से श्रवण किया। अनेक बार उपदेशक भजनों पर जमकर झूमे व थिरके। श्रीमद्भागवत कथा के सातवें दिन कथा व्यास साध्वी गौशिका गिरी ने सुदामा चरित्र और परीक्षित मोक्ष आदि प्रसंगों का सुंदर वर्णन किया। सुदामा जी जितेंद्रिय एवं भगवान कृष्ण के परम मित्र थे। भिक्षा मांगकर अपने परिवार का पालन पोषण करते । गरीबी के बावजूद भी हमेशा भगवान के ध्यान में मग्न रहते। पत्नी सुशीला सुदामा जी से बार बार आग्रह करती कि आपके मित्र तो द्वारकाधीश हैं उनसे जाकर मिलो शायद वह हमारी मदद कर दें। सुदामा पत्नी के कहने पर द्वारका पहुंचते हैं और जब द्वारपाल भगवान कृष्ण को बताते हैं कि सुदामा नाम का ब्राम्हण आया है। कृष्ण यह सुनकर नंगे पैर दौड़कर आते हैं और अपने मित्र को गले से लगा लेते। उनकी दीन दशा देखकर कृष्ण के आंखों से अश्रुओं की धारा प्रवाहित होने लगती है। सिंघासन पर बैठाकर कृष्ण जी सुदामा के चरण धोते हैं। सभी पटरानियां सुदामा जी से आशीर्वाद लेती हैं। सुदामा जी विदा लेकर अपने स्थान लौटते हैं तो भगवान कृष्ण की कृपा से अपने यहां महल बना पाते हैं। लेकिन सुदामा जी अपनी फूंस की बनी कुटिया में रहकर भगवान का सुमिरन करते हैं। अगले प्रसंग में शुकदेव जी ने राजा परीक्षित को सात दिन तक श्रीमद्भागवत कथा सुनाई जिससे उनके मन से मृत्यु का भय निकल गया। तक्षक नाग आता है और राजा परीक्षित को डस लेता है। राजा परीक्षित कथा श्रवण करने के कारण भगवान के परमधाम को पहुंचते है। इसी के साथ कथा का विराम किया गया। महंतश्री बाबा विकास गिरी ने ने बताया कि वीरवार को सुबह 9 बजे से शांति हवन यज्ञ होगा। इस अवसर पर सैकड़ो की संख्या में कथा के श्रोता वी साधु संत मौजूद रहे।

'नकल व अनुचित साधनों के प्रयोग पर रहेगा पूर्ण अंकुश'

रिपोर्ट मिलते ही तुंरत रद्द होगा परीक्षा केंद्र

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 05 मार्च। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड ने नकल पर अंकुश लगाने के लिए फुलप्रूफ व्यवस्था की है। अतिरिक्त उपायुक्त एवं बोर्ड के सचिव डॉ. मुनीष नागपाल ने बोर्ड परीक्षाओं के सुचारू संचालन को लेकर बोर्ड के उप सचिवों व सहायक सचिवों के साथ बैठक की और उन्हें व्यवस्था बारे विस्तार से दिशा-निर्देश जारी किए। डॉ. मुनीष नागपाल ने बताया कि बोर्ड प्रशासन द्वारा सभी जिलों में नोडल अधिकारी तैनात कर दिए गए हैं और पल-पल की रिपोर्ट प्राप्त करने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उन्होंने कहा कि बोर्ड के नोडल अधिकारियों को एक मशालवाहक के तौर पर कार्य करना होगा ताकि गलत कार्य में शामिल लोगों पर नजर रखी जा सके। उन्होंने कहा कि परीक्षाओं को लेकर तीन बिंदुओं पर मुख्य रूप से फोकस करना

होगा। पहले पेपर लीक को कतई सहन नहीं किया जाएगा। दूसरा परीक्षा केंद्रों के बाहर किसी भी सूरत में भीड़ इकट्ठी नहीं होनी चाहिए और तीसरा नकल पर पूर्ण अंकुश लगाना होगा। डॉ. मुनीष नागपाल ने कहा कि प्रदेश के सभी 22 जिलों में रूट चार्ट के साथ उड़ान दस्तों की तैनाती की गई है। प्रत्येक उड? दस्ता लगभग छह परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करेगा। प्रत्येक उड? दस्ते को शुरूआती परीक्षा केंद्र की चेकिंग के दौरान का फोटोग्राफ नोडल अधिकारी को भेजना होगा। नोडल अधिकारी इस बारे उच्च अधिकारियों को रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि तुरंत प्रभाव से उड? दस्ता और नोडल अधिकारियों के जिला वाइज व्हाट्सएप ग्रुप तैयार किया जाए ताकि उस पर सूचनाओं सांझा की जा सके। निर्देश देते हुए डॉ. मुनीष नागपाल ने कहा कि सभी नोडल अधिकारी परीक्षाओं के समापन होने तक अलाट किए गए जिलों में ही ठहरेंगे और पूरी निगरानी करके रोजाना रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर किसी परीक्षा केंद्र के बाहर भीड़ नजर आती है तो उसका रिकॉर्ड तैयार करके प्रेषित किया जाए ताकि तुरंत प्रभाव से परीक्षा केंद्र को रद्द किया जा सके।

बैठक में बताया गया कि रोहतक जिला के लिए बोर्ड के उप सचिव ओपी निम्बिवाल, हिसार जिला के लिए उपसचिव जगदीश सैनी, कैथल जिला के लिए सहायक सचिव रणधीर सिंह, जींद के लिए रमेश जून, भिवानी के लिए संतोष नरवाल, चरखी दादरी के लिए सुनीता जाखड़, झज्जर के लिए हरीश कुमार, फरीदाबाद के लिए दिलीप कुमार, सोनीपत के लिए वीरेंद्र दुल, रेवाड़ी के लिए कुलदीप रेडू, नूंह के लिए रामकुमार, पलवल के लिए अनिल जाखड़, सिरसा के लिए राजेश जांगड़ा, गुरुग्राम के लिए बहादुर सिंह वर्मा, कुरुक्षेत्र के लिए हरिराम, यमुनानगर के लिए शिवकुमार और पानीपत के लिए कृष्ण प्रताप सिंह को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। बैठक में शिक्षा बोर्ड के सभी उप सचिव सहायक सचिव अधीक्षक व स्टाफ के अन्य सदस्य मौजूद थे।

खुला दरबार में लोगों की समस्या का समाधान करने का ड्रामा रच रहे है अधिकारी : पार्षद विनोद प्रजापति

शहर की सफाई व्यवस्था सुधारने के लिए पब्लिक हैल्थ विभाग का सुधार करना जरूरी : पार्षद विनोद प्रजापति

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 05 मार्च। स्थानीय वार्ड नंबर-25 के नारनौली महोल्ला, गोदारा बर्फ फैक्ट्री के आगे तथा नीम चौक पर पिछले कई माह से सीवरेज ब्लॉक व पेयजल लाईन लीकेज की समस्या बनी हुई है। जिसके कारण एक तरफ जहां बदबूमय माहौल बना हुआ है तो वही दूसरी तरफ क्षेत्र में महामारी फैलने का भय भी बना हुआ है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि इस समस्या के समाधान की मांग को लेकर कई बार संबंधित विभाग के अधिकारियों को अवगत करवाने के बावजूद भी समस्या ज्यो की त्यो बनी हुई है, जिसके चलते नागरिक गंदगी के बीच में अपना जीवन यापन करने को मजबूर है।

इस बारे में वार्ड नंबर-25 के पार्षद विनोद प्रजापति ने कहा कि क्षेत्रवासियों द्वारा कई बार नारनौली महोल्ला, गोदारा बर्फ फैक्ट्री के आगे, नीम चौक सीवरेज

ब्लॉक व पेयजल लाइन लीकेज की समस्या से अवगत करवाया गया है। जिसके समाधान की गुहार उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों के अलावा खुला दरबार में भी लगाई है। लेकिन समाधान नहीं हुआ।

उन्होंने कहा कि जब खुला दरबार में समस्या का समाधान ही नहीं किया जाता तो प्रशासन को इतना ड्रामा भी नहीं रचना चाहिए। पार्षद विनोद प्रजापति ने कहा कि यहां तक कि पेयजल लाईन के लिए पिछले डेढ़ वर्षो से 20 पाईप पड़े है, लेकिन उनको डालने की बजाए नागरिकों की परेशानी का तमाशा अधिकारी देख रहे है। पार्षद विनोद प्रजापति ने राज्यसभा सांसद किरण चौधरी, लोकसभा सांसद धर्मबीर सिंह व विधायक घनश्याम सर्राफ के समक्ष गुहार लगाते हुए कहा कि यदि शहर की सफाई व्यवस्था को पटरी पर लाना है तो पहले पब्लिक हैल्थ विभाग का सुधार करना होगा। क्योंकि शहर में अधिकत्तर समस्याएं पब्लिक हैल्थ विभाग की लापरवाही से ही पनपती है।

इस मौके पर क्षेत्रवासी सरोज जाखड़ व सपन कुमार ने कहा कि पिछले करीबन एक वर्ष से वे सीवरेज ओवरफ्लो की समस्या से जूझ रहे है तथा जब इस समस्या के समाधान की गुहार पार्षद व संबंधित विभाग के अधिकारियों के समक्ष लगाई जाती है तो कर्मचारी आकर एक बार तो सीवरेज साफ कर देते है, लेकिन दो-तीन दिन में फिर से सीवरेज ओवरफ्लो होने लगता है। उन्होंने कहा कि सीवरेज ओवरफ्लो रहने के कारण बच्चों को स्कूलों में तथा महिलाओं को मंदिर जाने के लिए भी गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ता है। जिसके चलते यहां पर महामारी फैलने का भय भी बना हुआ है। उन्होंने विभाग से इस समस्या का स्थायी समाधान किए जाने गुहार लगाई।

जेल लोक अदालत में मौके पर ही तीन केसों का किया निपटारा : सीजेएम पवन कुमार

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 05 मार्च। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन व जिला एवं सत्र न्यायाधीश डीआर चालिया के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सीजेएम पवन कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को जिला कारागार में लोक अदालत की आयोजन किया। इस जेल लोक अदालत में आठ केसों में से तीन केसों का मौके पर ही निपटारा किया गया।

सीजेएम पवन कुमार ने बताया कि जेल में लोक अदालत को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य कैदियों को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी देना है। प्राधिकरण द्वारा हर महीने के पहले और तीसरे बुधवार को जेल के अंदर लोक अदालत एवं कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाता है ताकि कैदियों को विभिन्न प्रकार के कानूनी प्रावधानों के बारे में जानकारी मिले सके। जेल लोक अदालत में केसों का मौके पर ही निपटारा किया जाता है। लोक अदालत उपरांत सीजेएम पवन कुमार ने जिला कारागार का निरीक्षण भी किया और अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने निरीक्षण के दौरान बंदियों के केसों में आ रही समस्याओं को सुना और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संबंधी अधिकारी को जरूरी निर्देश दिए।

वहीं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी पवन कुमार ने पुलिस लाइन परिसर में स्थित सेफ हाउस का औचक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य सेफ हाउस में रह रहे युगल जोड़ों की स्थिति और उनके लिए उपलब्ध सेवाओं का मूल्यांकन करना था। प्राधिकरण के सचिव पवन कुमार ने निरीक्षण के दौरान सेफ हाउस की साफ-सफाई, रहन-सहन, पीने के पानी की व्यवस्था और भोजनालय की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने देखा कि सेफ हाउस में बुनियादी सुविधाओं का ध्यान रखा जा रहा है, लेकिन कुछ क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सेफ हाउस में रह रहे युगल जोड़ों को प्राधिकरण द्वारा दी जाने वाली कानूनी सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर प्राधिकरण स्टाफ, जेल व हाउस स्टाफ मौजूद रहे।

बड़वा में बाबा श्याम का विशाल जागरण 10 मार्च को

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

सिवानीमंडी, 05 मार्च। खंड के गांव बड़वा के श्री श्याम मंदिर में हर साल की भांति फाल्गुन महोत्सव के मौके पर बाबा श्याम प्रभु का विशाल जागरण 10 मार्च को आयोजित होगा । इस बारे में जानकारी देते हुए श्री श्याम मंदिर कमेटी के प्रधान सुनील कुमार गोयल ने बताया कि हर साल की बातें फाल्गुन महोत्सव का आयोजन मंदिर प्रांगण में होता है और इस बार यह आयोजन 10 मार्च को होगा । उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी शिवलाल गोयल व पवन कुमार बंसल होंगे वही जोत प्रज्वलित मुकेश डालमिया करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेश केडिया करेंगे तथा सह अध्यक्षता आनंद कुमार गोयल अध्यक्ष ए के पी के स्टील करेंगे। उन्होंने बताया कि वार्षिक जागरण में श्री श्याम प्रभु का गुणगान करने के लिए भावना सर्वाजली दिल्ली, रेखा सुरभि कैथल, सुभाष दीवाना सिवानी व विक्रम ग्रोवर सिरसा आएंगे जो की बारी-बारी से श्री श्याम प्रभु का गुणगान करेंगे । उन्होंने बताया कि महोत्सव की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है।

बड़वा में विशाल डफ प्रतियोगिता 6 मार्च को

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

सिवानीमंडी, 05 मार्च। खंड के गांव बड़वा में नवयुवक संघ मंडल की ओर से विशाल डफ प्रतियोगिता का आयोजन 6 मार्च को करवाया जाएगा । यह आयोजन गांव के रामलीला मैदान में होगा। आयोजित समिति के प्रवक्ता बलवंत राजपूत ने बताया कि समस्त ग्राम वासियों के सहयोग से एवं नवयुवक संघ मंडल के मार्गदर्शन में विशाल प्रतियोगिता का आयोजन 6 मार्च को किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह गांव का एक होली मिलन समारोह भी होगा। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्घाटन समाजसेवी एवं जिला परिषद मुकेश डालमिया दीप प्रज्वलित करके करेंगे। वहीं इस कार्यक्रम की अध्यक्षता गांव की सरपंच पुष्पा देवी करेंगी। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रतियोगिता में हरियाणा राजस्थान की अनेक डफ मंडली भाग लेंगी। इधर, गांव बड़वा के रोहसरा जोहड़ पर भी 8 मार्च को प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन करवाया जाएगा। यह आयोजन बाबा रामदेव मेला कमेटी की ओर से करवाया जाता है जिसमें भी अनेक मंडलीय भाग लेंगे।

नलोई पैदल निशान यात्रा 11 मार्च को

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

सिवानीमंडी, 05 मार्च। खंड के गांव नलोई के श्री श्याम मंदिर में हर साल फाल्गुन महोत्सव के मौके पर सिवानी से नलोई धाम जाने वाली पैदल निशान यात्रा 11 मार्च को जाएगी। इस बारे में जानकारी देते हुए मंदिर कमेटी के प्रवक्ता डॉक्टर इंदर सिंह पूनिया ने बताया कि इस निशान यात्रा राधा कृष्ण मंदिर सिवानी से रवाना होगी। उन्होंने बताया कि यात्रा में सिवानी शहर व आसपास के गांवों के हजारों श्याम प्रेमी निशान लेकर के नलोई धाम पहुंचेंगे जहां पर मंदिर कमेटी की ओर से सभी श्याम प्रेमियों का स्वागत किया जाएगा। इस दौरान मंदिर प्रांगण में विशाल मेले का आयोजन भी होगा।

अध्यापक पठन-पाठन कौशलों के साथ विद्यार्थियों में समझ भी विकसित करें: डॉ.मिश्रा

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

सिवानीमंडी, 05 मार्च। हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद् पंचकूला के सौजन्य से समग्र शिक्षा कार्यालय भिवानी में आयोजित जिला स्तरीय रीडिंग प्रमोशन गतिविधियों के अंतर्गत आरोही मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सिवानी खेड़ा की कक्षा आठवीं के छात्र सुमित वृतनी लेखन प्रतियोगिता में जिलेभर में प्रथम स्थान और वाद-विवाद प्रतियोगिता में तृतीय प्राप्त कर अपना ,विद्यालय और खण्ड का नाम रोशन किया है।इसकी जानकारी देते हुए स्कूल प्रिंसिपल डॉ.संजय कुमार मिश्रा ने बताया कि सुमित स्कूल के उन होनहार विद्यार्थियों में से है जो समय-समय पर आयोजित साहित्यिक,सांस्कृतिक व ललीत कला गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय को चार-चांद लगाते हैं।इस उपलब्धि पर खण्ड शिक्षा अधिकारी डॉ.सुरेन्द्र सिंह ने भी स्कूल स्टॉफ और उनके परिवार के सदस्यों को बधाई दी।बुधवार को स्कूल परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ.मिश्रा ने सुमित को पुरस्कृत करते हुए कहा कि विद्यार्थियों में सुनने,बोलने,पढ़ने और लिखने के कौशल सुधारने के साथ-साथ समझ विकसित करने में भी अध्यापक सहयोग करें। इस मौके पर फाइनल आर्ट प्रवक्ता रामधन,राकेश कुमार,अंजू,निशा, अनुपम लता,नवीन व नरेन्द्र मौजूद रहे।\

प्रशासन एवं उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज द्वारा प्रस्तुत किए जाएंगें सांस्कृतिक कार्यक्रम: एसडीएम वीरेंद्र सिंह

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

सिवानीमंडी, 05 मार्च। भारतीय संस्कृति को जीवंत रखने के लिए जिला प्रशासन एवं उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज द्वारा 6 मार्च को सिवानी में कथा व सप्तरंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।एसडीएम वीरेंद्र सिंह ने बताया कि 6 मार्च को सिवानी में सप्तरंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम में उत्तर भारत के कलाकारों की टीमों द्वारा फाल्गुन माह के पावन अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के तहत काली स्वांग नृत्य उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक टीम , बधाई एवं नौरता नृत्य मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक टीम, भवई, घूमर एवं चरी नृत्य राजस्थान के कलाकारों की टीम प्रस्तुत करेगी। वहीं बिहू नृत्य असम राज्य की सांस्कृतिक टीम द्वारा, सुआ नृत्य छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक टीम द्वारा, जागर, घसियारी नृत्य उत्तराखण्ड के कलाकारों की टीम द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। हरियाणा रागिनी गायन हरियाणवी कलाकार बाली शर्मा और उनकी पार्टी द्वारा बेहतर सास्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

नाम परिवर्तन

मैं कमला देवी पत्नी श्री प्रताप सिंह निवासी गांव तोशाम , तहसील तोशाम जिला भिवानी ब्यान करती हूं कि मेरे पुत्र का नाम केशव (Keshav) है जिसकी जन्मतिथि 27/06/2007 है। यह की मेरा नाम कमला देवी, मेरे पति का नाम प्रताप सिंह है। पुत्र केशव के सत्र 2022-2023 मे C.B.S.E बोर्ड द्वारा (DMC) में मेरा नाम कमला व मेरे पति का नाम प्रताप हैं जोकी अधूरा है।

यह की मेरा नाम कमला देवी मेरे पति का नाम प्रताप सिंह है। सभी दस्तावेज आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर कार्ड आदि में दर्ज है। मेरे पुत्र की मैं C.B.S.E बोर्ड द्वारा (DMC) में मेरा नाम कमला देवी व पति का नाम प्रताप सिंह करवाना चाहती हु जो की सही व दुरस्त है, भविष्य में किसी भी बदलाव की पेशकश नहीं करूंगी। उपरोक्त बयानों की पाबंद रहुँगी।

नाम परिवर्तन

मैं प्रताप सिंह पुत्र श्री रण सिंह निवासी गांव तोशाम , तहसील तोशाम जिला भिवानी ब्यान करता हूं कि मेरे पुत्र का नाम केशव (Keshav) है जिसकी जन्मतिथि 27/06/2007 है। यह की मेरा नाम प्रताप सिंह व मेरी पत्नी का नाम कमला देवी है। मेरे पुत्र केशव के सत्र 2022-2023 मे C.B.S.E बोर्ड द्वारा (DMC) में मेरा नाम प्रताप व मेरी पत्नी का नाम कमला है जोकी अधूरा है।

यह की मेरा नाम प्रताप सिंह, पत्नी का नाम कमला देवी है। सभी दस्तावेज आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर कार्ड आदि में दर्ज है। मेरे पुत्र की मैं C.B.S.E बोर्ड द्वारा (DMC) में मेरा नाम प्रताप सिंह व पत्नी का नाम कमला देवी करवाना चाहता हु जो की सही व दुरस्त है, भविष्य में किसी भी बदलाव की पेशकश नहीं करूंगा। उपरोक्त बयानों की पाबंद रहूंगा।

चार दिवसीय सप्तरंग रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का बवानी खेडा से हुआ आगाज

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 05 मार्च। नगराधीश अनिल कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय एकीकरण के तहत सप्तरंग रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। नगराधीश ने कहा कि चार दिवसीय सप्तरंग रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आज बुधवार से बवानी खेडा से आगाज हुआ है। जो सिवानी, लोहारू और भिवानी में भी विभिन्न राज्यों के कलाकारों की टीमें फागुन माह की रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां देंगी।

नगराधीश ने अपने सम्बोधन में कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह के नेतृत्व में सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार डीसी महावीर कौशिक के कुशल मार्गदर्शन में जिला प्रशासन के सहयोग से आज बुधवार को बवानी खेडा के राजकीय माडल संस्कृति स्कूल में उत्तरी भारत के कलाकारों की टीमों द्वारा फागन माह के पावन अवसर पर सप्तरंग रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आगाज किया गया है। एक भारत श्रेष्ट भारत योजना के तहत वीरवार 06 मार्च को सिवानी में, शुक्रवार 07 मार्च को लोहारू में और शनिवार 08 मार्च को भिवानी के बाल भवन में उत्तरी भारत के विभिन्न राज्यों में कलाकारों द्वारा बेहतर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां जनता के समक्ष प्रस्तुत की जाएंगी। बता दें कि संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव की श्रखला की कडी में यह सप्तरंग रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, प्रयागराज के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित किए जा रहे हैं।

-सप्तरंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की ये रही रूप रेखा-

सप्तरंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों में काली स्वांग नृत्य उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक टीम, बधाई एवं नौरता नृत्य मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक टीम, भवई, घूमर एवं चरी नृत्य राजस्थान के कलाकारों की टीम द्वारा की गई। वहीं बिहू नृत्य असम राज्य की सांस्कृतिक टीम द्वारा, सुआ नृत्यछत्तीसगढ़ की सास्कृतिक टीम द्वारा, जागर, घसियारी नृत्य उत्तराखण्ड के कलाकारों की टीम द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। हरियाणा प्रदेश का रागिनी गायन हरियाणवी कलाकार बाली शर्मा और उसकी पार्टी द्वारा बेहतर सास्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गई। इस अवसर पर खण्ड शिक्षा अधिकारी सुरेश यादव, राजकीय महिला महा विद्यालय के प्रिंसिपल प्रोफेसर मनोज यादव, स्कूल प्रिंसिपल श्रीमती संतोष भाकर, वाइस प्रिंसिपल सत्येवान सिंह, समाज सेवी सुन्दर अत्री, प्रयाग राज सांस्कृतिक कार्यक्रमों के इंचार्ज शैलेन्द्र कुमार सहित कॉलेज और स्कूल प्रबन्धन समितियों के सदस्य व प्राध्यापक गण तथा कलाकार उपस्थित रहे।

शिव नगर में सीवर व्यवस्था ठप्प, सी एम विंडो में दी शिकायत

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 05 मार्च। स्थानीय शिव नगर कॉलोनी निवासी इन दिनों सीवर व्यवस्था ठप्प होने की वजह से परेशान है। कॉलोनी वासियो ने बार बार अधिकारियों को इसकी सूचना दी लेकिन विभाग ने कोई सुध नहीं ली। लोगो ने परेशान होकर इसकी शिकायत अब सी एम विंडो में दी है।

कॉलोनी वासी राजेश कुमार ने बताया की उनका घर शिव नगर कॉलोनी मकान नंबर 237 में रहते है। उनके मकान का सीवर बिल्कुल ठप्प पड़ा है। उन्होंने बताया की उनके ही नहीं बल्कि उनकी गली के लगभग सभी सीवर बेक मारते है। घरों में बदबू का आलम बना रहता है। उन्होंने यह भी बताया की कॉलोनी के आधे से ज्यादा मकानों के सीवर ठप्प है। बार बार अधिकारियों को शिकायत की है लेकिन कोई सुनवाई नहीं करता है। उन्होंने बताया की अब उन्होंने सीएम विंडो में शिकायत दर्ज करवाई है। उन्होंने कहा की अब उन्हें सीएम विंडो से ही समाधान की उम्मीद है।

गांव बड़ेसरा निवासी नकुल मौत मामले में परिजनों ने लगाए हत्या के आरोप

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 05 मार्च। जिला के गांव बड़ेसरा निवासी कुलदीप ने थाना बवानीखेड़ा के एसएचओ के माध्यम से पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर उसके भाई नकुल के हत्यारों को गिरफ्तार करने की मांग उठाई है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उसके भाई की गांव बड़ेसरा के सुमित व कृष्ण तथा जाटु लोहारी के कपिल ने एक सोची-समझी साजिश के तहत बीते 25 जनवरी को हत्या कर दी गई थी तथा उसे एक सडक दुर्घटना का रूप दे दिया था। लेकिन पुलिस इस मामले में ढ़ीली कार्यप्रणाली अपनाए हुए है, जिसके चलते वे न्याय से वंचित है। पुलिस अधीक्षक के नाम सौंपे ज्ञापन के माध्यम से मृतक नकुल के भाई कुलदीप ने बताया कि बीते 25 जनवरी को उसके भाई नकुल का शव बड़ेसरा में डिगी की नाली में मिला था। उन्होंने बताया कि जिस दिन उसके भाई नकुल की मृत्यु हुई, उस नकुल को एक सुमित नामक युवक काम पर ले गए था व उस दौरान आरोपी कपिल भी उनके साथ था। उन्होंने बताया कि उनके भाई नकुल की मृत्यु बारे जानकारी जुटाने के लिए जब उन्होंने आरोपी सुमित व कपिल ने कोई जानकारी देने की बजाए कुछ ना कुछ बहाने बनाकर मुलाकात से टालते रहे। मृतक के भाई कुलदीप ने बताया कि उसके भाई नकुल का किसी लडकी से प्रेम प्रसंग था तथा उस प्रेम प्रसंग से आरोपी खुश नहीं थे तथा आरोपी कृष्ण लडकी को नकुल से बात करने के लिए मना करता था। उन्होंने बताया कि इस बारे में उन्होंने 19 फरवरी को बवानीखेड़ा थाना में शिकायत दी थी, लेकिन पुलिस ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की। मृतक के भाई ने कहा कि पुलिस इस मामले को गंभीरता से नहीं ले रही, जिसके चलते आरोपी खुले आम घूम रहे है तथा वे न्याय से वंचित है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाते हुए कहा कि इस मामले में संज्ञान लेते हुए जांच के आदेश दे, ताकि उन्हे न्याय मिल सकें।

रयात बाहरा विश्वविद्यालय में 5वां सीएमई कार्यक्रम आयोजित

हरियाणा वाटिका/प्रवीण कुमार

चंडीगढ़, 05 मार्च। रयात बाहरा विश्वविद्यालय के फिजियोथेरेपी और रेडियोलॉजी स्कूल ने विश्व श्रवण दिवस के अवसर पर 5वां सीएमई कार्यक्रम झ्र रेडियोलॉजी इमेजिंग और पुनर्वास सफलतापूर्वक आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य श्रवण स्वास्थ्य में बहु-विषयक सहयोग को बढ़ावा देना था, जिसमें विशेषज्ञ व्याख्यान, संवादात्मक सत्र और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ शामिल रहीं। कार्यक्रम का नेतृत्व माननीय कुलाधिपति सरदार गुरविंदर सिंह बाहरा ने किया, जबकि चंडीगढ़ के वरिष्ठ उप महापौर श्री जसबीर सिंह बंटी मुख्य अतिथि रहे। डॉ. धरमवीर, ईएनटी, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ ने मुख्य वक्ता के रूप में श्रवण स्वास्थ्य में नवीनतम प्रगति पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का सफल आयोजन प्रो. (डॉ.) ललित कुमार गुप्ता, डीन, और उनकी आयोजन समिति ने किया, जिसमें शिक्षकों, छात्रों और आरबीयू इवेंट क्लब का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम का समापन सम्मान समारोह के साथ हुआ, जिसने रयात बाहरा विश्वविद्यालय की स्वास्थ्य शिक्षा और अनुसंधान में प्रतिबद्धता को और मजबूत किया।

अधिकारी आपसी तालमेल स्थापित कर गर्मी के मौसम में पेयजल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करे: उपायुक्त महावीर कौशिक

अधिकारियों को दिए पेयजल व सीवरेज प्रबंधन करने के निर्देश

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 05 मार्च। उपायुक्त महावीर कौशिक ने सिंचाई, बिजली तथा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी आपसी तालमेल स्थापित कर गर्मी के मौसम में पेयजल की निर्बाध रूप से पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि शहर या गांव में पेयजल की कोई समस्या नहीं आनी चाहिए। फील्ड स्टाफ को सर्तक किया जाए और कहीं पर भी पेयजल की दिक्कत आती है तो तुंरत उसका समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में पानी निकासी की भी उचित सुचारू व्यवस्था की जाए।

उपायुक्त बुधवार को कैंप कार्यालय में गर्मी के मौसम को लेकर पेयजल आपूर्ति को लेकर अधिकारियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पानी रिसाव वाली पुरानी लाइनों को तुंरत बदला जाए और गंदे पानी की निकासी का भी प्रंबध किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को पेयजल का उचित प्रबंध करने के निर्देश देते हुए कहा कि आम नागरिक को पेयजल को लेकर कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों से आपसी तालमेल के साथ कार्य करने के निर्देश दिए और कहा कि पेयजल के उचित प्रबंधन के लिए हर संभव कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि अधिकारी पेयजल की उपलब्धता में कोई भी कमी न रहने दें। उन्होंने कहा कि पंप हाउस पर एडवांस मोटर रखें ताकि खराब होने की स्थिति में तुरंत बदला जा सके। उन्होंने नागरिकों से भी अपील की कि वे पानी को बर्बाद ना करें। उन्होंने कहा कि अक्सर घरों के पार्कों में पानी देने व गाड़ी धोने में पानी की बबार्दी की जाती है, जिससे बचना चाहिए। बैठक में सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने बताया कि नागरिकों को पेयजल आपूर्ति करने के लिए तीन वाटर वर्क्स बनाए गए हैं। उनकी क्षमता 211 करोड़ लीटर प्रतिदिन की है। उन्होंने बताया कि 24 दिन नहर बंद रहती है और 16 दिन नहर में पानी आता है। इस दौरान ही स्टोरेज का कार्य किया जाता है। इसके लिए मित्ताथल हेड बनाया गया है, जहां से पाइपलाइन के माध्यम से पानी जल घरों तक लाया जाता है।

बैठक में उपायुक्त महावीर कौशिक ने सीवरेज प्रबंधन को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि सीवरेज की सफाई का कार्य जल्द से जल्द शुरू किया जाए। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल सभी टैंकों में पर्याप्त मात्रा में पानी स्टोर है और पेयजल की कोई समस्या नहीं है। नहरों में समयबद्ध तरीके से पानी आ रहा है। बैठक में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के एसई राजीव बतरा, एसई जनस्वास्थ्य विभाग से दलबीर सिंह दलाल व कार्यकारी अभियंता विकास धनखड़, सूर्यकांत, गौरव लांबा, रघबीर सिंह, एसपी जैन सहित सिंचाई तथा जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

राज्यपाल आचार्य देवव्रत को सुनने आर्य महासम्मेलन रोहतक में पहुंचेंगे हजारों लोग-राममेहर आर्य

बोले आर्यसमाज युवाओं को दिखा रहा नई राह

सरकार महिपाल ढांडा शिरकत

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

कैथल, 05 मार्च। महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जन्म जयंती के उपलक्ष में 9 मार्च रविवार को हो रहे आर्य सम्मेलन के बारे में जानकारी देते हुए आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के अंतरंग सदस्य राममेहर आर्य ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत करेंगे जबकि मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा के राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय और वरिष्ठ मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षा मंत्री हरियाणा करेंगे। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में आर्य समाज से जुड़े देश प्रदेश के विद्वानों के विचार सुनने का अवसर मिलेगा। राममेहर आर्य ने कहा कि राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने आर्य समाज को नई दशा और दिशा देने का कार्य किया है। वे महर्षि दयानंद सरस्वती के विचारों और शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने गौ रक्षा और को संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए प्राकृतिक कृषि को देश भर में जन आंदोलन बनाने का कार्य किया है। जिससे किसानों को बेहद लाभ मिल रहा है वहीं आम आदमी को जहर मुक्त फल और अनाज मिल रहा है। उन्होंने कहा कि आर्य महासम्मेलन में हजारों की संख्या में लोग सभी विद्वानों और वरिष्ठ जनों को सुनने पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में महर्षि दयानंद सरस्वती की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने की जरूरत है और युवा पीढ़ी को इसके लिए आगे आना चाहिए और समाज में व्याप्त कुरीतियों और नशो के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करनी चाहिए।

डीसी ने लिया लुआस के रिजनल सेंटर के अधूरे पड़े कार्य पर संज्ञान

लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के निदेशक से की बात

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

कैथल, 05 मार्च। डीसी प्रीति ने लुआस के रिजनल सेंटर के अधूरे पड़े कार्य पर कड़ा संज्ञान लिया है। उन्होंने इस संबंध में लाला लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के निदेशक से बात की और कार्य के लंबित होने बारे चर्चा की। डीसी को बताया गया कि इस केंद्र का करीब 90 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। अतिरिक्त बजट की स्वीकृति मिलते ही इस पर अप्रैल माह में काम शुरू कर दिया जाएगा। डीसी प्रीति ने बताया कि संज्ञान में आया था कि क्योड़क में बन रहे लुआस के रिजनल सेंटर का काम पूरा होना है। इसके लिए लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के निदेशक ने बताया ह कि इस पर वर्ष 2016-17 में काम शुरू हुआ था। बीच में कोविड काल के कारण काम रुक गया था। फिर काम शुरू किया गया तो काम करीब 90 प्रतिशत पूरा हो गया है। इसके अलावा इसमें कुछ कार्य बढ़ाया भी गया है। इसमें होस्टल, रेस्ट हाउस व आवास एरिया बनाया जाना है। इसके लिए अतिरिक्त बजट के लिए फाइल विभाग मुख्यालय भेजी गई है। अधिकारियों ने बताया है कि स्वीकृति मिलते ही इस पर कार्य शुरू कर दिया जाएगा। उधर, लुआस के निदेशक नरेश जिंदल ने बताया कि अप्रैल माह में स्वीकृति मिलते ही क्योड़क में बन रहे रिजनल केंद्र के लंबित कार्य को पूरा करने का काम शुरू कर दिया जाएगा।

गुजरात कृषि विवि. के वैज्ञानिक और छात्रों ने ली प्राकृतिक कृषि की विधिवत ट्रेनिंग

हरियाणा वाटिका/एजेंसी

कुरुक्षेत्र: गुरुकुल कुरुक्षेत्र में चल रहे प्राकृतिक कृषि प्रशिक्षण केन्द्र में गुजरात प्राकृतिक कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, हलोल के विस्तार शिक्षा निदेशक रश्मीकान्त अनंत्रे सहित कृषि विशेषज्ञ एवं पीजी स्टूडेंट्स ने प्राकृतिक खेती की विधिवत चार दिन की ट्रेनिंग ली, साथ ही फार्म का दौरा कर वहां पर स्थित मिश्रित फसल व सब्जियों के मॉडल देखें। वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक पदम्श्री डॉ. हरिओम के मार्गदर्शन में गुजरात से पधारे इस दल को प्राकृतिक खेती के सभी पहलुओं से परिचित कराया गया जबकि ट्रेनिंग के दौरान डॉ. बलजीत सहारण, डॉ. विजय, डॉ. प्रदीप कुमार और डॉ. मनीषा का विशेष सहयोग रहा।

गुरुकुल के व्यवस्थापक रामनिवास आर्य ने बताया कि महामहिम राज्यपालश्री आचार्य देवव्रत जी के दिशा-निर्देशन में पूरे देश में प्राकृतिक खेती के विस्तार हेतु प्रचार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में गुजरात से हलोल कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय से डॉ. प्रभु नायका, डॉ. एसपी देशमुख, डॉ. कृष्ण, डॉ. अल्पेश बीमानी सहित अनेक कृषि विशेषज्ञों ने गुरुकुल में ट्रेनिंग प्राप्त की। इसके अलावा पीजी स्टूडेंट केशवाला भूमि, जय पटेल, विशाल वायलू, दक्ष पटेल, महेन्द्र मेवादा, मौली पटेल, श्रद्धा चौधरी भी इस ट्रेनिंग कैम्प में शामिल हुए और प्राकृतिक खेती में हो रहे नवीन प्रयोगों को करीब से देखा। इसी दल में दिल्ली से कृषि विशेषज्ञ धूमसिंह, दिनेश कुमार, रविन्द्र सिंह आदि ने भी ट्रेनिंग ली। डॉ. हरिओम ने कहा कि प्राकृतिक खेती आज की आवश्यकता है और धीरे-धीरे किसानों का विश्वास प्राकृतिक खेती में बढ़ता जा रहा है। आचार्यश्री के प्रयास से पहले हिमाचल, अब गुजरात और धीरे-धीरे पूरे देश में प्राकृतिक खेती को किसान अपना रहे हैं। क्योंकि रासायनिक और जैविक खेती के दुष्प्रभाव भी लोगों के सामने आ रहे हैं, अब एकमात्र विकल्प प्राकृतिक खेती है।

टाटा मोटर्स ने देश में पहले हाइड्रोजन ट्रक का परीक्षण शुरू किया

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो फरीदाबाद, 05 मार्च। भारत के 2070 तक प्रदूषण मुक्त बनने के लक्ष्य की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, देश की अग्रणी वाणिज्यिक वाहन निमार्ता कंपनी टाटा मोटर्स ने हाइड्रोजन से चलने वाले भारी ट्रकों का पहला परीक्षण शुरू किया है। इस ऐतिहासिक पहल को केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी और केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रह्लाद जोशी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह परीक्षण लंबी दूरी के माल परिवहन के लिए पर्यावरण के अनुकूल समाधान विकसित करने के कंपनी के प्रयासों को दशार्ता है। टाटा मोटर्स के कार्यकारी निदेशक श्री गिरीश वाघ और सरकार व कंपनियों के अन्य विशिष्ट प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। इस पहल के जरिए टाटा मोटर्स ने भारत के हरित ऊर्जा लक्ष्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है। कंपनी को इस परीक्षण के लिए अनुबंध मिला, जिसे नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित किया गया है। यह पहल लंबी दूरी के माल परिवहन में हाइड्रोजन से चलने वाले ट्रकों की व्यावसायिक उपयोगिता को परखने और इनके संचालन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे को विकसित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

टाटा मोटर्स की तैयारियों पर प्रकाश डालते हुए, टाटा मोटर्स के कार्यकारी निदेशक श्री गिरीश वाघ ने कहा टाटा मोटर्स को गर्व है कि वह भारत को हरित, आधुनिक और उन्नत परिवहन की ओर ले जाने में सबसे आगे है। कंपनी हमेशा से राष्ट्र निर्माण में योगदान देती आई है, इसलिए हम लगातार नई तकनीकों को अपनाकर ऐसे वाहन विकसित कर रहे हैं जो भारत के विकास में सहायक हों। आज, जब हमने हाइड्रोजन से चलने वाले ट्रकों का परीक्षण शुरू किया है, तो हमें गर्व है कि हम लंबी दूरी के माल परिवहन के लिए स्वच्छ और प्रदूषण रहित ऊर्जा की ओर बढ़ रहे हैं। हम भारत सरकार को धन्यवाद देते हैं कि उन्होंने हमें यह अवसर दिया। हम भविष्य में भी ऐसे वाहन बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो पर्यावरण के अनुकूल हों, आने वाले समय की जरूरतों को पूरा करें और बेहतर प्रदर्शन करें।

मुकंद लाल नेशनल कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय कैंप आयोजित

हरियाणा वाटिका/नीतीश जोगी

रादौर, 05 मार्च। मुकंद लाल नेशनल कॉलेज रादौर में 3 से 9 मार्च तक राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय कैंप आयोजित किया गया। जिसमें एनएसएस कैंप के दूसरे दिन कार्यक्रम अधिकारी नवीन भारद्वाज व नीतू कंबोज ने विद्यार्थियों को पहले दिन के कार्यक्रमों की याद दिलाते हुए दूसरे दिन के कार्यक्रम की जानकारी दी। कार्यक्रम अधिकारी व प्रिंसिपल डॉ माला शर्मा की देखरेख में बच्चों से पौधारोपण करवाया गया। बच्चों द्वारा लाए गए पौधों को कॉलेज प्रांगण में रोपित किया गया। इसके बाद डॉ शिव कुमार सैनी, योगा प्रशिक्षक, आयुष विभाग, यमुनानगर ने बच्चों को अपने सहायकों रिंपी कंबोज, रोशनलाल के साथ योग व अन्य सहायक गतिविधियों की जानकारी दी। बच्चों को सूर्य नमस्कार और अन्य प्रमुख आसनों क्लिपिंग थेरेपी, ताड़ासन सर्वाइकल का व्यायाम करवाया गया और भी व्यायाम बच्चों को करवाए गए और उनकी जानकारी दी। साथ ही बच्चों को विभिन्न प्रकार के आसान करवाए गए। उन्होंने बताया कि 2014 में सरकार ने स्वास्थ्य मंत्रालय से आयुष विभाग को अलग कर-के अलग से आयुष मंत्रालय बनाया गया जहां योगा प्रशिक्षकों को नियुक्त किया जाता है।

दूसरे सेशन में हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से मुख्य वक्ता देवेंद्र शर्मा व इंदु उपस्थित रहे। मिशन का मुख्य उद्देश्य रोजगार निर्माण है। मुख्य वक्ता ने एसएच, स्वयं सहायता समूह के बारे में बताया। स्वयं सहायता समूह में 10 महिलाओं का समूह बनाया जाता है सबसे पहले ये समूह 4 जिलों में शुरू किया गया। इसके बाद इसको जिले में 2016 में शुरू किया गया। इस समूह द्वारा महिलाओं को 3 लाख तक लोन दिया जाता है जो 2017 से बिना ब्याज पर मिलता है। 2 लाख तक के लोन पर भी कोई सिक्योरिटी नहीं देनी होती। दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के अंतर्गत बीपीएल परिवार के बच्चों को ट्रेनिंग दी जाती है। जिसमें जनरल नर्सिंग की ट्रेनिंग भी दी जाती है और प्लेसमेंट भी करवाई जाती है। पोस्टर मेकिंग और स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसका विषय नशा मुक्ति और रोड सेफ्टी रहा। सांस्कृतिक कार्यक्रम में एनएसएस वॉलिंटियर्स ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर डॉ महेंद्र सिंह, डॉ ऋचा व अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

अवैध खनन को लेकर राज्य सरकार गंभीर: उपायुक्त महावीर कौशिक

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 05 मार्च। उपायुक्त महावीर कौशिक ने कहा है कि अवैध खनन को लेकर राज्य सरकार बेहद गंभीर है और जिला में लगातार विभिन्न टीमों द्वारा चेकिंग की जा रही है। उन्होंने कहा कि अगर कोई अवैध खनन के मामले में पकड़ा जाता है तो उसे बक्शा नहीं जाएगा। महावीर कौशिक ने कहा कि हरियाणा खान एवं खनिज नियम, 2012 के अनुसार, यदि कोई वाहन वैध ई-रवाना(इलेक्ट्रॉनिक ट्रांजिट परमिट) के बिना खनिजों का परिवहन करते हुए पकड़ा जाता है, तो इसे नियम 102 और 104 का उल्लंघन माना जाएगा, और इन नियमों के आधार पर आगे की जांच की जाएगी, अर्थात अधिकारी खनिजों के अवैध परिवहन के लिए वाहन मालिक के खिलाफ कार्रवाई कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी व खनन विभाग के महानिदेशक केएम पांडुरंग के स्पष्ट निर्देश है कि भिवानी सहित पूरे प्रदेश में अवैध खनन के खिलाफ लगातार चेकिंग अभियान जारी रहे। आज भी खनन विभाग के अधिकारियों ने वाहनों की चैकिंग की।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार व खनन विभाग हरियाणा के निदेर्शानुसार जिला में अवैध खनन के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य करते हुए अवैध खनन रोकने के लिए पूरी तरह सजग एवं सतर्क है। उन्होंने कहा कि जिला में अवैध खनन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और जिला में अवैध खनन पर जिला प्रशासन की टीम की ओर से सख्त कार्यवाही की जाएगी।

महावीर कौशिक ने कहा कि जिला में अवैध खनन को रोकने के लिए टास्क फोर्स की ओर से समय-समय पर छापामार कार्यवाही की जा रही है। छापेमारी के दौरान विभागीय अधिकारी, प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहते हैं तथा इस पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी व फोटोग्राफी भी कराई जाती है। उन्होंने बताया कि अवैध खनन के खिलाफ विभिन्न स्तर पर अधिकारियों की जवाबदेही तय की गई है। उन्होंने बताया कि अवैध खनन रोकने सहित बिना ई-रवाना बिल के निकलने वाले खनिज वाहनों पर सरकार की पैनी नजर है।

इसी कड़ी में जिला भिवानी में दिन-रात खनन विभाग की टीम जहां सडकों पर मॉनिटरिंग कर रही है वहीं नियमों की अवहेलना करने वालों पर कार्रवाई भी सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने बताया कि टीम द्वारा जिले में निरन्तर अवैध खनन न हो इसकी जांच की जा रही है साथ ही जिला से निकलने वाले राष्ट्रीय व राज्य मार्गों सहित अन्य कनेक्टिविटी पर चेकिंग टीम द्वारा खनिज वाहनों की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि खनन विभाग की टीम राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्य मार्गों और अन्य प्रमुख सडकों पर सक्रिय रूप से तैनात है। दिन-रात जांच अभियान चलाया जा रहा है और हर गतिविधि की रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को सौंपी जा रही है।

इवीएम की लाइव फुटेज की एलइडी बंद

करनाल। करनाल के सेक्टर-14 स्थित राजकीय महाविद्यालय में बनाए गए ईवीएम स्ट्रांग रूम को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। यहां लगे सीसीटीवी कैमरों की लाइव फुटेज दिखाने वाली एलईडी स्क्रीन ने अचानक काम करना बंद कर दिया, जिससे मेयर और पार्षद प्रत्याशियों ने सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जिंदगी से जुड़ी फील्ड है एनवायरनमेंटल साइंस

एनवायरनमेंटल साइंस ऊर्जा को बचाने, बायोडायवर्सिटी, क्लाइमेट चेंज, ग्राउंड वॉटर आदि के अध्ययन वाला विषय है. एकेडमिक तौर पर देखें तो एनवायरनमेंटल साइंस का दायरा काफी व्यापक है और इस कोर्स में अध्ययन के दौरान सिर्फ भौतिकी या बायोलॉजिकल साइंस का ही नहीं बल्कि इकोलॉ जी, भौतिकी, रसायन विज्ञान, बायोलॉजी और ज्योलॉजी का भी अध्ययन किया जाता है.

पर्यावरण हमारी जिंदगी में अहम भूमिका निभाता है. चाहे बात खाने के अनाज की हो, रहने के लिए घर की हो, पहनने के लिए कपड़े की हो या फिर पानी, सूर्य की रोशनी, हवा की हो. सभी कुछ इसी पर्यावरण पर निर्भर करता है. इसलिए जब पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है तो उसका कहीं न कहीं प्रभाव हमारे जीवन पर पड़ता है. औद्योगिक विकास की रफ्तार ने पर्यावरण को लीलने का काम किया है. यही कारण है कि सभी का ध्यान इस ओर गया है. ऐसे में, एनवायरनमेंटल साइंस से जुड़े लोगों की मांग काफी बढ़ गई है. मूल रूप से एनवायरनमेंटल साइंस ऊर्जा को बचाने, बायोडायवर्सिटी, क्लाइमेट चेंज, ग्राउंड वॉटर आदि के अध्ययन वाला विषय है. एकेडमिक तौर पर देखें तो एनवायरनमेंटल साइंस का दायरा काफी व्यापक है और इस कोर्स में अध्ययन के दौरान सिर्फ भौतिकी या बायोलॉजिकल साइंस का ही नहीं बल्कि इकोलॉ जी, भौतिकी, रसायन विज्ञान, बायोलॉजी और ज्योलॉजी का भी अध्ययन किया जाता है.

एनवायरनमेंटल साइंस के अध्ययन की बात पहली बार 1977 में स्टॉकहोम में हुई कांफ्रेंस में सामने आई थी. औद्योगिक विकास की अंधी दौड़ में आज जिस तरह पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है, वह किसी से अछूता नहीं है. ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से लेकर ग्लेशियर के पिघलने या फिर पर्यावरण प्रदूषण आदि का मामला सभी कुछ इसी से जुड़ा हुआ है. आज के दौर में सरकार से लेकर स्वयंसेवी संगठन तक सभी पर्यावरण को लेकर जागरूक हो रहे हैं. एनवायरनमेंटल साइंस से संबंधित कोर्स यानी ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट करने वाले छात्र कंस्ट्रक्शन, केमिकल, मैन्युफैक्चरिंग और एनर्जी के फील्ड में करियर बना सकते हैं. इसके अलावा और भी कई फील्ड हैं जहां इससे संबंधित डिग्री हासिल करने वाले छात्र करियर को नई मंजिल तक पहुंचा सकते हैं.

एनवायरनमेंटल साइंटिस्ट

इससे जुड़े लोग वातावरण पर मनुष्यों द्वारा पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करते हैं. वे टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट को लेकर शोध करते हैं और एनवायरनमेंटली फ्रेंडली प्रैक्टिस को लेकर संबद्ध संस्थानों को सुझाव भी देते हैं.

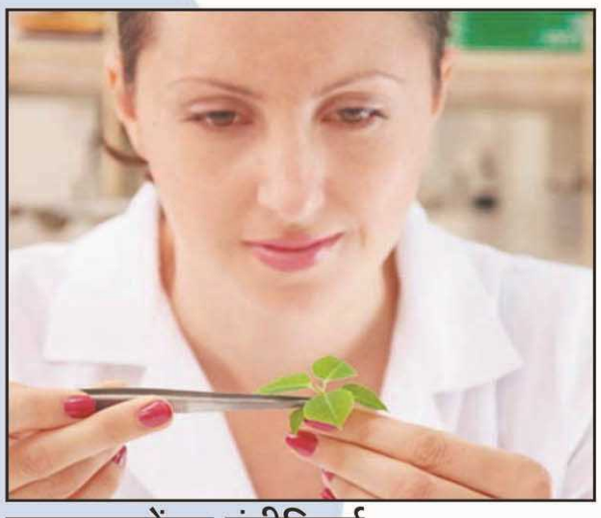

एनवायरनमेंटल इंजीनियर्स

इस फील्ड से जुड़े लोग वास्ट मैनेजमेंट, लीन मैन्युफैक्चर, रिसाइक्लिंग, इमिशन कंट्रोल, इनवायरेनमेंटल सस्टेनेबिलिटी और पब्लिक हेल्थ मामलों का अध्ययन करते हैं.

एनवायरनमेंटल लॉबिस्ट

ये सरकारी अधिकारियों, नेताओं और संबंधित स्वयंसेवी संस्थानों को पर्यावरण मामलों और नीतियों की जानकारी देते हैं.

एनवायरनमेंटल एजुकेटर

इससे जुड़े लोग एनवायरनमेंटल साइंस या फिर इससे संबंधित विषयों यानी इकोलॉजी या हाइड्रोलॉजी छात्रों को पढ़ाते हैं. इसके अलावा, एनवायरनमेंटल बायोलॉजिस्ट, एनवायरनमेंटल मॉडलर्स, एनवायरनमेंटल जर्नलिस्ट या पर्यावरण से संबंधित तकनीकविदों की तरह भी कार्य कर सकते हैं.

वेतन - एनवायरनमेंटल साइंस में बैचलर डिग्री करने वाले छात्रों को आसानी से 15-30 हजार रुपये मासिक की नौकरी मिल जाती है. जिन्होंने इस विषय में पोस्ट ग्रेजुएट किया है, उन्हें कम से कम 35-50 हजार रुपये मासिक तौर पर तो मिलते ही हैं. जो लोग पीएचडी करने के बाद बतौर साइंटिस्ट या कंसल्टेंट कार्य करते हैं, उनका वेतन शुरुआत में 50-75 हजार रुपये के बीच होता है.

संस्थान - अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, यूपी दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, दिल्ली डिपार्टमेंट ऑफ एनवायरनमेंटल बायोलॉजी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली स्कू ल ऑफ एनवायरनमेंटल साइंसे ज, जेएनयू, नई दिल्ली पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, यूपी चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, यूपी गुरुकल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार, यूपी बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा, यूपी

हस्तनिर्मित कागज उद्योग फलता-फूलता रोजगार

भारत में हस्तनिर्मित कागज उद्योग का इतिहास बहुत पुराना है। मुगल काल से इसके प्रमाण मिलते हैं। यह उद्योग भारत के सामाजिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसमें सबसे खास बात यह है कि यह उद्योग अपशिष्ट पदार्थ को रिसाइकिलिंग प्रणाली द्वारा उच्चकोटि के कागज में तब्दील कर देता है। इसके अलावा, इसमें कम खर्च में अधिक लोगों को रोजगार दिया जाता है। असम, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश एवं नगालैंड जैसे राज्यों में हस्तनिर्मित कागज के उद्योग खूब फल फूल रहा है। जबकि भारत के ग्रामीण क्षेत्रों के लगभग 10-15 हजार लोग इस व्यवसाय से जुड़े हुए हैं।

शैक्षिक योग्यता की दरकार

इस रोजगार को प्रारंभ करने से पहले यदि आप प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं तो आपको दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण होना बहुत जरूरी है। प्रशिक्षण के पश्चात आप विशेष योग्यता से लैस हो जाएंगे, बल्कि रोजगार से संबंधित बारीकियां भी आपको मालूम हो सकेंगी। यदि आपके पास इस व्यवसाय से संबंधित जानकारी पहले से ही मौजूद है तो पांचवीं की डिग्री भी महत्वपूर्ण है यानी आपको सिर्फ साक्षर होना आवश्यक है। उम्र-सीमा 18 वर्ष से कम न हो।

संबंधित पाठ्यक्रम

इसमें मुख्यत- हैंडमेड पेपर में सर्टिफिकेट कोर्स (एक से दो सप्ताह), पेपर कंजरवेशन कोर्स (दो माह), इंटरप्रिन्योरशिप कोर्स (दो माह) तथा हैंडमेड पेपर में एडवांस कोर्स (एक वर्ष) आदि शामिल हैं।

फीस एवं प्रशिक्षण अवधि

यदि आप प्रशिक्षण खादी ग्राम उद्योग कमीशन (केवीआईसी) से प्राप्त करते हैं तो आपको सिर्फ 200 रुपए मामूली फीस में प्रशिक्षण मिल सकता है। जबकि प्रशिक्षण अवधि 2-3 हफ्तों की होती है। इस दौरान प्रशिक्षु को अपशिष्ट पदार्थों को रिसाइकिल कर आकर्षक कागज में परिवर्तित करने की कला सिखा दी जाती है। रिसाइकिलिंग में टेलर कटिंग, होजरी कटिंग तथा छोटे-छोटे टुकड़ों के सहारे उच्चकोटि के उपयोगी पेपर तैयार किए जाते हैं।

खर्च एवं सुविधा

हस्त निर्मित कागज उद्योग का यूनिट लगाने में कम से कम 40-70 हजार रुपए की लागत आती है। प्रारंभ में यह जरूरी है कि यूनिट छोटी ही लगाई जाए। बाद में सफल होने तथा डिमांड अधिक होने पर यूनिट की क्षमता इच्छानुसार बढ़ा सकते हैं। इस रोजगार के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय ने किसी भी व्यक्ति को प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन के लिए अधिकतम 25 लाख रुपए तक के ऋण का प्रबंध किया है। इसके साथ ही महिलाओं, अनुसूचित जातियों, जनजातियों और पिछड़े वर्ग के विकलांगों को दिए गए कर्ज में 30 फीसदी की सब्सिडी मिलती है।

प्रशिक्षण दिलाने वाले संस्थान

ऐसे कई संस्थान हैं जो अपने यहां से हस्तनिर्मित कागज से जुड़ा प्रशिक्षण दिलाते हैं-

- खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (गांधी दर्शन), राजघाट, नई दिल्ली-110002 (संस्थान का पूरे भारत में कई जगह प्रशिक्षण केंद्र मौजूद)
- डॉ राजेन्द्र प्रसाद मल्टी डिस्प्लीनरी ट्रेनिंग सेंटर, खादी एवं विलेज इंडस्ट्रीज कमीशन, शेखपुरा, पटना-14
- कुमारप्पा नेशनल हैंडमेड पेपर इंस्टीटच्यूट, सांगानेर, राजस्थान-302022

टूरिज्म गाइड, मेहनती युवाओं के लिए बढ़िया करियर ऑपशन

पर्यटन आज सांस्कृतिक पहचान पुख्ता करने के साथ रेवेन्यू अर्जित करने का भी जरिया बन रहा है. ऐसे में स्थानीय सरकारें देश में पर्यटन को बढ़ावा देने की पुरजोर कोशिश कर रही हैं. भारतीय गांवों की सैर विदेशी पर्यटकों के लिए किसी रोमांच से कम नहीं है. यहां के घर, बच्चों के खेल, महिलाओं का ओढना-पहनना, खेत-खलिहान, दैनिक गतिविधियां, अर्थव्यवस्था आदि उन्हें इतने आकर्षित करते हैं कि पर्यटक महीनों यहां डेरा डाले रहते हैं.

टूरिस्ट गाइड का कार्य

किसी भी देश की सामाजिक, सांस्कृतिक परंपराओं से पर्यटकों को अवगत कराने में टूरिस्ट गाइड की भूमिका महत्वपूर्ण होती है. टूरिस्ट गाइड पर्यटकों के साथ रहकर उन्हें जाने-अनजाने और अनछुए पहलुओं से वाकिफ कराते हैं. यही वो कारण है जिसके चलते आज टूरिस्ट गाइड एक आकर्षक कॅरियर विकल्प के तौर पर अपनी जगह बना चुका है. संबंधित देश के टूरिस्ट गाइड राज्य क्षेत्र की भौगोलिक जानकारी के साथ-साथ सांस्कृतिक, ऐतिहासिक पर्यटन संबंधी जानकारी रखने के साथ ट्रेवल एजेंसी और बड़े-बड़े होटलों की जानकारी रखते हैं. देश में टूरिस्ट गाइड के लिए भारतीय पर्यटन और ट्रेवल विभाग से टूरिस्ट गाइड का लाइसेंस लेना होता है. लाइसेंस प्राप्त करने के लिए परीक्षा उत्तीर्ण करनी पड़ती है.

कोर्स और क्वालिफिकेशन - देश के अलग-अलग संस्थान टूरिज्म ट्रैवल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट में शॉर्ट टर्म डिप्लोमा कोर्स संचालित करते हैं, जिसमें इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रैवल एंड टूरिज्म (आईआईटीएम) सबसे खास है, तो वहीं संबंधित राज्य व केंद्र सरकारों के पर्यटन विभाग भी टूरिस्ट गाइड ट्रेनिंग कोर्स आयोजित करते हैं. जिन्हें पास करने पर आपको सर्टीफाइड गाइड का लाइसेंस मिलता है. टूरिज्म के क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए जरूरी है कि वे इस क्षेत्र में औपचारिक शिक्षा भी ग्रहण करें. देश में विभिन्न संस्थान एवं विश्वविद्यालय टूरिज्म में डिप्लोमा, बैचलर डिग्री एवं मास्टर्स डिग्री प्रदान करते हैं. डिप्लोमा कोर्स की अवधि अमूमन एक वर्ष होती है, जिसे ग्रेजुएशन के बाद किया जा सकता है. आईसीसीआर इस क्षेत्र में जूनियर फेलोशिप भी प्रदान करता है.

कॅरियर ऑप्शन - स्थानीय पर्यटन उद्योग, राष्ट्रीय पर्यटन उद्योग, होटल इंडस्ट्री, टैवल एजेंसी, एविएशन, कार्गो ऑपरेशन, हॉस्पिटेलिटी आदि में टूरिस्ट गाइड के लिए अवसर बाट जोह रहे हैं. टूरिज्म उद्योग के विस्तार से टूरिस्ट गाइड का स्कोप बढ़ा है. मेहनती, कुशल और ईमानदार युवा चाहें तो भारत की संपन्न विरासत से अपने लिए समृद्ध भविष्य की राह खोज सकते हैं. भारत सरकार भी अब ग्रामीण पर्यटन को बढावा देने के लिए कदम उठा रही है. पर्यटन मंत्रालय के अनुसार पिछले वर्ष देश भर में 66 लाख विदेशी सैलानी आए, जिनसे करीब 17.75 अरब डॉलर की कमाई हुई. मंत्रालय ने प्रत्येक वर्ष इनकी संख्या में 12 फीसदी बढोत्तरी का लक्ष्य रखा है ताकि वर्ष 2016 तक पर्यटन से विदेशी मुद्रा की कमाई दोगुनी की जा सके. स्किल्ड युवाओं के लिए इस फील्ड में संभावनाओं के असीमित द्वार हैं.

क्यों जरूरी है अपनी स्किल्स में इजाफा करना?

आप करियर के उस मुकाम पर खड़े हैं, जहां सोचते हैं कि अगले दस सालों में आप क्या करने जा रहे हैं? क्या कभी इस बात का भी अफसोस होता है कि आपने पढ़ाई के दौरान अलग-अलग विषयों का चुनाव क्यों नहीं किया, ताकि कुछ और पढ़ने या किसी दूसरी दिशा में करियर बनाने के बारे में सोच पाते? यदि इन प्रश्नों का उत्तर हां है तो यह समय है अपने पास मौजूद विकल्पों पर गंभीरता से विचार करने का। खुद की स्किल्स में निवेश करके अपने आप को आगे बढ़ाने का, री-स्किलिंग का।

क्या है स्किल्स में इजाफा करना?

शब्दकोष में री-स्किलिंग का अर्थ होगा, वह प्रशिक्षण और अनुभव, जिसके जरिए नई और बेहतर स्किल्स की जानकारी मिलती है। करियर में किसी उम्मीदवार में नई स्किल्स हासिल करने, सीखने और खुद को बदलने की क्षमता और इच्छा का होना बेहद अहम गुण माना जाता है। यह दूरदर्शिता होना कि करियर को आगे ले जाने के लिए किन स्किल्स की जरूरत होगी और उस दिशा में कदम बढ़ाना किसी उम्मीदवार के करियर को आगे ले जाने में मदद करता है। आईआईएम-बेंगलुरु में चाइनीज बिजनेस लैंग्वेज कोर्स पढ़ाने वाले प्रो. एस स्वामीनाथन कहते हैं, 'अपनी स्किल्स में इजाफा करने का अर्थ सक्रिय होकर केवल नई स्किल सीखना भर नहीं है। यह नौकरी से ब्रेक लेकर उच्च शिक्षा की ओर कदम बढ़ाना भी हो सकता है। उदाहरण के लिए कई आईआईएम केंद्रों में मंडारिन एक लोकप्रिय लैंग्वेज कोर्स बन कर उभरा है। वर्तमान में भारत-चीन एक-दूसरे से व्यापारिक रिश्तों को नकार नहीं सकते। विश्व अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान हासिल करने के लिए इस दिशा में कदम बढ़ाना जरूरी भी होगा। ऐसे में चाइनीज बिजनेस कोर्स की मदद से विद्यार्थी दोनों देशों में बन रहे आर्थिक समीकरणों में अपनी सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं।'

कॉलेज के दौरान लिए गए विषय निश्चित तौर पर पसंदीदा जॉब हासिल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, पर ऐसे भी मामले मिलते हैं, जहां लोग संयोगवश दूसरे क्षेत्रों में करियर बना बैठते हैं या फिर अपने करियर के दौरान ऐसे फंस जाते हैं, जहां उनके लिए समझना मुश्किल हो जाता है कि अब वे किस ओर कदम बढ़ाएं। दो से तीन वर्ष नौकरी कर चुकने वाले विशेषज्ञता प्राप्त उम्मीदवार और बड़े अधिकारी भी यह मानते हैं कि बदलावों से गुरेज करना और अपनी स्किल्स को बढ़ाने का प्रयास न करना एक स्तर पर आकर उम्मीदवार की प्रगति को बाधित कर देता है। जिस तेजी से कार्यस्थल और उनकी नीतियां बदल रही हैं, यह पहले से भी जरूरी हो गया है कि उम्मीदवार खुद को उपयोगी बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए। थोलोंस ग्लोबल इंस्टीट्यूट में एमडी अंकिता वशिष्ठ के अनुसार, 'जॉब मार्केट में खुद को रोजगार योग्य और उपयोगी बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। वर्कप्लेस पर बढ़ती विविधता और नित बदलती तकनीक ने कर्मचारियों पर नई तकनीक और कार्य प्रणाली को सीखने का दबाव बनाया है। उदाहरण के लिए, यदि कोई नई तकनीक मसलन बिग डाटा और एनालिटिक्स में करियर बनाना चाहता है तो उसके लिए स्टैटिस्टिक्स में क्रैश कोर्स करना फायदेमंद हो सकता है।

एक परंपरागत मार्केटिंग व्यक्ति के लिए डिजिटल मार्केटिंग में अनुभव बढ़ाना लाभप्रद रहेगा। इसी तरह अन्य उम्मीदवार खुद को किसी ऑनलाइन कोर्स या डेवलमेंट प्रोग्राम से भी जोड़ सकते हैं।' ग्लोबल रिक्रूटमेंट फर्म केली सर्विसेज के हालिया अध्ययन के अनुसार विश्व परिदृश्य की तुलना में एशिया-प्रशांत क्षेत्र में बड़े स्तर पर कर्मचारी तेजी से उभरते बाजार में अपनी स्किल्स में इजाफा करने की इच्छा जता रहे हैं। 69% भारतीय कर्मचारी आगे बढ़ने के लिए उच्च शिक्षा और प्रशिक्षण हासिल करने के बारे में गंभीरता से सोच रहे हैं। यह संख्या यूरोप और अमेरिका की तुलना में अधिक है। पहले बैंकों में नौकरी में उन्हीं लोगों को रखा जाता था, जो पहले बैंक में नौकरी करते रहे हैं। इसी तरह एफएमसीजी कंपनियां भी इसी क्षेत्र के अनुभव को वरीयता देती थीं। पर वह समय बीत गया है। आज कंपनियां विविध क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वालों को रखना पसंद करती हैं। यानी गतिशील बाजार में खुद को रोजगार योग्य बनाने व उच्च पदों को कुशलता से संभालने के लिए प्रशिक्षण हासिल करने की जरूरत होगी ही।'

रोचक तथ्य - 57 प्रतिशत प्रतिभागियों ने अपने वर्तमान नियोक्ता के पास ही पदोन्नति को ध्यान में रखते हुए अपनी स्किल्स में इजाफा करने की इच्छा जतायी। वहीं 47 प्रतिशत के अनुसार वे दूसरी कंपनी में जाने के लिए अपनी स्किल्स में इजाफा करना पसंद करेंगे।

70 प्रतिशत के अनुसार सबसे महत्वपूर्ण और उपयोगी स्किल नौकरी करते हुए हासिल की जा सकती है। उसके बाद 58 प्रतिशत ने शिक्षा और प्रशिक्षण को जरूरी बताया है। 26 प्रतिशत के अनुसार सेमिनार और वेबिनार से भी नई स्किल सीखने में मदद मिलती है। 42 प्रतिशत के अनुसार वे किसी नए कार्यक्षेत्र में जाने के लिए अपनी स्किल्स में इजाफा करना पसंद करेंगे। इन सब में गणित, इंजीनियरिंग और आईटी कर्मियों ने खुद को आगे बढ़ाने के लिए री-स्किलिंग को अन्य की अपेक्षा अधिक महत्व दिया है। 31 देशों से लगभग 1 लाख 20 हजार कर्मियों ने इस सर्वे में भाग लिया। अमेरिका में उम्मीदवारों ने प्रमोशन हासिल करने के लिए प्रशिक्षण हासिल करने की जरूरत जतायी। वहीं कुछ देशों में कर्मियों ने प्रमोशन पाने और नए नियोक्ता के यहां नौकरी पाने के लिए री स्किलिंग को जरूरी बताया।

सम्पादक, स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक नेहा वालिया द्वारा साई प्रिंटिंग प्रैस, बी-868, न्यू अशोक नगर, दिल्ली-110096 से मुद्रित एवं वालिया सदन वार्ड संख्या 10, लोहारू, भिवानी (हरियाणा) 127201 से प्रकाशित। समाचार पत्र में प्रकाशित सभी समाचारों के लिए पीआरबी एट के तहत उत्तरदायी। फोनः01252-259260, 9255149495, ईमेलः haryanavatika@gmail.com हरियाणा वाटिकाः- प्रेरणास्त्रोत- स्व. डॉ. एल सी वालिया, समूह संपादक एवं संरक्षक- श्रीमति सरला वालिया, संपादक- श्रीमति नेहा वालिया, कार्यकारी संपादक- श्रीमति रितू वालिया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लोहारू (भिवानी) होगा।